दैनिक

नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

6 | अभिव्यक्ति

3 | राजधानी

7 | आंचलिक

12 | देश-विदेश

रांची रविवार, 05 अप्रैल, 2026, वैशाख कृष्णपक्ष तृतीया, विक्रम संवत-2084 वर्ष-10 अंक-340 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

//-- सुविचार --//

हिम्मत करना क्षण भर के लिए अपना संतुलन खोना है। हिम्मत न करना खुद को खोना है।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:38

अस्त : 06:06

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	33.0	20.0
जमशेदपुर	36.0	23.0
हजारीबाग	34.0	20.0
डालटनगंज	30.0	20.0

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम रेलवे में इंटरनेट और संचार सुधारने के लिए 398 करोड़ की परियोजना मंजूर

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद और रतलाम मंडलों में संचार व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 398.36 करोड़ रुपये की एक बड़ी परियोजना को मंजूरी दी है। रेल मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि इस परियोजना के तहत रेलवे ट्रैक के साथ ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) बिछाई जाएगी, जिससे तेज और भरोसेमंद संचार नेटवर्क तैयार होगा। कुल 1929 किलोमीटर रूट पर यह केबल बिछाई जाएगी, जिसमें अहमदाबाद मंडल में 1456 किलोमीटर और रतलाम मंडल में 473 किलोमीटर शामिल हैं। रेलवे के अनुसार, इस काम से ट्रेनों के संचालन में इस्तेमाल होने वाले संचार सिस्टम और मजबूत होंगे। खासकर कवच जैसी आधुनिक सुरक्षा प्रणाली को लागू करने में यह काफी मददगार साबित होगा, जिससे ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकने में सहायता मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम भारतीय रेल को आधुनिक और डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

हिंदी थोपने के एमके स्टालिन के आरोप निराधार : प्रधान

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा नई शिक्षा नीति को लेकर लगाए गए हिंदी थोपने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह राजनीतिक विफलताओं को छिपाने का प्रयास है। प्रधान ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भाषाई स्वतंत्रता को बढ़ावा देती है और मातृभाषा में शिक्षा को प्राथमिकता देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीति को अनिवार्य हिंदी के रूप में पेश कर युवाओं के बहुभाषी बनने के अवसरों को बाधित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बहुभाषावाद किसी भाषा को कमजोर नहीं करता, बल्कि उसे मजबूत बनाता है। केंद्र सरकार सभी भारतीय भाषाओं को समान रूप से बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और विभिन्न योजनाओं एवं ढांचों के माध्यम से इसे लागू किया जा रहा है।

सरकार ने नागरिकों से कहा- ईंधन की आपूर्ति पर्याप्त

घबराहट में न करें खरीदारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से जुड़े व्यवधानों के बावजूद देश में ईंधन की आपूर्ति पर्याप्त है और स्थिति नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी से बचने की अपील की है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों और घरेलू रसोई गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। मंत्रालय ने लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने तथा ऊर्जा की बचत करने की सलाह दी है।

मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) और पाइप से मिलने वाली रसोई गैस (पीएनजी) को प्राथमिकता दी है। खासकर घरों, अस्पतालों और आवश्यक सेवाओं के लिए। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि मांग को संतुलित करने और आपूर्ति बढ़ाने के लिए रिफाइनरियों का उत्पादन बढ़ाया गया है और रसोई गैस सिलेंडर भरवाने के बीच का अंतराल भी बढ़ाया गया है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए सख्ती और बढ़ाई गई है। अब तक 3,700 से अधिक छापेमारी की गई है, एलपीजी वितरकों को लगभग 1,000 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं, जिनमें से अब तक 27 डीलरों को निलंबित किया जा चुका है। वहीं, वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति को पहले के स्तर के पर 70 फीसदी तक सीमित किया गया है, जबकि केरोसिन (मिट्टी का तेल) और कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधनों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है, ताकि दबाव कम किया जा सके। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस के मामले में घरों और परिवहन क्षेत्र को पूरी आपूर्ति दी जा रही है, जबकि उद्योग और उर्वरक क्षेत्रों के लिए आपूर्ति धीरे-धीरे बढ़ाई जा रही है।

रांची में गैस के लिए कतारबद्ध लोग

मंत्रालय ने बताया कि सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और देशभर के पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। जनता को बढ़ती वैश्विक कीमतों से राहत देने के लिए सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है और निर्यात पर शुल्क लगाया है।

मंत्रालय ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर जानकारी देते हुए कहा कि ग्रीन सानवी नामक एलपीजी जहाज 46,650 टन रसोई गैस और 25 नाविकों के साथ सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है। ग्रीन सानवी इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को पार करने वाला 7वां भारतीय ध्वज वाला एलपीजी टैंकर है। ग्रीन सानवी के गुजरने के बाद भी 17 भारतीय ध्वज वाले जहाज अभी जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए हैं। इसी बीच लगभग आधे दिन की खाना पकाने की रसोई गैस की आपूर्ति ले जा रहा एक भारतीय एलपीजी टैंकर युद्धग्रस्त होर्मुज जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार कर चुका है, जबकि ईरान का एक अन्य जहाज मंगलौर बंदरगाह पर पहुंच गया है। मंत्रालय ने कहा कि यह जलडमरूमध्य 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले और उसके बाद तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद से लगभग बंद जैसी स्थिति में है, जिससे जहाजों की आवाजाही काफी प्रभावित हुई है।

वहीं, एक अन्य बयान में कहा गया कि ईरान से रसोई गैस लेकर आया एक जहाज मंगलौर बंदरगाह पहुंच चुका है और उससे गैस उतारी जा रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में बताया कि सी बर्ड नामक एलपीजी जहाज, जो लगभग 44,000 टन ईरानी रसोई गैस लेकर आया है, दो अप्रैल को मंगलौर बंदरगाह पर पहुंचा और फिलहाल उससे गैस उतारी जा रही है। यह खरीद ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका ने हाल ही में ईरान के तेल और उससे जुड़े उत्पादों पर लगाए गए प्रतिबंधों में अस्थायी छूट दी है, ताकि पश्चिम एशिया संकट के बीच बढ़ती कीमतों को नियंत्रित किया जा सके। संभवतः पिछले सात वर्षों में यह ईरान से ऊर्जा की पहली खरीद है।

तेजस्वी आज रांची में, चढ़ा राज्य का सियासी पारा

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। राजद का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद तेजस्वी यादव ने अब झारखंड पर फोकस तेज कर दिया है। उनके इस सक्रिय रुख ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। खासकर ऐसे समय में जब झारखंड का महागठबंधन अंदरूनी मतभेदों से जूझ रहा है, तेजस्वी का यह दौरा कई संकेत दे रहा है। माना जा रहा है कि 5 अप्रैल को रांची के कार्निवल हॉल में होने वाला उनका अभिनंदन समारोह सिर्फ एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक संदेश देने का मंच भी होगा।

झारखंड में फिलहाल झामुमो, कांग्रेस और राजद का गठबंधन सत्ता में है, लेकिन तीनों दलों के बीच तालमेल में खटास की बातें भी सामने आने लगी हैं। खासकर असम चुनाव को लेकर झामुमो और कांग्रेस के बीच बढ़ी दूरी ने गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। झामुमो ने असम में अपने उम्मीदवार उतारकर कांग्रेस को असहज कर दिया है। इन हालातों ने राजनीतिक समीकरणों को और जटिल बना दिया है।

इसी बीच, राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद तेजस्वी यादव का यह पहला झारखंड दौरा है। पार्टी के प्रदेश स्तर से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं में इसे लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। राजद इसे संगठन को मजबूत करने और अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी नेताओं का मानना है कि हेमंत सोरेन सरकार में राजद की भूमिका भले ही संख्या के लिहाज से छोटी हो, लेकिन सत्ता संतुलन में उसकी अहमियत कम नहीं है।

दरअसल, झारखंड में झामुमो खुद को राज्य की प्रमुख ताकत मानते हुए फैसलों में निर्णायक भूमिका चाहता है, जबकि कांग्रेस अपनी राष्ट्रीय स्थिति के आधार पर नीतिगत मामलों में ज्यादा हिस्सेदारी की मांग कर रही है। 20 सूत्री समितियों के गठन और प्रशासनिक नियंत्रण को लेकर दोनों दलों के बीच मतभेद और गहराते जा रहे हैं। राज्यसभा की दो खाली सीटों ने इस राजनीतिक तनाव को और बढ़ा दिया है। झामुमो दोनों सीटों पर अपनी दावेदारी पेश कर रहा है, जबकि कांग्रेस कम से कम एक सीट चाहती है। इस खींचतान ने गठबंधन के भविष्य को लेकर अनिश्चितता पैदा कर दी है। वहीं, राजद भी इस मौके को अपने लिए राजनीतिक रूप से उपयोगी बनाने की कोशिश में है। चर्चा है कि तेजस्वी यादव अपने करीबी और परिवार के वफादार नेता प्रेमचंद गुप्ता को राज्यसभा भेजने के लिए रणनीति बना रहे हैं। हालांकि, राजद के पास झारखंड में केवल चार विधायक हैं, लेकिन मौजूदा समीकरणों में उसकी भूमिका किंगमेकर जैसी हो सकती है।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर बुढ़ा पहाड़ पहुंचे, कहा-

अभी सुरक्षा बल हटाना जल्दबाजी

रांची: झारखंड के बारे में भले ही यह कहा जा रहा हो कि यह नक्सलियों से मुक्त हो चुका है, लेकिन नक्सलियों का वजूद अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। देश को नक्सल मुक्त किए जाने की घोषणा के तीसरे दिन झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर माओवाद से प्रभावित रहे बुढ़ा पहाड़ क्षेत्र में पहुंचे। उन्होंने कहा कि अभी खतरा टला नहीं है, इसलिए अभी केंद्रीय बलों के कैंप नहीं हटाए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अमित शाह की ओर से पूर्व में ऐलान किया गया था कि 31 मार्च, 2026 को भारत नक्सल मुक्त हो जाएगा। हालांकि देश के अधिकांश नक्सल प्रभावित इलाकों, जिनमें झारखंड, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं, में ज्यादातर नक्सली या तो मार दिए गए हैं या फिर उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया है। इसके बावजूद माओवादी विचारधारा से प्रभावित लोगों के फिर से सिर उठाने का खतरा अभी टला नहीं है। झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बुढ़ा पहाड़ के सीआरपीएफ कैंप का दौरा किया।

उन्होंने कहा कि फिलहाल केंद्रीय सुरक्षा बल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तैनात रहेंगे। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जब तक बुनियादी सुविधाओं के साथ भरोसेमंद सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती, सुरक्षा बलों को नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में विकास की योजनाओं की समीक्षा करने का वादा भी किया। किशोर शुक्रवार को दोपहर में बुढ़ा पहाड़ के सीआरपीएफ कैंप में पहुंचे। उन्होंने वहां के स्थानीय जन प्रतिनिधियों, प्रसासन के अधिकारियों और सुरक्षा अधिकारियों से बातचीत की। वित्त मंत्री ने कहा कि बुढ़ा पहाड़ क्षेत्र से सीआरपीएफ के कैंप को हटाना फिलहाल जल्दबाजी होगा। जब तक गांव के लोगों को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल जातीं, उनकी सुरक्षा का पूरा भरोसा नहीं मिल जाता, तब तक सुरक्षा बल नहीं हटाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नक्सली उग्रवाद नियंत्रित तो हो गया है, लेकिन यह पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। मंत्री किशोर ने कहा कि, आवश्यकता होने पर केंद्रीय गृह मंत्री से इस बारे में अनुरोध किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बुढ़ा पहाड़ के दौरे बाद क्षेत्र में आए बदलाव की जानकारी ली।

प. बंगाल — ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास दिखा ड्रोन

मालदा की घटना, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के निर्देश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास शनिवार दोपहर एक संदिग्ध ड्रोन देखे जाने से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने इस घटना की तत्काल जांच के निर्देश दिए हैं। यह घटना मालदा जिले के मालतीपुर में उस समय हुई जब ममता बनर्जी अपनी जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलीकॉप्टर में सवार होने जा रही थीं। शनिवार को उनकी यह दूसरी जनसभा थी। इससे पहले उन्होंने मानिकचक में सभा की थी और इसके बाद उन्हें गाजोल में तीसरी जनसभा के लिए जाना था।

जैसे ही वह हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर की ओर बढ़ीं, उसी दौरान एक ड्रोन उसके सामने मंडराता हुआ दिखाई दिया। इसे देखते ही मुख्यमंत्री कुछ देर के लिए रुक गईं और मंच से ही पुलिस को मामले पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले पर पुलिस को सतर्क रहना चाहिए और इसके पीछे जिम्मेदार लोगों की पहचान की जानी चाहिए। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह ड्रोन कहां से आया और प्रतिबंधित वायु क्षेत्र में कैसे पहुंच गया। प्रशासन ने अभी तक इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

उल्लेखनीय है कि, हाल के दिनों में मुख्यमंत्री की हवाई यात्राओं के दौरान कुछ अन्य घटनाएं भी सामने आई हैं। 26 मार्च को खराब मौसम के कारण उनका विमान समय पर कोलकाता हवाई अड्डे पर उतर नहीं पाया था और लगभग 70 मिनट तक शहर के ऊपर चक्कर लगाता रहा था। इस दौरान बेहाला उड्डयन क्लब में उतरने के कई प्रयास भी किए गए, लेकिन अंततः विमान को दमदम हवाई अड्डे पर उतारा गया। इसके बाद एक अप्रैल को मुर्शिदाबाद जिले में जनसभा के बाद उनका हेलीकॉप्टर खराब मौसम के कारण नबाग्राम में निर्धारित स्थान पर नहीं उतर सका था। पायलट हेलीकॉप्टर को सुरक्षित वापस ले गया, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने सड़क मार्ग से अपनी यात्रा पूरी की।

मालदा की इस ताजा घटना के बाद मुख्यमंत्री के चुनावी दौरे के दौरान सुरक्षा प्रबंधों पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं।

संक्षिप्त खबरें

मां रक्षा काली की पूजा 16 अप्रैल को

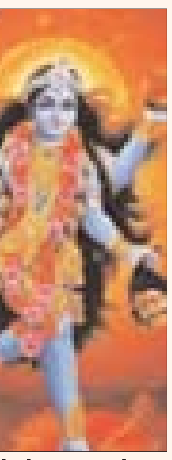

रांची। रांची के मेसरा बस्ती में इस वर्ष भी 16 अप्रैल को मां रक्षा काली पूजा धूमधाम से मनाई जाएगी। शेखर परिवार की कुलदेवी के रूप में शुरू हुई यह परंपरा पिछले 163 वर्षों से निरंतर जारी है। शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार पूजा का शुभारंभ रात 12 बजे विधि-विधान के साथ होगा, जबकि 17 अप्रैल को शाम 7 बजे प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा। इस पूजा की ख्याति इतनी है कि अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। अध्यक्ष भगवान शेखर और रघुनंदन शेखर सहित पूरा परिवार इस आयोजन को सफल बनाने में जुटा है। साधकों के अनुसार, पूर्वजों की ओर से शुरू की गई इस आध्यात्मिक विरासत को आने वाली पीढ़ियां भी पूरी निष्ठा के साथ निभा रही हैं।

स्कूल खास दुकानों से किताबें खरीदने का बना रहे दबाव : अजय

रांची। झारखंड में निजी स्कूलों द्वारा फीस में मनमानी बढ़ोतरी और अन्य अनियमितताओं को लेकर अभिभावकों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। इस मुद्दे पर झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने रांची के उपायुक्त को ई-मेल के माध्यम से पत्र भेजकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कई निजी विद्यालयों ने अब तक किताबों की सूची जारी नहीं की है। वहीं, कुछ स्कूल अभिभावकों पर अपनी सांठ-गांठ वाली विशेष दुकानों से ही किताबें खरीदने का दबाव बना रहे हैं, जो शिक्षा बोर्ड के नियमों का खुला उल्लंघन है। एसोसिएशन ने प्रशासन से मांग की है कि फीस निर्धारण कमेटी की तत्काल बैठक बुलाई जाए और जिन स्कूलों ने अतिरिक्त शुल्क वसूला है, उसे वापस कराया जाए। साथ ही दोषी स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और अभिभावकों की शिकायतों के समाधान के लिए हेल्पलाइन भी शुरू की जाए। अजय राय ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दौरान फीस वृद्धि, पुस्तक सूची जारी न करना और निर्धारित दुकानों से खरीदारी के लिए मजबूर करने जैसे गंभीर मुद्दों को उपायुक्त के समक्ष प्रमुखता से उठाया गया है। पत्र में यह भी बताया गया है कि ज़िला प्रशासन द्वारा गठित 'शुल्क निर्धारण समिति' ने अब तक एक भी बैठक नहीं की है। इसके बावजूद, कई निजी स्कूलों ने मासिक शुल्क, वार्षिक शुल्क, विकास शुल्क और कंप्यूटर शुल्क में 15 से 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी है, जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

आर्यभट्ट सभागार में सरदार पटेल स्मृति समिति द्वारा आयोजित उनकी 150वीं जयंती वर्षगांठ समारोह

सरदार पटेल के आदर्शों को अपनाएं : राज्यपाल

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और दूरदर्शी नेतृत्व ने स्वतंत्र भारत की एकता और अखंडता को मजबूत आधार प्रदान किया। वह शनिवार को रांची के आर्यभट्ट सभागार में सरदार पटेल स्मृति समिति द्वारा आयोजित उनकी 150वीं जयंती वर्षगांठ समारोह में बोल रहे थे।

राज्यपाल ने सभी से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के आदर्शों को अपने विचार, व्यवहार और कर्तव्यों में आत्मसात करें तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि 562 रियासतों के विलय का उनका ऐतिहासिक कार्य भारत निर्माण की दिशा में एक अनुपम उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और वे हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने तथा एकता की भावना को मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि यह अवसर केवल श्रद्धांजलि देने का नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लेने का भी है। उन्होंने वर्तमान समय में एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में राष्ट्रीय एकता, सुशासन और समावेशी विकास की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि देश एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है।

राज्यपाल ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा भारत की एकता, आत्मविश्वास और गौरव का प्रतीक है, जो नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने बताया कि उन्हें विगत वर्ष वहां जाने का अवसर मिला, जो अत्यंत प्रेरणादायक अनुभव रहा।

इस अवसर पर रांची की मेयर रोशनी खलखो ने कहा कि सरदार पटेल केवल देश के पहले गृह मंत्री ही नहीं थे, बल्कि उन्होंने देश की प्रशासनिक और संरचनात्मक नींव तैयार की। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे उनके जीवन से प्रेरणा लेकर खुद को उसी दिशा में विकसित करें।

वहीं विधायक सीपी सिंह ने कहा कि सरदार पटेल के कार्यों के बारे में देश के हर नागरिक को जानकारी होनी चाहिए और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें भारत रत्न मिला, लेकिन वे उससे भी बड़ी उपाधि के हकदार हैं।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कर सरदार पटेल को वह सम्मान दिया गया, जो पहले नहीं मिला। उन्होंने कहा कि ह्लएक भारत-श्रेष्ठ भारतह्व के सपने को साकार करने की दिशा में देश आगे बढ़ रहा है। साथ ही उन्होंने युवाओं को देश का भविष्य बताते हुए सरदार पटेल के सपनों को साकार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

डीएसपीएमयू में शिक्षकों की कमी पर एसीएस ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। आदिवासी छात्र संघ (एसीएस) की डीएसपीएमयू इकाई की ओर से छात्रों ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में शिक्षकों की कमी और आधारभूत सुविधाओं के मुद्दे पर शनिवार को कुलपति प्रो राजीव मनोहर को ज्ञापन सौंपा गया।

यह ज्ञापन एसीएस इकाई अध्यक्ष विवेक तिर्की के नेतृत्व में दिया गया। मौके पर एसीएस अध्यक्ष विवेक तिर्की ने कहा कि शिक्षकों की कमियों सहित अन्य समस्याओं को लेकर कई बार विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष मांगे उठाई जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों में पर्याप्त कक्षाओं की व्यवस्था करने और स्थायी और योग्य शिक्षकों की जल्द नियुक्ति की मांग की। साथ ही जनजाति एवं क्षेत्रीय विभाग (टीआरएल) सहित अन्य विभागों में आधारभूत सुविधाओं की कमी पर भी चिंता जताई।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो एसीएस आंदोलन करने को बाध्य होगा और छात्रों के अधिकारों से समझौता नहीं किया जाएगा। ज्ञापन में बताया गया कि कुड़ुख, हो, खरिया, खोरठा, कुरमाली, मुंडारी, नागपुरी, पीपीजी एवं संथाली जैसे विभागों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर को मिलाकर मात्र 02-03 शिक्षक ही कार्यरत हैं। इससे नियमित कक्षाओं का संचालन बाधित हो रहा है और छात्रों की पढ़ाई गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है।

कुलपति से मुलाकात करनेवालों में मुख्य रूप से एसीएस के अजीत महतो, उमेश गोप, विवेक तिर्की सहित अन्य मौजूद थे।

तेजस्वी आज रांची में, होगा भव्य स्वागत

कार्निवल हॉल में 12 बजे से होगा अभिनंदन समारोह

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। राजद के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव पांच अप्रैल को रांची पहुंच रहे हैं। उनका भव्य स्वागत झारखंडी रीति रिवाज के साथ कार्निवल हॉल में 12 बजे से होगा। प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने बताया कि राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर तेजस्वी यादव का रांची में स्वागत समारोह होगा। उसके लिए पार्टी के तमाम नेता तैयारी में जुटे हुए हैं। रांची शहर में तमाम जगह राजद का बैनर पोस्टर तोरणद्वार से पाट दिया गया है। यादव ने बताया कि बिहार विधानसभा में नेता विरोधी दल एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री तथा राजद राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव सड़क मार्ग से देर रात रांची पहुंचेंगे। साथ में रघुनाथपुर से विधायक ओसामा साहब सहित कई नेता शामिल होंगे।

12 बजे कार्यक्रम के दौरान युवा आइकन तेजस्वी यादव का अभिनंदन के साथ भव्य रूप से स्वागत किया जाएगा। इस दौरान तेजस्वी यादव के अभिनंदन के बाद वे कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे और पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के लिए मार्गदर्शन संदेश देंगे। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर कार्यक्रम स्थल कार्निवल हॉल का निरीक्षण करने पहुंचे पार्टी नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री झारखंड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, राष्ट्रीय महासचिव भोला प्र यादव श्रम एवं उद्योग मंत्री संजय प्र यादव प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय सिंह यादव राजद विधायक दल नेता सुरेश पासवान पूर्व विधायक गौतम सागर राणा प्रवक्ता कैलाश यादव डॉ मनोज कुमार विजय राम रंजन यादव कमलेश यादव आबिद अली रामकुमार सिंह यादव प्रणय बबलू चंद्रशेखर भगत सहित कई लोग मौजूद थे।

आजसू के प्रयासों से पंचायत चुनाव में खुला ओबीसी आरक्षण का रास्ता : आजसू

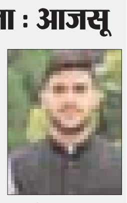

रांची। आजसू पार्टी ने कहा है कि आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के प्रयासों से ही झारखंड के पंचायत चुनाव में बड़े स्तर पर ओबीसी को आरक्षण मिला था। लेकिन हेमंत सरकार ने पंचायत चुनाव में 10 हजार पदों पर ओबीसी के आरक्षण के इस अधिकार को 2022 में साजिश के तहत एकमुश्त समाप्त कर दिया था। ओबीसी के सभी पदों को 2022 के पंचायत चुनाव में हेमंत सरकार ने सामान्य कर दिया था जिसने बड़े आक्रोश को जन्म दिया। पार्टी के केंद्रीय महासचिव संजय मेहता ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि हेमंत सरकार के इस ओबीसी विरोधी फैसले के खिलाफ वर्ष 2022 में आजसू पार्टी उच्चतम न्यायालय में रिट दायर किया था। रिट पार्टी के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने दायर किया था। इसी रिट के फैसले पर इस बार हाल में सम्पन्न हुए नगर निकाय चुनाव में ओबीसी को आरक्षण दिया गया। संजय ने बताया कि आजसू के प्रयास से पंचायत चुनाव में भी इसी फैसले पर ओबीसी को आरक्षण दिया जाएगा। वर्ष 2027 के पंचायत चुनाव में ओबीसी को आरक्षण सरकार को देना ही होगा। ऐसा नहीं करने पर सरकार को अदालत की अवमानना की याचिका का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि हेमंत सरकार ट्रिपल टेस्ट के बिना ही पंचायत और नगर निकाय चुनाव कराना चाहती थी, ताकि ओबीसी को आरक्षण नहीं देना पड़े। इस पर आजसू सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी उच्चतम न्यायालय गये जिसका बड़ा विधिक प्रभाव हुआ। कोर्ट के निर्देश के बाद नगर निकाय चुनाव से पूर्व सरकार ने ओबीसी के लिए ट्रिपल टेस्ट करवाया। हालांकि इसमें भी देरी के लिए ओबीसी आयोग के अध्यक्ष का पद लंबे समय तक खाली रखा गया था। आजसू लगातार इस गतिविधि पर नजर बनाये हुए थी जिसके बाद ओबीसी को आरक्षण देने के लिए सरकार को विवश होना पड़ा।

एक नजर

झारखंड में गरज-चमक के साथ बारिश, कई जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान गर्जन के साथ बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली। राज्य में सबसे अधिक 11 मिलीमीटर बारिश रामगढ़ जिले के मांडू में रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार, रांची में 10.3 मिमी, पंचेत में 9.8 मिमी, कोलेबिरा में 8.8 मिमी, गोविंदपुर (डीवीसी) में 8.6 मिमी, पुटकी में 8 मिमी, पंचेत डीवीसी में 7.2 मिमी और बोकारो थर्मल में 4.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने 5, 6 और 7 अप्रैल को राज्य के विभिन्न हिस्सों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश और वज्रपात को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा, 8 अप्रैल तक गर्जन, वज्रपात और ओलावृष्टि को लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया गया है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 40.3 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान गुमला में 19.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में मौसम सामान्य रूप से साफ रहा, हालांकि बीच-बीच में बादल छाए रहे। शुक्रवार को हुई बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना बना रहा। तापमान की बात करें तो रांची में अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री और न्यूनतम 20.6 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 39.4 और न्यूनतम 25.4 डिग्री, डालटनगंज में अधिकतम 40.2 और न्यूनतम 22.3 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 37.2 और न्यूनतम 22.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 40 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों पर जाने से बचें और विशेष रूप से वज्रपात के समय सावधानी बरतें।

आरपीएफ ने रांची रेलवे स्टेशन पर शराब की 18 बोतलों के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन पर विशेष अभियान चलाते हुए एक आरोपित को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई रेलवे सुरक्षा बल द्वारा चलाए जा रहे ह्यऑपरेशन सतर्कह्व के तहत की गई। आरपीएफ के उप निरीक्षक सूरज पांडेय ने शनिवार को बताया कि रांची के कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर यह अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान आरपीएफ पोस्ट रांची और फ्लाइंग टीम द्वारा स्टेशन पर संदिग्ध वस्तुओं के खिलाफ सघन चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान ट्रेन संख्या 18624 (हटिया - इस्लामपुर एक्सप्रेस) के कोच ए-1, सीट संख्या 31 पर एक संदिग्ध व्यक्ति काले रंग के ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग के साथ देखा गया। संदेह होने पर उसे रोककर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना नाम राजेंद्र सिंह और निवासी पटना (बिहार) बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 18 बोतल शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 14 हजार रुपये बताई गई है। पूछताछ में आरोपित ने स्वीकार किया कि उसने यह शराब रांची के रातू क्षेत्र से खरीदी थी और ट्रेन से बिहार ले जाकर अधिक कीमत पर बेचने की योजना बनाई थी। आरपीएफ ने आरोपित को तत्काल हिरासत में लेकर जब्ती की कार्रवाई की और बाद में उसे तथा बरामद सामान को आगे की कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को सौंप दिया।

एचईसी में वेतन भुगतान में देरी पर उठी आवाज, यूनियन ने समय पर भुगतान की मांग दोहराई

रांची। हटिया कामगार यूनियन (एटक) के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने एक बार फिर हेवी इंजीनियर्स कॉरपोरेशन लिमिटेड) (एचईसी) में मजदूरों के वेतन भुगतान में हो रही देरी का मुद्दा उठाया है। शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि एचईसी में उत्पादन की स्थिति बेहतर है, लेकिन उत्पादन की गति बनाए रखने के लिए कर्मचारियों को समय पर वेतन मिलना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में स्थायी और ठेका मजदूरों ने अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे कलेक्शन में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन की ओर से दो माह का वेतन भुगतान करने का आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद वेतन भुगतान में लगातार देरी हो रही है। इससे कर्मचारियों में निराशा बढ़ रही है और इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ सकता है। लालदेव सिंह ने कहा कि नए श्रम कानून के तहत हर माह की 7 तारीख तक वेतन भुगतान का प्रावधान है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने 1 अप्रैल 2026 से इस नियम को लागू कर दिया है, लेकिन एचईसी में अभी तक इसका पालन नहीं हो रहा है। यूनियन ने प्रबंधन से मांग की है कि कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि उत्पादन प्रभावित न हो और कर्मचारियों का मनोबल बना रहे।

स्वास्थ्य

सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर

चिकित्सक व चिकित्साकर्मियों ने किया रक्तदान

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। सदर अस्पताल परिसर, रांची में आज थैलेसीमिया एवं सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित बच्चों के हित में एक विशेष रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह शिविर समाज के प्रति संवेदनशीलता और मानवता की मिसाल प्रस्तुत करता है, जिसमें चिकित्सक एवं स्वस्थ्यकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर सदर अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों, नर्सों, छात्रों तथा अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। सभी प्रतिभागियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद बच्चों के जीवन को सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज के इस रक्तदान शिविर में 102 यूनिट रक्त इकट्ठा किया गया। रक्त दान शिविर का मुख्य उद्देश्य थैलेसीमिया एवं सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों को नियमित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा आमजन को रक्तदान के प्रति जागरूक करना था।

इस दौरान डॉ रंजू सिन्हा ने कहा कि रक्तदान न केवल एक सामाजिक दायित्व है, बल्कि यह किसी के जीवन को बचाने का सबसे बड़ा माध्यम भी है। अस्पताल उपाधीक्षक डॉ बिमलेश सिंह ने सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी जारी रहेंगे, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे समय-समय पर रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद करने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा की नई कार्यकारिणी गठित

शुभा अग्रवाल बनीं अध्यक्ष

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की सत्र 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन शनिवार को किया गया। इसकी जानकारी शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

नई कार्यकारिणी में शुभा अग्रवाल को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। उनके नेतृत्व में संगठन को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई गई है। पूर्व पदाधिकारियों और सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन में संस्था के कार्यों को नई दिशा मिलेगी और सेवा गतिविधियों में विस्तार होगा।

कार्यकारिणी में रेखा रायका को सचिव, वेदिका सिंघानिया को मीडिया प्रभारी तथा स्मिता अग्रवाल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस टीम का गठन अनुभवी सदस्यों के मार्गदर्शन और युवा ऊर्जा के संतुलन को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

नई कार्यकारिणी के गठन पर विप्र फेडरेशन एवं मंच परिवार के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की और विश्वास जताया कि यह टीम समाजहित में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी।

शाखा की ओर से बताया गया कि समर्पण शाखा पिछले 19 वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते हुए अपनी अलग पहचान बना चुकी है। नई कार्यकारिणी के गठन के साथ संस्था ने सेवा कार्यों को और व्यापक स्तर पर ले जाने का संकल्प लिया है।

संक्षिप्त खबरें

उसरी नदी का पानी बालमुकुंद फेक्ट्री अवैध रूप से जाने नहीं देंगे ग्रामीण

नवप्रदेश गिरिडीह। बालमुकुंद फैक्ट्री प्रबंधन,पथ निर्माण विभाग से जल के लिए पाईप लाइन लगाने की बात की और पाईप लाइन को उसरी नदी के तरफ ले जाने के लिए गड्ढा खोदा,इसपर ग्रामीण भड़क गए,बोला सड़क तक सीमित का कागजात है तो उसरी नहीं में पानी उठाने का नक्शा क्यों? पथ निर्माण विभाग ने,बालमुकुंद फैक्ट्री को दो किलोमीटर पानी के लिए पाईप लाइन बिछाने का लिखित आदेश पास किया है,यह विभाग का कार्य है नियम संगत भी है,विभाग केवल बिछाने का आदेश पास करें ग्रामीणों का विरोध नहीं होगा। किंतु जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों का विरोध तब जायज हो जाता है जब उसरी के तरफ पानी उठाने के लिए जेसीबी से गड्ढा किया जाने लगा,इसपर ग्रामीण भड़क गए,ग्रामीणों ने फोन कर के माले नेता सह उसरी बचाव अभियान के संयोजक राजेश सिन्हा,माले नेता कन्हाई पांडेय को बुलाया,साथ ही साथ देखा कि एक आवाज प्रदूषण के विजय राय, शुभंकर गुप्ता, जेएमएम से अमित राय,के अलावे जेएमएम कालीचरण सोरेन, कोलेश्वर सोरेन,उप मुखिया रंजीत राय,विकास राय,मुन्ना तुरी,पुजा मुर्मू आदि की उपस्थिति में दर्जनों महिला पुरुष और बच्चे उपस्थित हुए,उसी बीच विभाग के जे ई जय प्रकाश,फैक्ट्री का प्रतिनिधि फूलचंद आदि के बीच एक शांतिप्रिय ढंग से बैठक हुई,उन्होंने अपना ओरिजनल एग्रीमेंट पेपर नक्शा दिखाया तो उसने उसरी नदी का पानी के बीच में बड़े बड़े बिल्डिंग और मशीनों के नक्शा को देखा गया,

गेतलसूद महादेव मंडा पूजा के अध्यक्ष बने कार्तिक

अनगड़ा। महादेव मंडा पूजा के सफल आयोजन को लेकर शिव मंदिर परिसर गेतलसूद में एक बैठक ईश्वर चंद्र गोस्वामी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में इसके सफल आयोजन को लेकर एक कमेटी गठित की गई। गठित कमेटी में अध्यक्ष कार्तिक नायक, सचिव गणेश लोहरा,कोषाध्यक्ष अरुण महतो, सह कोषाध्यम सुजीत बैठा, उपाध्यक्ष योगेश्वर महतो, मनोज महतो, दीपक मुंडा, पुनीत लोहरा, गंगाधर नायक, पुनीत लोहरा, सहसचिव धर्मवीर नायक, करण महतो,हरिश महतो, सुनिल महतो, मुन्ना नायक, संरक्षक पंडित ईश्वर चंद्र गोस्वामी, मुख्य संगरक्षक–भोला महतो बलेश्वर लोहरा,राजेश लोहरा, वरुण ठाकुर,जीतून महतो, मुखिया शाति मुंडा, प्रमुख दीपा उरांव, पूर्व प्रमुख अनीता गाड़ी, कार्यकारिणी सदस्य संजय नायक, मुकेश लोहरा,दुबराज महतो,छतीस नायक, रवि नायक, तनु मुंडा आदि शामिल है।

जमीन दाता ने स्कूल जाने का रास्ता को किया बंद

राहे। राहे प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय दोकाद के जमीन दाता चंद्रमोहन महतो के द्वारा स्कूल जाने का रास्ता में कंटीलेदार झाड़ी लगा के आवागमन को बाधित किया। शनिवार सुबह 7 बजे बच्चे ओर शिक्षक स्कूल पहुंचे। रास्ता बंद देख स्कूल के बाहर बच्चे काफी परेशान रहे। प्रधानाध्यापक ने वरीय अधिकारी समेत ,सीओ ओर थाना प्रभारी को सूचित किया। 10 बजे के बाद राहे पुलिस स्कूल पहुंच कर कंटीलेदार झाड़ी को हटाया तब जाकर बच्चे स्कूल पहुंच पाए। प्रधानाध्यापक दृष्टिधन्य महतो ने कहा कि साल भर से अधिक समय से जमीन दाता रास्ता के लिए परेशान कर रहा है। जमीन दाता नौकरी की मांग कर रहा है।इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी रांची, सीओ राहे को ज्ञापन देकर मामले को बताया गया है ,लेकिन वरीय अधिकारी के द्वारा कोई पहल नहीं किया गया।जमीन दाता चंद्रमोहन महतो ने कहा कि स्कूल मेरे रैयती जमीन के खाता 87, प्लॉट 1465, रकवा 31 डिसमिल में स्कूल भवन है।मेरे द्वारा दान पत्र नहीं हुआ है। जबरन प्रलोभन देकर स्कूल बनाया गया है।स्कूल के लिए रास्ता सशर्त पर दिया जाएगा। प्रशासन और विभागीय अधिकारियों को आश्वस्त करना होगा।

कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के सशक्त आधार है

नवप्रदेश संवाददाता

गिरिडीह। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत शनिवार को भाजपा रामगढ़, भतोड़िया और डाड़ीघाट मंडल का प्रशिक्षण महाअभियान जोगिया उच्च विद्यालय के सामने हॉल में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन मंडल अध्यक्ष नवल किशोर मांझी, महेन्द्र मण्डल, भोला मांझी की संयुक्त अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, जिसमें मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही।
कार्यक्रम की शुरुआत भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल द्वारा विषय प्रवेश के साथ किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सुनील सोरेन का माला एवं पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया गया।
बैठक में वक्ता के रूप में उपस्थित भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी का इतिहास त्याग,तपस्या और राष्ट्रसेवा की भावना से ओत-प्रोत रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के सशक्त आधार हैं और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों को आत्मसात कर अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। पूर्व सांसद एवं नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील सोरेन ने अपने वक्तव्य में कहा कि अंत्योदय से संतृप्ति भाजपा की मूल विचारधारा है और इसका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर घर तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।
भाजपा नेता सीताराम पाठक ने कार्य विस्तार पर विस्तार से प्रकाश डाला,मनोज पांडे ने बूथ प्रबंधन एवं मन की बात की महत्ता पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया। गोपीनाथ ने सोशल मीडिया, एआई, नमो ऐप एवं सरल ऐप के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी, वहीं रमेश मुर्मू ने वैचारिक कार्य पद्धति विषय पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।
प्रशिक्षण शिविर में जिला परिषद सदस्य अनीता देवी, जितलाल राय,नलीन मण्डल, जयकान्त मण्डल, सीताराम यादव, अर्जुन मण्डल, उदित कुंवर,सीताराम मण्डल, दुर्योधन यादव, रामलाल हांसदा, उज्जवल दे, धनंजय पंजवारा, सीताराम मंडल, कामदेव मंडल, प्रेमचंद गुप्ता, ज्योत्स्ना देवी, योगेंद्र कुंवर, सरोज पाल, सुनील सोरेन, सुनील हेम्ब्रम, अशोक धोवालिया,मनोहर हेम्ब्रम, निताय मण्डल, रामलाल हांसदा, आलोक मंडल,श्री कांत मण्डल,सुनील हेम्ब्रम, अशोक धोवालिया,मनोहर हेम्ब्रम, निताय मण्डल, रामलाल हांसदा, आलोक मंडल,श्री कांत मण्डल समेत सैकड़ो कार्यकर्त्ता मौजूद थे.

अवैध खनन पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई

गिरिडीह। जिले के तीसरी थाना क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना कांड संख्या 30/26 दर्ज कर कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। खाता संख्या 19, प्लॉट संख्या 64 (लगभग 45 एकड़) में गैरमजरुआ खास जंगल दर्ज होने के बावजूद यहां बड़े पैमाने पर पत्थर उत्खनन और उठाव किया गया था। जांच में एक जीवित बरगद का पेड़ उखाड़े जाने का भी खुलासा हुआ, जो पर्यावरण कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन है। मामले में बीएनएस धारा 324(4) एवं 324(5), जेएमएमसी रूल 2004 की धारा 4/54, एमएमडीआर एक्ट 1957 की धारा 21 एवं 22, झारखंड माइनर मिनरल रूल 2017 की धारा 13 तथा इंडियन फॉरेस्ट एक्ट की धारा 33(1)(Ô) लगाई गई हैं। इनमें अवैध खनन, सरकारी जमीन दुरुपयोग, वन संपदा नुकसान और बिना अनुमति खनिज परिवहन जैसे आरोप शामिल हैं। छापेमारी के दौरान दो ट्रैक्टर–न्यू हॉलैंड 3037 और महिंद्रा 475 डीआई–जंगल की ओर भाग निकले, लेकिन टाटा हिटाची ए 200 सुपर पोकलेन को एसआई नंदजी राय ने पकड़ लिया। पोकलेन चालक रोहित कुमार सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस अवैध खनन में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अवैध खनन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा, और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गिरिडीह में नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान तेज
फुटपाथी दुकानदारों पर की गई कार्रवाई, ठेले से देशी शराब बरामद

नवप्रदेश/गिरिडीह। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से गिरिडीह नगर निगम द्वारा शनिवार को व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। यह अभियान अम्बेडकर चौक से शुरू होकर टावर चौक होते हुए कालीबाड़ी चौक से वापस कचहरी रोड स्थित सदर अस्पताल गेट तक चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे और फुटपाथ पर अवैध रूप से दुकान लगाकर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। नगर निगम की टीम ने कई फुटपाथी दुकानदारों का सब्जी, तराजू और अन्य सामान जब्त कर लिया। साथ ही सभी दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी गई कि दोबारा सड़क या फुटपाथ पर दुकान लगाकर अतिक्रमण न करें, अन्यथा उनके खिलाफ जुमार्ना और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के क्रम में सदर अस्पताल गेट के मुख्य सड़क के समीप खड़े दो ठेलों से संदिग्ध स्थिति में देशी शराब भी बरामद की गई। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने इसे गंभीर मामला मानते हुए तत्काल संबंधित विभाग को इसकी सूचना दी। बरामद शराब की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस संबंध में सहायक उपनगर आयुक्त अशोक हसदा ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर शहर में लगातार अतिक्रमण हटाव अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फुटपाथी दुकानदारों और सड़क के किनारे अतिक्रमण करने वालों को पहले समझाइश दी गई, लेकिन नहीं मानने पर उनका सामान जब्त किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि अभियान आगे भी जारी रहेगा ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। उन्होंने आम नागरिकों और दुकानदारों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें और सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण न करें, ताकि आम लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस मामले में भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष मिथुन चंद्रवंशी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अतिक्रमण हटाव अभियान एक सराहनीय पहल है, लेकिन यह कार्रवाई हमेशा केवल अंबेडकर चौक से कालीबाड़ी चौक होते हुए कचहरी रोड तक ही सीमित रह जाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब शहर के अन्य इलाकों जैसे पदम चौक से शिव मोहल्ला और शिव मोहल्ला से बड़ा चौक में भी अतिक्रमण की समस्या है, तो वहां अभियान क्यों नहीं चलाया जाता।

'शिक्षा समागम 2026' (एनुअल फंक्शन एंड टैलेंट फेस्ट) का भव्य आयोजित

नवप्रदेश/गिरिडीह। विक्रमादित्य क्लासेस द्वारा आयोजित 'शिक्षा समागम 2026' (एनुअल फंक्शन एंड टैलेंट फेस्ट) का भव्य आयोजन संगम गार्डन में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। हजारों छात्रों, अभिभावकों और गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में यह कार्यक्रम प्रेरणादायक रहा।
कार्यक्रम के दौरान संस्थान के 6 छात्रों ने इस वर्ष IIT-JEE Mains परीक्षा उत्तीर्ण कर संस्था का नाम रोशन किया, जिन्हें मंच पर सम्मानित किया गया। वहीं, विक्रम पासी को IBPS Clerk परीक्षा में सफलता पर विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। कक्षा 10वीं और 12वीं के उत्कृष्ट छात्रों को भी सम्मानित किया गया। फेयरवेल सेरेमनी, प्रतिभा सम्मान, शिक्षकों का अभिनंदन और छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने माहौल को उत्साहपूर्ण बनाया।
कार्यक्रम में सर जेसी बोस +2 विद्यालय के प्रधानाचार्य मुन्ना कुशवाहा (मुख्य अतिथि), सेवानिवृत्त प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी अशोक वर्मा, सेवानिवृत्त इंजीनियर विनय कुमार सिंह, कोचिंग निदेशक आशुतोष तिवारी, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य रामेश्वर पंडित, बसुदेव राम चंद्रवंशी, डॉ. शशिभूषण प्रसाद, समाजसेवी गोविंद सिंह और सरयू गोप सहित दर्जनों बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। सभी ने छात्रों को मेहनत, अनुशासन और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।
संस्थान निदेशक कुमार गौरव और मृगेन्द्र कुमार ने आभार व्यक्त करते हुए बताया कि यहां कक्षा 8वीं से 12वीं तक की पढ़ाई के साथ खएए, NEET और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। अभिभावकों और छात्रों की भारी सहभागिता से यह आयोजन यादगार बन गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का शुभारम्भ

नवप्रदेश/अनगड़ा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का दो दिवसीय कार्यशाला की शुरूवात शनिवार को बीसा में हुई। उदघाटन भाजपा रांची जिला ग्रामीण के अध्यक्ष जैलेंद्र कुमार ने किया। उन्होंने कार्यकताओं के साथ पार्टी के नीति सिद्धांत,अनुशासन एवं बूथ मैनेजमेंट पर विशेष चर्चा की।कार्यक्रम में भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यदेव मुंडा,आरती कुजूर,मानकी राजेंद्र शाही मुंडा,बुधराम बेदिया,शिवधर रजवार,दिलीप मिर्धा,जयशंकर मुंडा,सुनील महतो,धनेश्वर बेदिया, गांधिया करमाली,सिकंदर महतो आदि उपस्थित थे।

विराट हिन्दु सम्मेलन को सफल बनाने को लेकर बैठक
विराट हिंदू सम्मेलन 14 अप्रैल को रातूगढ़ मैदान में आयोजित होगा

नवप्रदेश/रातू। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सर्व सनातन हिंदू समाज के द्वारा रातू गढ मैदान में 14अप्रैल को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर शुक्रवार को किला परिसर स्थित जगन्नाथ मंदिर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। जिसमें हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता बाल विदुषी लाडली शरण जी तथा युवा महंत श्री श्री 1008 स्वामी सीताराम जी महाराज जी तथा मुख्य अतिथि निशा उरांव रहेंगी। इसके बाद रातू प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के लिए बैनर पोस्टर का वितरण किया गया। बैठक में मुख्य संरक्षक के रूप में राजकुमारी माधुरी मंजरी देवी , विश्व हिंदू परिषद रांची जिला ग्रामीण के जिला अध्यक्ष रामेश्वर दयाल सिंह , नितेश लाल शाहदेव, अशर्फी सिंह, पूर्व मुखिया जितेश्वर मुंडा सहित अन्य गणमान्य लोगों को रखा गया है। विराट हिंदु सम्मेलन को सफल बनाने के लिए समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष - भीम प्रसाद , कार्यकारी अध्यक्ष - मिथलेश दूबे, उपाध्यक्ष - अंबिका प्रसाद ,अरूण गुप्ता संजय साहू, दिलीप सिंह, राजीव रंजन मिश्रा, संयोजक - सुबोध साहू , सहसंयोजक - सुशील पांडे,जय प्रकाश, तथा दीपक उरांव कोषाध्यक्ष - अजय दुबे , सह कोषाध्यक्ष - सरोज साहू का चयन किया गया। प्रचार विभाग में , विरेंद्र ठाकुर, शैलेश तिवारी, केशव तिवारी, राजेश कुमार गुप्ता , सुशील पांडे , विशाल कुमार, तथा संयोजिका - ममता चौहान, रंजू देवी, तुलसी कुमारी, मीरा कुमारी, अनीता तिवारी, सह संयोजिका-शीतल गुप्ता, स्वेता नायक को बनाया गया है। कार्यक्रम में अजय तिवारी,अनुज पांडे, कैलाश बैठा, सुदेश अखोरी, विपीन सिंह, शिवम, राणा सिंह, रामचन्द्र, सुखदेव, जितेंद्र तिवारी पंचम महतो सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हनुमान जयंति के उपलक्ष्य पर (रामलीला द्वितीय वर्ष) का आयोजन
श्री रामायण महोत्सव एवं रामलीला उत्सव हुआ भक्तिमय

नवप्रदेश/गिरिडीह के शिव शक्ति घाट मंदिर,चिरैयाघाट रोड,राजपुत मोहल्ला के प्रांगण में दिनांक 02 अप्रैल 2026 से 13 अप्रैल 2026 तक रामलीला मंचन किया जा रहा है । सभी भक्तगण के सहयोग से दिनांक 02 अप्रैल 2026 दिन गुरूवार से दिनांक 13 अप्रैल 2026 दिन सोमवार तक समय - सांय 07:30 से रात्रि 10:00 बजे तक श्री रामायण महोत्सव एवं रामलीला उत्सव आयोजित किया गया है। संचालक पंडित प्रशांत मिश्र ने कहा कि तुलसी पंछी के पीये, घटे न सरिता नीर। दान किए धन न घटे, जो सहाय रघुवीर। अर्थात रामायण रामलीला धर्मलाभ हेतु कथा आयोजित किया जा रहा है। समस्त नगरवासी भक्तजन आए और रामलीला का मंचन का आनंद लें और पुण्य के भागी बने।बड़े हर्ष के साथ सूचित किया जाता है कि धर्म प्रचारक महाराज पं० शिवशंकर महाराज जी के द्वारा तुलसीकृत रामायण रामलीला धर्मलाभ हेतु कथा आयोजित किया जा रहा है। भक्तों द्वारा दिये हुए दान से रामलीला मंडली का भोजन प्रसाद एवं अन्य धार्मिक कार्य किये जा रहे हैं। इस रामलीला को सफल बनाने में शिव शंकर मिश्रा,प्रशांत मिश्रा ,दिनेशानंद गिरी, लव कुश शुक्ला, रामजी मिश्रा,धीरेन्द्र दुबे, अमित तिवारी सहित सनातन रामलीला मंडल के साथ गणमान्य लोग एवं भक्तजन उपस्थित रहे।

एक नजर

मांडर थाना परिसर में हुआ जपी जतरा का आयोजन

नवप्रदेश/मांडर : मांडर थाना परिसर में शनिवार को जपी जतरा का आयोजन किया गया सुका पाहन के नेतृत्व में मांडर के ग्रामीणों अपने पारम्परिक वेश भूषा में खोड़ा लेकर नाचते गाते मांडर थाना परिसर पहुंचे तथा परिक्रमा के पश्चात पम्परिक गीत व नृत्य प्रस्तुत किया विदित हो की इस जतरा के पश्चात ही अन्य जतरा की सुरुवात होती है, मौके पर सबनु उराव, चंदर उराव, देव कुमार उराव, महावीर उराव, दशरथ उराव, लोधा उराव, शंकर उराव, मीणा उराव, जलश्री उराव, झालो उराव, सुमित्रा उराव, झिबरी उराव सहित अन्य शामिल थे

रातू पूर्वी मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान की शुरूआत

नवप्रदेश/रातू। भारतीय जनता पार्टी के रातू पूर्वी मंडल स्थित गोविंदनगर में शनिवार को पंडित दिनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 का शुभारंभ मंडल अध्यक्ष गार्मेंट भगत द्वारा किया गया। इससे पूर्व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूवात की गई। कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद भाजपा के अजय तिवारी ने वैचारिक अधिष्ठान विषय पर कार्यकताओं के समक्ष भाजपा के नीति, सिद्धांत एवं विचारधारा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। दूसरे वर्ग में भाजपा के चुनाव प्रबंधन के संयोजक मृत्यंजय शर्मा ने पार्टी कि स्थापना काल से लेकर अभी तक के सफर को कार्यकताओं के समक्ष रखा। तृतीय वर्ग को भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सुधाकर चौबे ने कार्यकताओं को संबोधित किया और कार्य विस्तार के संबंध में विस्तृत रूप से बताया कि किस तरह संघटन का विस्तार करते हुए इसे सुदृढ़ किया जाए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से संजीव तिवारी, परमेश्वर गोप, नेहा सिंह, बासुदेव महतो, कामेश्वर महतो, राणा संजीव सिंह, सुशांत कुमार सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रातू पंडरा के दो बच्चो की तालाब मे डूबने से मौत

नवप्रदेश/रातू। थाना क्षेत्र के बाजपुर पंचायत पंडरा के दो बच्चो की मौत शनिवार को तालाब मे डूबने से मौत हो गई। यह तालाब तिगरा नवाटोली मे पड़ता है। संयोग यह है कि दोनों बच्चें भी तिगरा नवाटोली के सरकारी स्कूल मे पढ़ते थे। स्कूल से घर आने जाने का रास्ता भी उसी तालाब से होकर गुजरता था। इस मामले को लेकर मृत एक बच्चें के पिता करमा उरांव ने बताया कि मेरा बेटा आयुष (10)जो तिगरा नवाटोली के सरकारी स्कूल मे तीसरा क्लास मे पढ़ता था। आज भी दिन के एक बजे स्कूल से लौट कर आया। घर मे बैग रखकर चला गया। थोड़ी देर मे खबर आया कि तालाब मे दो बच्चें डूब गए हैं। करमा उरांव के दो लड़की और एक ही लड़का था। वहीं दूसरी मानस जॉन मुंडा ने कहा कि मेरा बेटा जोसवा मुंडा (8) आज स्कूल नहीं गया था। दोपहर मे घर से लस्सी पीकर निकला और कब बिना बताए तालाब मे नहाने चला गया। थोड़ी देर मे ही डूबने की सूचना आ गई। हमलोगों ने बच्चे को निकालकर घर ले आए और बच्चे की आत्मा को वापस लाने के लिए यीशु से प्रार्थना करने लगे। जबकि करमा उरांवके परिजन बच्चे को निकालकर हॉस्पिटल ले गए जहाँ चिकित्सकों ने आयुष को मृत घोषित कर दिया। दोनों घर के परिजनों का रो रो के बुरा हाल है।

सडक हादसा में एक युवक की मौत ,दुसरा गंभीर

नवप्रदेश/रातू। थाना क्षेत्र के एनएच 39 स्थित मखमंद्रो के पास शनिवार शाम सवा सात बजे अज्ञात वाहन के चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई, वही साथ में चल रहे दुसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे ईलाज के लिए स्थानीय लोगो ने रातू स्थित निजी हॉस्पीटल पहुंचाया जहां उसका ईलाज किया जा रहा है। मृतक युवक की पहचान बुटी, रांची निवासी रोहन पाहन 26 वर्ष पिता बलकु पाहन के रूप में हुई है। रोहन फिलहाल बेलांगी में रहकर बेलांगी स्टेडियम में केयर टेकर का काम करता था। रोहन पाहन अपने साथी अनुप तिग्गा पिता बंधुवा तिग्गा के साथ रांची से काम कर के पैदल वापस अपने घर बेलांगी रातू लौट रहा था। इसी क्रम में मखमंद्रो के पास एक कट में अज्ञात वाहन के चपेट में आ गया। जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगो ने बैरियर लगा कर सडक जाम कर दिया। समाचार लिखे जाने तक सडक जाम हटाया नही गया था। पुलिस प्रशासन घटना स्थल पर मौजुद थी।

शिव मंडा पूजा समिति नवागढ़ के अध्यक्ष बने गौतम

अनगड़ा। शिव मंडा पूजा समिति नवागढ़ की बैठक शनिवार को गौतम करमाली की अध्यक्षता में हुई। बैठक में इसके सफल आयोजन को लेकर कमेटी गठित की गई। गठित कमेटी में गौतम करमाली को अध्यक्ष, बिरेन्द्र हजाम को सचिव, रुसुवा मिर्धा को कोषाध्यक्ष तथा बिजेंद्र उपाध्याय को महासचिव चुना गया। उपाध्यक्ष प्रकुल, विजय, कुलदीप, मनरतन, मन्टु, श्रवण और मनोज को बनाया गया हैं। संरक्षक मंडली में मानकी कामाख्या नारायण, कमलेश, संजय, अमित, कपिल, अनिल, दिलीप, कमल, महेशयम को रखा गया हैं।कार्यकारी सदस्य में गोपाल, सुरज, अशोक, सुरेश, गुड्डू,परमेश्वर, सोनू शामिल हैं। अध्यक्ष गौतम करमाली ने बताया कि नौ अप्रैल को भोगता प्रवेश,13 अप्रैल को छउ नृत्य सह श्रृंगार पूजा और 14 अप्रैल की सुबह फूलखूंदी सह झूलन किया जाएगा।

आरकेएमवेरी मोराबादी के छात्र ग्रामीण प्रवास में सिकिदिरी पहुंचे

अनगड़ा। रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान मोराबादी रांची के इंटिग्रेटेड एमएससी के तृतीय वर्ष के 30 छात्रों का चार दिवसीय ग्रामीण क्षेत्र प्रवास कार्यक्रम के तहत सिकिदिरी के दूबलाबेड़ा में समापन हो गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन जॉय ऑफ लर्निंग का आयोजन किया गया। विवि के दो प्राध्यापक डॉ दिपांकर चटर्जी एवं दीप नारायण मुखर्जी भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्?देश्य छात्रों को गांव के सफल कृषकों द्वारा मार्गदर्शण प्राप्त करना तथा ग्रामीणों को विवि के नई तकनीकों के बारे में जानकारी देना है। गांव में पलायन की समस्या एवं उनके सामाधान विषय पर नाटक प्रस्तुत किया गया। तकनीकि सत्र में प्राकृतिक कृषि एवं बेम्बु करिल वाटर द्वारा फसलों के उपचार के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रामकुमार बेदिया, बैजनाथ बेदिया, निशांत, मयुरी, प्रियंका, पंकज आदि का योगदान रहा।

शहीद रघुनाथ महतो का शहादत दिवस लोटा गोड़तेतर में मनाया जायेगा आज

सिल्ली । शहीद रघुनाथ महतो स्मारक कमेटी लोटा , सिल्ली , रांची की ओर से दिनांक 05 अप्रैल 2026 दिन रविवार को भारत के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी चुआड़ विद्रोह के महानायक क्रांतिवीर शहीद रघुनाथ महतो का शहादत दिवस लोटा गोड़तेतर में मनाया जायेगा । इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं । यह जानकारी कमेटी के सदस्यों की ओर से दी गयी । उन्होंने बताया कि इस अवसर पर दोपहर करीब दो बजे शहादत स्थल लोटा गोड़तेतर में डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो श्रद्धांजलि देने पहुंचेंगे ।

सात दिवसीय ज्ञान यज्ञ का समापन आज, पूणार्हुति और भक्त भंडारा के साथ होगा

नवप्रदेश/पिस्का नगड़ी। प्रखंड के नगड़ी स्थित राधाकृष्ण मंदिर में श्री मद् देवी भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का धार्मिक अनुष्ठान तीस मार्च से बड़े ही भक्ति भाव से चल रहा है, सात दिवसीय इस ज्ञान यज्ञ का समापन पांच अप्रैल रविवार को पूणार्हुति और भक्त भंडारा के साथ होगा। इस अनुष्ठान में सुबह आचार्य प्रदीप शर्मा के द्वारा गौरी गणेश और देवी पूजन कराया जा रहा है, अपराह्न चार बजे से स्वामी आशुतोषानंद जी का देवी भागवत कथा का प्रवचन हो रहा है स्वामी जी का प्रवचन सुनने के लिए प्रतिदिन हजारों की संख्या में नर नारी प्रवचन पांडाल में शामिल हो रहे हैं। पूजा में यजमान के रूप में छेदी केशरी - सुनिता केशरी, कमलेश केशरी - रेखा केशरी, सत्यनारायण चौधरी - शांता चौधरी और गायत्री देवी पूजन अर्चन में शामिल हो रहे हैं। पांचवें दिन के प्रवचन में स्वामी जी ने भागवत के कई विषयों पर विस्तार से बताते हुए कहा कि बहुत ही सौभाग्यशाली है हमलोग कि हमें मानव तन मिला है इस तन हमें अच्छा काम करना है। उन्होंने मानव को संदेश दिया कि ₹हर हाल में खुश रहना संतों से सीख लेना₹। स्वामी जी ने कर्ण प्रिय भजन से लोग झूमने और नाचने लगे।
इस दिन अतिथि के रूप में प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश सिंह, पूर्व भाजपा प्रत्याशी हटिया विधानसभा क्षेत्र सीमा शर्मा, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक बंका, हर्ष प्रकाश, झारखंड लेखक संघ के अध्यक्ष चंदन प्रजापति, रेनबो वाटर पार्क के संचालक रौनक ओहदार, समाजसेवी सुनील कुमार सिंह, सचिन सिंह, रोशन केशरी, दीप नारायण महतो, रमेश महतो, भोला महतो, अमर महतो शामिल हुए सभी अतिथियों को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन समिति के महामंत्री ने किया।संपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान में तपेश्वर केशरी, शशिभूषण भगत,दौलत राम केशरी,अजय महतो मनोज महतो,कमलेश केशरी (आकर्षण), शीला देवी, गायत्री देवी, चूंडामणी महतो,केदार महतो सहित सभी पदधारी सराहनीय भूमिका निभा रहे हैं।

दो बाइक की टक्कर में नाती की मौत,नाना समेत एक अन्य घायल

नवप्रदेश/अनगड़ा। अनगड़ा–गेतलसूद मार्ग के रामदगा मवि के समीप दो बाइक की आपस में जबरदस्त टक्कर होने से एक एक किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान अनगड़ा थाना क्षेत्र के बेंती निवासी महेंद्र मुंडा का 16 वर्षीय पुत्र विकास मुंडा के रूप में की गई है। घायलों में बेंती का ही एक अन्य किशोर महेंद्र मुंडा व रामदगा निवासी पंथू मुंडा(62) शामिल है मृतक किशोर विकास और घायल पंथू मुंडा रिश्ते में नाना और नाती लगते है। घटना शनिवार की दोपहर करीब एक बजे की हैं। बताया जाता हैं कि विकास और महेंद्र एक बाइक में सवार होकर गेतलसूद से गोंदलीपोखर की ओर जा रहे थे इसी दौरान रामदगा के समीप गली से उसके नाना पंथू मुंडा भी अपने बाइक में सवार होकर मुख्य सड़क की ओर निकल रहे थे।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सादगी की मिसाल: गांव के चबूतरे पर ग्रामीणों संग बैठे उपायुक्त, साझा किया सुख-दुख

नवप्रदेश/बोकारो/चास। प्रशासन और आम जनता के बीच की दूरी तब सिमटती नजर आई जब जिले के उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा एक संजीदा और सरल अंदाज में नजर आए। चास प्रखंड की चाकुलिया पंचायत के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने प्रोटोकॉल और औपचारिकता को दरकिनार कर न केवल ग्रामीणों से मुलाकात की, बल्कि उनके साथ जमीन से जुड़े चबूतरे पर बैठकर पानी पिया और उनकी समस्याओं को सुना।

भीषण धूप में जब ग्रामीणों के बीच पहुंचे डीसी

निरीक्षण के दौरान जब उपायुक्त का काफिला चितामी गांव के भंडारडीह टोला पहुंचा, तो भीषण गर्मी और व्यस्तता के बावजूद उन्होंने वहां रुकना उचित समझा। स्थानीय ग्रामीणों ने जब उन्हें पानी पीने का आग्रह किया, तो श्री झा ने बिना किसी हिचकिचाहट के एक आम नागरिक की तरह चबूतरे पर बैठकर पानी ग्रहण किया। उपायुक्त के इस सरल व्यवहार को देखकर ग्रामीण पहले तो अचंभित हुए, लेकिन जल्द ही उनके सहज व्यवहार ने ग्रामीणों का दिल जीत लिया और वे खुलकर बातचीत करने लगे।

समस्याओं पर सीधा संवाद

चबूतरे पर बैठकर हुई इस 'आत्मीय चौपाल' में उपायुक्त ने ग्रामीणों से उनकी दैनिक समस्याओं, खेती-किसानी की स्थिति और रोजगार के अवसरों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने ग्रामीणों से सीधे सवाल किया– क्या सरकारी योजनाओं का लाभ आप तक सही तरीके से पहुँच रहा है? क्या आपको किसी स्तर पर कोई दिक्कत तो नहीं हो रही? ग्रामीणों ने भी बिना किसी डर के अपनी बातें रखीं और स्थानीय समस्याओं की ओर उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया।

बेटियों को दी शिक्षा की प्रेरणा

निरीक्षण के दौरान गांव की बेटियों– स्नातक की छात्रा नेहा और इंटर की छात्रा नीतिका ने फूलों का गुच्छा भेंट कर उपायुक्त का स्वागत किया। श्री झा ने दोनों छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ने की सलाह दी। साथ ही, उनके अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे बेटियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दें ताकि वे समाज में आगे बढ़ सकें।

प्रशासन के प्रति बढ़ा भरोसा

उपायुक्त का यह मानवीय व्यवहार पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस पहल से यह संदेश गया है कि जिला प्रशासन केवल फाइलों और दफ्तरों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन पर उतरकर लोगों के बीच पहुँचने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बोकारो समेत राज्य के सभी सिविल कोर्ट में कल से 'मॉर्निंग कोर्ट', भीषण गर्मी के चलते लिया गया निर्णय

नवप्रदेश/बोकारो कार्यालय संवाददाता झारखंड के बोकारो सिविल कोर्ट सहित राज्य के सभी जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में 6 अप्रैल (सोमवार) से मॉर्निंग कोर्ट (प्रातःकालीन अदालत) की व्यवस्था फिर से शुरू होने जा रही है। झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया है ताकि चिलचिलाती गर्मी के दौरान न्यायिक कार्यों के संचालन में कोई बाधा न आए और अधिवक्ताओं व वादकारियों को राहत मिल सके।

प्रमुख जानकारी और समय-सारणी बोकारो के प्रधान जिला जज द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 154/2026 के अनुसार, सोमवार से सभी अदालतें सुबह की पाली में चलेंगी।

अदालत का समयः सुबह 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक।

लेबर कोर्ट का समयः लेबर जज के आदेश संख्या 10/2026 के अनुसार इसका समय भी सुबह 7 से दोपहर 12 बजे तक रहेगा।

अवधिः यह व्यवस्था अप्रैल के पहले सोमवार से शुरू होकर जून के आखिरी शनिवार तक प्रभावी रहेगी। क्यों लिया गया यह निर्णय? पिछले साल ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू होने के साथ ही मॉर्निंग कोर्ट की पुरानी परंपरा को समाप्त कर दिया गया था। हालांकि, वकीलों की निरंतर मांग और गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए हाईकोर्ट ने इस बार ग्रीष्मकालीन अवकाश की व्यवस्था में बदलाव करते हुए पुनः मॉर्निंग कोर्ट लागू करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट की ओर से राज्य के सभी सिविल कोर्ट के न्यायायुक्तों और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश भेज दिए गए हैं। अधिवक्ताओं में खुशी की लहर इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल काउंसिल मेंबर, अधिवक्ता रणजीत गिरि ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहाः मॉर्निंग कोर्ट की व्यवस्था यहाँ दशकों से चली आ रही थी, जिसे साल 2025 में बंद कर दिया गया था। इसे पुनः बहाल करना एक सराहनीय कदम है। इससे न केवल न्यायिक कार्यों में नियमितता बनी रहेगी, बल्कि दोपहर की भीषण गर्मी में कोर्ट आने वाले आम लोगों और वकीलों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

संक्षेप मेंः कल से यदि आपका कोर्ट में कोई काम है, तो याद रखें कि अदालतें दोपहर के बजाय सुबह ही लगेंगी। अपनी सुविधानुसार समय पर पहुंचें।

चास नगर निगम की समस्याओं पर मेयर-डिप्टी मेयर ने डीसी से की मुलाकात

नवप्रदेश/बोकारो। चास नगर निगम क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं के समाधान हेतु शनिवार को नगर निगम के महापौर भोलू पासवान एवं उप महापौर पूजा कुमारी ने उपायुक्त श्री अजय नाथ झा से उनके गोपनीय कार्यालय कक्ष में मुलाकात की। इस उच्चस्तरीय बैठक के दौरान नगर क्षेत्र की विभिन्न जन-समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया गया।

प्रमुख परियोजनाओं की होगी जांच बैठक में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने कड़े निर्देश जारी किए हैंः

अमृत पार्कः अमृत पार्क फेज-01 से फेज-05 तक के कार्यों की जांच हेतु अनुमंडल पदाधिकारी चास को निर्देशित किया गया है। उपायुक्त ने इस पर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

संस्कृति केंद्रः निमार्णाधीन संस्कृति केंद्र के कार्यों में भी पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु जांच के आदेश दिए गए हैं। स्वच्छता और जन-कल्याण पर जोर डीसी ने नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एक वृहद स्वच्छता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि साफ-सफाई निगम की प्राथमिकता होनी चाहिए और इसकी नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्तः

चास जलापूर्ति योजना की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

वृद्धाश्रम से संबंधित कार्यों की स्थिति पर जल्द ही एक विशेष समीक्षा बैठक आयोजित होगी ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक प्रभावी रूप से पहुँच सके।

विजन डॉक्यूमेंट 2026-27 की तैयारी भविष्य की योजनाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए उपायुक्त ने मेयर और डिप्टी मेयर को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक विस्तृत विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने का निर्देश दिया है। इस डॉक्यूमेंट को सार्वजनिक किया जाएगा ताकि योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से हो सके।

नीम के पेड मे लटका हुआ मिला युवक का शव

नवप्रदेश/चतरोचट्टी। गोमिया प्रखंड के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब शनिवार सुबह कर्बला नदी के उपर आम बगीचा के बगल मे नीम के पेड से लटके युवक का शव ग्रामीणों ने महुआ चुनने के दौरान देखा। पेड़ के डाल से काफी ऊंचाई पर रस्सी के सहारे लटक रहे शव को देखकर आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची चतरोचट्टी पुलिस ने शव को नीचे उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव की पहचान चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के चतरोचट्टी हरिजन टोला के निवासी यमुना रविदास के 18 वर्षीय बेटे सतीश कुमार के रूप में की गई है। घटनास्थल के पास से मृतक का एक मोबाइल ,गांजा,माचिस,सिगरेटभी पुलिस को मिला है ।मृतक उतनी ऊंचाई से उसका शव कैसे लटका हुआ था। पुलिस इस संदेहास्पद मौत की जांच में जुट गई है ।इस रहस्य से पर्दा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही हट पाएगा। सुबह शव की खबर आग की तरह पूरे इलाके में फैल गई।देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गई।मौजूद भीड़ के साथ ग्रामिण ने शव की स्थिति, परिस्थितिजन्य साक्ष्य व घटनास्थल को देखते हुए संदेह की आशंका जताई है। कहा कि घटनास्थल पर गांजा पीने वाले असमाजिक तत्वों का जमाबड़ा रहता है, जो अनहोनी की आशंका पैदा करता है

कार्रवाई पर बिना लिखित आश्वासन के, तय समय पर होगा आंदोलन - अरुण महतो

नवप्रदेश/जरीडीह जरीडीह अंचल कार्यालय में शनिवार को बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ ने आजसू प्रखंड अध्यक्ष अरूण कुमार महतो द्वारा पूर्व निर्धारित स्थानीय प्रशासन का शव यात्रा कार्यक्रम को लेकर आजसू कार्यकताओं संग बैठक किया। इस दौरान एसडीओ श्री मछुआ ने कहा कि जरीडीह प्रखंड अंतर्गत सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा को लेकर विभिन्न जगह को चिन्हित किया गया है जिस पर कार्रवाई पूर्व से भी किया जा रहा है। अवैध बालू पर भी करवाई का निर्देश अंचल अधिकारी को दिया गया है। वही आजसू जरीडीह प्रखंड अध्यक्ष अरुण कुमार महतो ने कहा कि प्रशासन के द्वारा जब तक भूमाफियाओं द्वारा अवैध सरकारी भूमि का अतिक्रमण और कब्जा पर कार्रवाई एंव बालू की अवैध धुलाई पर कार्रवाई का लिखित आश्वासन प्रशासन के द्वारा नहीं दिया जाता है। तब तक पूर्व निर्धारित शव यात्रा कार्यक्रम आगामी 7 अप्रैल को तय है। जिसका तैयारी जोर-शोर से जारी है। बैठक में जरीडीह अंचल अधिकारी प्रणव ऋतुराज,बोकारो जिला कार्यकारी अध्यक्ष अशोक कुमार महतो ,जिला सचिव नरेंद्र महतो,बुद्धिजीवी मंच के जिला अध्यक्ष विनोद कश्यप ,जिला संगठन सचिव रंजीत बरनवाल, प्रखंड अध्यक्ष अरुण कुमार महतो प्रखंड सचिव बासुदेव लहेरी ,ऊषा देवी, खुदेश्ववरी देवी, सुमित्रा देवी, पुष्पा देवी,जयराज प्रजापति,सरदयाल महतो, बासुदेव महतो, घनश्याम सिंह,गणेश प्रसाद महतो,ओम प्रकाश महतो, विजय कुमार महतो, सुभाष चंद्र महतो, महेंद्र महतो, बजरंगी सिंह, मोजीब अंसारी,सुनील अड़ी, सुरेन्द्र गंजू, शमशाद जाहिद सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

महापौर व उपमहापौर ने मल्टीकल्चरल बिल्डिंग का किया निरीक्षण

नवप्रदेश/बोकारो : शनिवार को चास नगर निगम के महापौर भोलू पासवान एवं उपमहापौर पूजा कुमारी द्वारा मल्टीकल्चरल बिल्डिंग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि निर्माण कार्य अधूरा है तथा फिनिशिंग कार्य की अत्यधिक आवश्यकता है। महापौर ने ठेकेदार पर एस्टिमेट के अनुरूप कार्य नहीं कराने का आरोप लगाया। साथ ही फाइलों में भी यह स्पष्ट रूप से दर्ज है कि ठेकेदार द्वारा कार्य में भारी अनियमितता बरती गई है। इस निरीक्षण के दौरान चास नगर निगम के कनीय अभियंता, उमाकांत त्रिवेदी, मुकेश कुमार, सहित वार्ड पार्षद वार्ड संख्या 31 सुमन राय, मुक्ता कुमार, वार्ड संख्या 19 सपन कुमार मिनी वार्ड संख्या26, सीखा राय, वार्ड नंबरः- 04 कल्याणी प्रसाद सिंह वार्ड संख्या 30 उपस्थित रहे।

झारखंड पेंशनर कल्याण समाज की बैठक संपन्न

नवप्रदेश/बोकारो :– शनिवार को झारखंड पेंशनर कल्याण समाज की बैठक महासंघ भवन बोकारो में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता बाल कृष्ण मुरारी द्वारा किया गया। बैठक में संरक्षक, संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य ने भाग लिया। बैठक में सर्व समिति से निम्नलिखित निर्णय लिया गया, झारखंड पेंशनर्स कल्याण समाज का बैंक खाता अभिलंब खोल ने के लिए बैंक के मुख्य प्रबंधक से मिलकर करवाई किया जाय। माननीय कुछ कर्मचारियों का पेंशन समय पर भुगतान नहीं किया गया है बरसों बीत जाने के बाद भी आज तक भुगतान नहीं होने पर आक्रोश व्यक्त करते हुए सभी समस्याओं को समाधान हेतु उपायुत बोकारो से मिलने का निर्णय लिया गया, बरसों बीतने के बाद पंचायत सेवक दशरथ कपद्दार एवं भोला रवानी की पत्नी जो शिक्षक है, चंदेश्वर चौधरी सेवानिवृत्ति मलेरिया कर्मचारियों के साथ पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक कार्रवाई करने का विरोध किया गया एवं उच्च अधिकारियों को मिलकर शिकायत करने का निर्णय दिया गया। सर्व समिति से दिनांक 7 अप्रैल 2026 मंगलवार को उपयुक्त बोकारो एवं पुलिस अधीक्षक से मिलकर सभी समस्याओं के समाधान हेतु आग्रह करने का निर्णय लिया गया। प्राय ऐसा देखा जा रहा है की सेवानिवृत्ति वरिष्ठ कर्मचारियों को बैंकों में सरकारी संस्थानों मैं उचित सामान नहीं दिया जा रहा है।

जन स्वास्थ्य लेकर प्रशासन सतर्क, आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण

गुमला : उपायुक्त के निदेर्शानुसार जिले में खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन एवं जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्री प्रकाश चंद्र गुग्गी के नेतृत्व में गुमला के लक्ष्मण नगर फसिया स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में साफ–सफाई की व्यवस्था, बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता एवं भंडारण व्यवस्था का गहनता से जायजा लिया गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका को परिसर में नियमित रूप से स्वच्छता बनाए रखने, रसोईघर को साफ–सुथरा रखने तथा खाद्य पदार्थों को ढककर सुरक्षित तरीके से रखने के निर्देश दिए ।इस दौरान केंद्र में उपलब्ध खाद्य सामग्री की जांच की गई, जिसमें किसी भी प्रकार के एक्सपायरी उत्पाद का उपयोग नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई। साथ ही, सभी खाद्य पदार्थों की एक्सपायरी तिथि की नियमित जांच करने एवं समय–समय पर स्टॉक का सत्यापन करने को कहा गया ।पेयजल की गुणवत्ता को लेकर भी विशेष जोर दिया गया तथा निर्देश दिया गया कि बच्चों को केवल स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल ही उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच कराने तथा साफ बर्तनों में पानी संग्रहित करने की बात कही गई ।इसके अतिरिक्त, वहां वितरित करने वाले पौष्टिक आहार का सैंपल लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा गया, ताकि खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों की पुष्टि की जा सके ।खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि बच्चों को दिए जाने वाले भोजन के पोषण स्तर का विशेष ध्यान रखा जाए तथा सरकार द्वारा निर्धारित मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए यहां किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।निरीक्षण के अंत में संबंधित कर्मियों को निर्देशित किया गया कि सभी नियमों का कड़ाई से पालन करें, अन्यथा आवश्यकतानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गुमला अंजुमन इस्लामिया के प्रतिनिधि अटरिया गांव का दौरा कर जन समस्याओं से हुए रूबरू

नशा मुक्त गांव को बनाएं शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता, शहजाद अनवर

नवप्रदेश/गुमला। मरकज अंजुमन इस्लामिया गुमला के नायब सदर अफसर आलम,ज्वाइंट सेक्रेटरी सरवर खान, पूर्व अंजुमन सेक्रेटरी व पत्रकार शहजाद अनवर, अंजुमन लीगल सेल के सदर मीर एडवोकेट ने अटारिया गांव का दौरा किया और वहां एक बैठक की गई जिसमें भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए अंजुमन इस्लामिया अटरिया के सदर शाहिद ओहदार,सेक्रेटरी अख्तर खान,नायब सदर जुबैर खान रिटायर्ड टीचर नाजिम ओहदार सहित भारी तादाद में ग्रामीणों के साथ गांव में हुई अहम बैठक मैं गांव समाज को नशाखोरी की बुराइयों पर रोकथाम पर चर्चा परिचर्चा की गई इस मौके पर अंजुमन इस्लामिया अटरिया के सदर शाहिद मिरदाहा और गांव के बुजुर्ग रिटायर अध्यापक नाजिम ओहदार ने बताया कि जनप्रतिनिधि गांव में सिर्फ विधायक सांसद चुनाव के समय वोट को लेकर दौरा करते हैं और जीत जाने के बाद गांव का हाल–चाल जानने का प्रयास नहीं करते हैं जिससे हमारे गांव में बुनियादी समस्या बढ़ते जा रही है ऐसे में अंजुमन इस्लामिया गुमला द्वारा नशा के प्रति जो अभियान चलाया गया है उसमें हम ग्रामीण वासी पूर्ण रूप से सहयोग करने का वचनबद्ध करता हूं अपनी समस्या को प्रखंड से लेकर जिला स्तर पर उपायुक्त और विधायक को अवगत जल्द कराऊंगा हमारे गांव में सबसे बड़ी समस्या जल मीनार की है सरकार द्वारा ग्रामीण इलाकों में भारी संख्या में जल मीनार की व्यवस्था कराई जा रही है लेकिन अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों की अनदेखी से हम ग्रामवासी अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं गांव में पानी,सड़क,सोलर बिजली, जालमीनार वगैरह की कमी को लेकर चर्चा हुआ और इसके समाधान हेतु विधायक चमरा लिंडा जी और उपायुक्त गुमला तक मांग रखने की बात तय हुई ।साथ ही साथ मरकजी अंजुमन गुमला को अटारिया सदर सेक्रेटरी व रिटायर्ड टीचर ने अंजुमन गुमला के द्वारा जिला में सभी गांव प्रखंड के अंजुमन को जोड़ कर चलने, कौम के जरूरत मंद गरीब को मदद देने, कौमी इत्तेहाद, नशाखोरी पर सख्ती वगैरह कामों की सराहना किया । इस मौके पर नेजाम भंडारी ,मुकीम खान, तैयब ओहदार , जमाल मिरदाहा, इब्राहिम भंडारी, शौकत आलम ,अफरोज ओहदार, मौला औहदार, एहसान उल एवदार छोटू भंडारी ,सरवर खान ,नईम मिरदाहा,खालिद मीर, सरवर आलम ताहीद ओहदार, एवं भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे, इस मौके पर अंजुमन इस्लामिया गुमला के नायब सदर अफसर आलम सह सचिव सरवर आलम एवं प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने कहा कि गुमला अंजुमन इस्लामिया के बैनर तले गुमला में बहुत जल्द जिला भर के सभी 12 प्रखंडों के अंजुमन इस्लामिया के पदाधिकारी के साथ एक विशेष बैठक होगी उसी की तैयारी को लेकर जनप्रतिनिधियों द्वारा गांव का दौरा किया जा रहा है

लंबित कांडों का ससमय संधारण करे थानेदार : डीएसपी

अनगड़ा। सिल्ली डीएसपी अनुज उरांव ने सभी थानेदारों को अपराधों पर अंकुश लगाने को कहा। कहा कि गैरकानूनी गतिविधियों पर नियंत्रण रखने से ही क्षेत्र की विधि व्यवस्था सुचारू बनी रहती है। शनिवार को अनगड़ा थाना परिसर में आयोजित अपराध गोष्ठी में शामिल थानेदारों को डीएसपी अनुज उरांव ने यह आदेश दिया। साथ ही डीएसपी ने वारंट का त्वरित निष्पादन, ई-साक्ष्य पर विशेष ध्यान देने, लंबित कांडों का ससमय संधारण करने, शांति व्यवस्था बनाये रखने, नशा के खिलाफ जागरूकता अभियान व कारवाई करने का निर्देश दिया। निर्णय हुआ की सभी थाना प्रभारी अपने अपने क्षेत्र में नशामुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान चलायेंगे, साथ ही अवैध शराब व्यापार के खिलाफ लगातार कारवाई की जाएगी। आम जनता का काम प्राथमिकता के आधार पर हो। अपराध गोष्ठी में अनगड़ा सर्किल इंस्पेक्टर रवीन्द्र नाथ सिंह, ओरमांझी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर शशिभूषण चौधरी, अनगड़ा थाना प्रभारी गौतम कुमार रजवार, सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार, सिकिदिरी थाना प्रभारी सचिन कुमार मिश्रा, मुरी ओपी प्रभारी राहुल मेहता आदि उपस्थित थे।

बोकारो: श्रमिकों के कल्याण के लिए पंजीकरण एवं जागरूकता अभियान का आयोजन

सेक्टर-9 में उमड़ी श्रमिकों की भीड़; सरकारी योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी

नवप्रदेश/बोकारो। झारखंड सरकार के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा शनिवार को बोकारो के सेक्टर-9, हटिया मोड़ स्थित झारखंड भवन में एक वृहद श्रमिक पंजीकरण एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम झारखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

उप श्रमायुक्त के निर्देश पर पहल उप श्रमायुक्त, बोकारो के दिशा-निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सरकारी योजनाओं के दायरे में लाना है। कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या में पहुंचे श्रमिकों का मौके पर ही पंजीकरण किया गया और उन्हें विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की बारीकियों से अवगत कराया गया।

योजनाओं का पिटाराः किसे क्या मिलेगा?

अभियान के दौरान अधिकारियों ने बताया कि पंजीकृत श्रमिकों को सरकार की ओर से निम्नलिखित आर्थिक सहायता प्रदान की जाती हैः

श्रमिक औजार सहायता योजनाः कार्य हेतु उपकरण खरीदने के लिए 5,000 की सहायता।

साइकिल सहायता योजनाः आवागमन की सुविधा हेतु 7,000 की वित्तीय मदद।

मातृत्व प्रसुविधा योजनाः महिला श्रमिकों को प्रथम दो प्रसव हेतु 15,000 की सहायता राशि।

विवाह सहायता योजनाः पंजीकृत श्रमिक के दो बच्चों या महिला सदस्य के स्वयं के विवाह हेतु 30,000 की आर्थिक सहायता।

अधिकारियों ने किया प्रेरित इस अवसर पर जिले के श्रम अधीक्षक श्री रंजीत कुमार ने श्रमिकों को संबोधित करते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ लेने के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। उन्होंने अधिक से अधिक श्रमिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की।

शिविर को सफल बनाने में कार्यालय कर्मी मोहम्मद अखलाक अहमद, महेन्द्र महतो, अधिवक्ता घनश्याम नारायण सहित अन्य विभागीय कर्मियों की सक्रिय भूमिका रही। उपस्थित कर्मियों ने श्रमिकों को फॉर्म भरने और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देने में सहयोग प्रदान किया।

एक नजर

री एडमिशन का रैकेट : निजी स्कूल बने लुटेर

विकास शुल्क से किताब तक लूट, अभिभावकों का सवाल कब जागेगा प्रशासन ?

नवप्रदेश/ घाघरा प्रखंड क्षेत्र में निजी स्कूलों की मनमानी अब खुलकर सामने आने लगी है । प्रखंड के सभी निजी स्कूल नए शैक्षणिक सत्र के बहाने अभिभावकों की जेब काटने में जुटे हैं । री एडमिशन के नाम पर हर साल मोटी फीस वसूलना अब खुला खेलबन गया है । एक ही स्कूल में पढ़ रहे नियमित छात्रों से दोबारा एडमिशन शुल्क लेना आम हो चुका है, जिससे अभिभावक आक्रोश से तिलमिला उठे हैं । अभिभावकों का आरोप है कि यह केवल फीस वसूली नहीं, बल्कि एक संगठित री - एडमिशन रैकेट है, जहां मजबूरी का फायदा उठाकर उनसे हजारों रुपए वसूले जा रहे हैं ।

ब्लैकमेल का खुला खेल, फीस दो वरना नाम कटेगा

अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन खुले आम दबाव डालते हैं - फ्री एडमिशन फीस नबी को बच्चों का नाम काट देंगे । एक अभिभावक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह पढ़ाई नहीं, सीधा ब्लैकमेल है । वहीं दूसरे अभिभावक ने कहा कि री - एडमिशन शुल्क, विकास शुल्क, किताब कॉपी आदि के नाम पर लगातार आर्थिक भोज डाला जा रहा है । सवाल उठ रहा है कि आखिर कब तक यह सिलसिला चलता रहेगा और क्या स्कूलों को खुली छूट मिल गई है ?

हर निजी स्कूल का नया बहाना नई लूट, अभिभावक मजबूर स्कूल मालामाल

घाघरा के हर छोटे बड़े सभी निजी स्कूलों में यही हाल है। कहीं री - एडमिशन फीस, कहीं एनुवल चार्ज, कहीं विकास शुल्क, तो कहीं मेंटेनेंस फीस के नाम पर हजारों रुपए की अवैध वसूली किया जा रहा है। जिससे अभिभावकों पर आर्थिक और मानसिक बोझ बढ़ता जा रहा है। स्कूल अब शिक्षा मंदिर कम वसूली केंद्र ज्यादा लगने लगे हैं। गरीब परिवारों के लिए यह बोझ बहुत ही असहनीय हो गया है।

सड़क से प्रशासन तक गूंज रही आवाज

इस मुद्दे को लेकर अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों ने घागरा एवं गुमला प्रशासन से मांग की है कि री एडमिशन फीस पर तत्काल रोक लगाई जाए। सभी निजी स्कूलों की जांच हो तथा दोषी स्कूल प्रबंधन पर कड़ी कार्रवाई की जाए। अगर अभी कार्रवाई नहीं हुई तो घाघरा में शिक्षा नहीं सिर्फ लूट की पढ़ाई चलती रहेगी और अभिभावक यूं ही शोषण के शिकार बनते रहेंगे।

रायडीह - प्रकृतिक पर्व सरहुल नवागढ़ पतराटोली मे हर्षोल्लास के साथ संपन

नवप्रदेश/गुमला। कार्यक्रम का शुभारम्भ कृषि फार्म स्थित सरना स्थल पर बैगा पूजार, दिपक बैगा के अगवाई मे पारम्परिक तैर तरिका के साथ विधिवत पूजा अर्चना किया गया। पूजा सम्पन्न कराने मे टुना बैगा, गंगा बैगा, प्रदिप बैगा, पैरू बैगा एंव बन्धु बैगा के द्वारा सहयोग किया। इस दौरान बैगा पूजार दिपक बैगा द्वारा गाँव समाज देश के सुख, शांति, समृध्दि, अच्छी वर्षा, अच्छी फसल होने की कामना किया गया। तत्पश्चात सरहुल शोभा यात्रा निकाला गया, इसमे जनजातीय आदिवसी समुदाय के लोग पारम्परिक वेशभुषा परिधान के साथ शोभा यात्रा मे शामील हुए और ढ़ोल नागाड़ा की धुन मे नृत्य गीत गाकर खुशी मनाया, शोभा यात्रा कृषि फार्म स्थित सरना स्थल से शुरू होकर शहीद बख्तर साय मुण्डल सिंह चौक होते हुए नेशनल हाईवे 43 भलमण्डा देवी मंडप पहुंचा,जहां पर दिपक बैगा के द्वारा विधिवत तरिके से पूजा अर्चना किया गया। तत्पश्चात सरहुल शोभा यात्रा पुना कृषि फार्म नवागढ़ पंचायत भवन के समीप पहुंच कर संपन हुआ। सरहुल शोभा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में मिशिर कुजूर शामिल हुए और ढोल नगाड़े बजाते हुए शोभा यात्रा की शोभा बढ़ाये, मिशिर कुजूर ने लोगों को संबोधित करते हुए प्रकृति पर्व सरहुल का शुभकामनाएं दी साथ ही कहा की पुर्वजों ने बताया है की यह पर्व विशेष कर धरती और आसमान का विवाह का प्रतीक है जब प्रकृति का विवाह होता है तब हम खुशियां मनाते हैं और आज हम खुशियां मनाते आ रहे हैं, हम आदिवासी समुदाय के लोग हैं और आदिवासी प्रकृति पुजा है। यदि को प्रकृति की रखवाली करता है तो वो आदिवासी समुदाय है। शोभा यात्रा मे शामील सभी खोड़हा दल को सरहुल संचालन समिति के द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।मौके पर चुनता कुजूर , दिपक कुजूर, असरफ राय लालो, राजेन्द्र साहू, अनुप फ्रांसिस कुजूर, अध्यक्ष दुर्गा उरांव, सचिव मनेश उरांव, संदीप उरांव, बिनोद उरांव, कृति कुमार, बालेश्वर भगत, दुखी उरांव, सोम खड़िया, संदीप केरकेट्टा, जयपाल उरांव, रवि उरांव, रविंद्र लोहरा, दशरथ सिंह, रमेश उरांव, जीतु खड़िया, जितवाहन उरांव, प्रकाश उरांव, राकेश कुजूर, बिनय उरांव, सावित्री उरांव, आशा उरांव, पुष्पा उरांव, फुलमनी उरांव, सम्पत्ती उरांव, सीमा रानी भगत सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

रायडीह - वीर शहीद बख्तर साय एवं वीर शहीद मुंडल सिंह के शहादत दिवस पर किया गया कार्यक्रम का आयोजन

नवप्रदेश/रायडीह प्रखंड के वीर शहीद बख्तर साय एवं मुंडल सिंह के शहादत दिवस के अवसर पर दोनों वीर पुरुष के कर्म भूमि प्रखंड के नवागढ़ पंचायत अंतर्गत गढ़पहाड़ पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 4 अप्रैल को सर्व प्रथम प्रखंड मुख्यालय स्थित वीर शहीद बख्तर साय एवं मुंडल सिंह चौक में स्थापित प्रतिमा के समीप रीति विधि से पुजा अर्चना किया गया साथ ही शहीद के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं शहीदों को श्रद्धांजलि कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। वहीं शहीदों के कर्म स्थल गढ़पहाड़ में विस्तृत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय रौतिया समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश साय थे, उन्होंने कार्यक्रम का विधिवत उद्घटान दीप प्रज्जवलन एवं शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं बहुत ही सौभाग्यशाली हूं कि मुझे आज 214 वां शहादत दिवस में शामिल होने का व शहीदों को श्रद्धांजलि देने का मौका मिला, यह भुमि कोई आम भुमि नहीं है यह गढ़पहाड़ भुमि वीर शहीद बख्तर साय एवं मुंडल सिंह की कर्मभूमि है यहां उन्होंने अंग्रेजों का खुन बहाया था यह एक धरोहर है और इस धरोहर को संग्रहित करके रखने की जरूरत है। वहीं स्मारक समिति के अध्यक्ष महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता की पहली लडाई से पहले हमारे रायडीह प्रखंड के पवित्र भूमि से अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध की बिगुल यहां नवागढ़ परगना एवं पनारी परगना के जमींदार बख्तर साय एवं मुंडल सिंह ने फूक दिया। उन्होंने अंग्रेजो के खिलाफ बड़े पैमाने पर युद्ध छेड़ कर अंग्रेजों के खून की नदियां बहा दी। उन्होंने बतलाया कि दोनों वीर योद्धाओ के द्वारा गुरिल्ला युद्ध के माध्यम से युद्ध लड़ा जाने लगा। वहीं युद्ध के बाद अंग्रेजो ने दोनों को बंदी बना लिया एवं उन दोनों को कैद कर लिया। कार्यक्रम के दौर विभिन्न शहीदों के परिजन जिसमें बहादुर सिंह, लाल प्रवीण नाथ शाहदेव, चमपा मुण्डा, पप्पु चक्रवर्ती, श्यामसुन्दर प्रजापति को सम्मानित किया गया। मौके पर मिशिर कुजूर, आजाद सिंह, रोहित कुमार सिंह प्रदेश , हीरा प्रसाद सिंह प्रदेश, जगेश्वर सिंह , श्याम सुंदर सिंह , महिन्द्र प्रताप सिंह, सुरेन्द्र सिंह, संदीप सिंह,रामबिलास सिंह,चैतमन नगेशिया, पप्पू सिंह, मनोज साहु, असरफ राय लालो, राजेन्द्र साहु, बीरबल सिंह, भागवत सिंह, रंगलाल नगेशिया, हरखनाथ सिंह, बहादुर सिंह, मोहनचंद्र सिंह, हेमंत कुमार सिंह, हरिगणेश सिंह, रामवृत सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

कृषि भूमि पर अतिक्रमण और रास्ता अवरुद्ध होने से किसानों में आक्रोश, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

नव प्रदेश संवाददाता

डोमचांच। महेशपुर के दर्जनों किसानों ने आवेदन देकर आरोप लगाया है कि क्रेशर प्लांट के नाम पर कुछ लोगों द्वारा रास्ता का अवैध कब्जा कर लिया गया है। किसानों का कहना है कि गुलशन सिंह, बृजेश सिंह और उमाशंकर साव सहित कुछ लोगों ने जमीन क्रेशर प्लांट पर अतिक्रमण कर लिया है,जिससे आसपास के गरीब किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आवेदन में बताया गया है कि उक्त जमीन के आसपास के रास्तों को भी अवरुद्ध कर दिया गया है, जिससे खेतों तक पहुंचने में किसानों को दिक्कत हो रही है। किसानों का आरोप है कि जब भी वे अपने खेतों में जाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें रोक दिया जाता है और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि वर्तमान समय में खेती का मौसम चल रहा है और ऐसे में रास्ता बंद होने से बोआई व अन्य कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इससे न केवल उनकी फसल प्रभावित हो रही है, बल्कि आर्थिक नुकसान का भी खतरा बना हुआ है। आलू का कोढ़ाई करके 15 दिन से आलू का फसल खेत में ही है,किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर अतिक्रमण हटाया जाए तथा रास्ता खुलवाया जाए, ताकि वे अपने खेतों में आसानी से आ.जा सकें और खेती का कार्य सुचारू रूप से कर सकें।इस संबंध में स्थानीय लोगों ने अनुमंडल पदाधिकारी,पुलिस प्रशासन और अंचलाधिकारी से जल्द हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने की अपील की है। आवेदन देकर कार्रवाई का मांग करने वाले में सीताराम मेहता प्रदीप मेहता रामकुमार महेंद्र कुमार मेहता रोहित कुमार मेहता रंजीत कुमार मेहता उपेंद्र मेहता राजा कुमार आनंदी में रामानुज मेहता रेखा देवी अशोक मेहता पवन कुमार मेहता सुधीर मेहता राजेंद्र मेहता मुनी देवी प्रकाश नारायण मेहता सुमा देवी के नाम शामिल है. वहीं दूसरे पक्ष के प्लांट के सुपरवाइजर ने बताया कि हम लोग पर लगाया गया आरोप बेबुनियाद है कुआं नहीं बना था डोभा टाइप का कुछ बना था वह भी मेरा जमीन में था जिस कारण भरा गया है रास्ता रोकने की जहां तक बात कही जा रही है वहां कोई सड़क नहीं था वह जमीन मेरा है तो अपना जमीन में हम बाउंड्री किए हैं आलू निकालने के कई बार उन लोग को बोले, नहीं निकाला उसके बाद हम लोग बाउंड्री किए हैं आगे उन्होंने कहा कि मेरा प्लांट में डीप बोरिंग है उन लोगों को जरूरत है तो पानी ले जा सकता है।

झुमरी तिलैया से शैक्षणिक भ्रमण दल रवाना, प्रशिक्षुओं को दी गई शुभकामनाएं

संस्था के सचिव डॉ. डी. एन. मिश्रा ने दिखाई हरी झंडी

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। झुमरी तिलैया में शनिवार को झारखंड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसाइटी के अंतर्गत संचालित झारखंड शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं कॉलेज ऑफ फामेर्सी के प्रशिक्षुओं का शैक्षणिक भ्रमण दल उत्साहपूर्वक रवाना किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के सचिव डॉ. डी. एन. मिश्रा ने प्रशिक्षुओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हरी झंडी दिखाकर भ्रमण दल को रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण से अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करने और अपने अनुभवों को समृद्ध बनाने की प्रेरणा दी। वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. के. यादव ने अपने संबोधन में शैक्षणिक भ्रमण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के भ्रमण से छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है, जो उनके शैक्षिक उद्देश्यों को पूरा करने में सहायक सिद्ध होता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं अन्य कर्मी भी उपस्थित रहे और सभी ने प्रशिक्षुओं को सफल एवं ज्ञानवर्धक यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

विद्यालय की जमीन पर अतिक्रमण को लेकर बढ़ा विवाद, जांच की मांग

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के पंचायत चैथी अंतर्गत ग्राम तेतरिया में सरकारी विद्यालय की जमीन पर अतिक्रमण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस संबंध में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सह चैथी पंचायत के मुखिया उपेंद्र यादव उर्फ गुलाबी यादव ने उपायुक्त हजारीबाग को आवेदन देकर हस्तक्षेप की मांग की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव के ही बिक्रम प्रजापति एवं ललन कुमार प्रजापति द्वारा विद्यालय की सरकारी जमीन पर जबरन निजी बाथरूम का निर्माण कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्य रोकने का निर्देश दिए जाने के बावजूद भी कार्य लगातार जारी है।आवेदन में उल्लेख किया गया है कि विद्यालय के शिक्षकों ने पूर्व में ही अंचलाधिकारी संजय यादव एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन अब तक इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। आरोप यह भी है कि निर्माण कार्य का विरोध करने पर संबंधित लोगों द्वारा धमकी दी जा रही है और राजनीतिक संरक्षण के सहारे कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। इधर, मुखिया उपेंद्र यादव ने उपायुक्त से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए विद्यालय की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

प्राचार्य दयानंद सिंह को भावभीनी विदाई, 29 वर्षों की सेवा को किया गया नमन

नवप्रदेश/चौपारण।अमोली अपूर्वा उच्च विद्यालय, मानगढ़ में लंबे समय तक अपनी उत्कृष्ट सेवा देने वाले प्रधानाध्यापक दयानंद सिंह को भावभीनी विदाई दी गई। उनका कार्यकाल वर्ष 1997 से मार्च 2026 तक रहा, जिसे विद्यालय के इतिहास का स्वर्णिम दौर माना जा रहा है। इस अवसर पर आयोजित विदाई समारोह गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें विद्यालय परिवार, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के अध्यक्ष सह मुखिया अर्जुन पांडे ने की। वहीं नवभारत केंद्र के संचालक गंधर्व गौरव सहित कई विशिष्ट अतिथि समारोह में शामिल हुए। समारोह में पंचायत समिति सदस्य जनार्दन सिंह, सदानंद सिंह, रामचंद्र राम, रणजीत सिंह, शिक्षक कामदेव राणा, मदन कुमार, राधा रमण गुप्ता, नवनीत कुमार, सुबोध कुमार, सुबोध कुमार कुशवाहा, मनीष कुमार, सुनैना देवी समेत कई गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वक्ताओं ने दयानंद सिंह के समर्पित एवं अनुकरणीय कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में विद्यालय ने शिक्षा, अनुशासन और विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने छात्रों के सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयास किए तथा विद्यालय को एक नई पहचान दिलाई।विदाई समारोह के दौरान माहौल भावुक हो गया। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

झुमरी तिलैया में भाजपा कार्यकर्ता प्रशिक्षण को लेकर रणनीति बैठक, 6 अप्रैल से दो दिवसीय कार्यशाला

नवप्रदेश (मुकेश कुमार)

झुमरी तिलैया। भाजपा झुमरी तिलैया दक्षिणी मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार आयोजित की गई। बैठक विवाह भवन, झुमरी तिलैया में संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष नवीन चौधरी ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने तथा संगठनात्मक रणनीति तैयार करना था।

बैठक में बताया गया कि पूरे झारखंड प्रदेश में पार्टी द्वारा दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके माध्यम से कार्यकताओं को संगठनात्मक, वैचारिक और राजनीतिक रूप से मजबूत किया जाएगा। इसी क्रम में झुमरी तिलैया दक्षिणी मंडल में 6 अप्रैल को विवाह भवन में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में मंडल पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक एवं सह-संयोजक, मोर्चा के कार्यकर्ता तथा पार्टी के सक्रिय सदस्य भाग लेंगे। मंडल अध्यक्ष नवीन चौधरी ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकताओं को पार्टी की नीति, सिद्धांत और संगठनात्मक कार्यप्रणाली की गहन जानकारी देना है, ताकि आगामी कार्यक्रमों और चुनावों में संगठन बेहतर प्रदर्शन कर सके। बैठक में संजय शर्मा, पिंटू मजूमदार, पिंटू भारती, पवन सिंह, दिनेश वर्मा, राजेश वर्मा, रामस्वरूप यादव, शंकर सिन्हा, प्रदीप मोदी, कुंज बिहारी त्रिवेदी, शिव शंकर पांडे, राहुल कुमार, संतोष वर्मा, मनोज कुमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव दिए।

कुष्ठ एवं टीबी उन्मूलन को लेकर स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता,

चंदवारा प्रखंड के गांवों में मरीजों का किया गया निरीक्षण

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी सह जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, कोडरमा द्वारा चंदवारा प्रखंड के बेंदी, छतारा एवं भित्तिया गांवों का भ्रमण कर कुष्ठ (एनएलईपी) एवं टीबी कार्यक्रम अंतर्गत इलाजरत मरीजों के स्वास्थ्य की समीक्षा की गई तथा उन्हें विभाग द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान छतारा गांव में टीबी से पीड़ित एक मरीज की स्वास्थ्य जांच की गई तथा उसे नियमित रूप से दवा सेवन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मरीज को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने हेतु एसटीएस सुनीता कुमारी को आवश्यक दिशा. निर्देश दिए गए। ज्ञात हो कि बेंदी एवं भित्तिया गांव में पूर्व से कुष्ठ रोगी चिन्हित हैं। हाल के सर्वेक्षण में भित्तिया गांव में एक नए संदिग्ध व्यक्ति की जांच की गई, जिसमें कुष्ठ रोग की पुष्टि हुई। उक्त व्यक्ति के घर में पहले से ही दो कुष्ठ मरीजों का इलाज चल रहा है। नए मरीज का इलाज तत्काल MDT (मल्टी ड्रग थेरेपी) से प्रारंभ कर दिया गया है। कुष्ठ से होने वाली विकलांगता की रोकथाम हेतु फिजियोथैरेपिस्ट राजीव रंजन को न्यूराइटिस एवं रिएक्शन मैनेजमेंट के लिए नियमित रूप से भ्रमण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही एमपीडब्ल्यू लाल बहादुर दास को निर्देशित किया गया कि कुष्ठ से प्रभावित दिव्यांग मरीजों को सदर अस्पताल में आयोजित मेडिकल बोर्ड तक पहुंचाने में सहयोग करें, ताकि उनका दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त मरीजों को प्रत्येक छह माह पर एमसीआर जूते उपलब्ध कराने तथा पोषण राशि एवं अन्य सरकारी सहायता नियमित रूप से देने का भी निर्देश दिया गया। कुष्ठ रोग के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से सभी मरीजों के संपर्क में आए व्यक्तियों को सिंगल डोज रिफैंपिसिन का सेवन कराया गया, जिससे गांव एवं परिवार स्तर पर संक्रमण की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर फिजियोथैरेपिस्ट राजीव रंजन, एएनएम प्रीति कुमारी, एमपीडब्ल्यू लाल बहादुर दास, एसटीएस सुनीता कुमारी, सहिया रेखा देवी एवं कविलाश देवी उपस्थित थे।

उपायुक्त ऋतुराज ने बिरहोर समुदाय के लिए विशेष शिक्षा केंद्र सह पोषण शिविर का किया उद्घाटन

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। कोडरमा जिले के मसनोडीह पंचायत अंतर्गत जियोरायडीह ग्राम में पीवीटीजी बिरहोर समुदाय के बच्चों के लिए विशेष शिक्षा केंद्र सह पोषण शिविर का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन कोडरमा व सामाजिक संस्था सृजन महिला विकास मंच के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में कोडरमा जिले के उपायुक्त ऋतुराज शामिल हुए। उन्होंने फीता काटकर पोषण शिविर का विधिवत उद्घाटन किया तथा विशेष शिक्षा केंद्र की पहल की सराहना की। अपने संबोधन में उपायुक्त महोदय ने कहा कि राज्य सरकार पीवीटीजी समुदायों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े समुदायों तक शिक्षा और पोषण की सुविधाएं पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। इस दिशा में सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी विकास की प्रक्रिया को और सशक्त बनाती है। कार्यक्रम के दौरान आयोजित पोषण शिविर में बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं और बच्चों की सहभागिता ने कार्यक्रम को सफल और प्रेरणादायक बना दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में उप विकास आयुक्त रवि जैन, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी भोला पांडेय, डोमचांच प्रखंड प्रमुख सत्यानारायण यादव, जिला परिषद सदस्य शांति प्रिया तथा मसनोडीह पंचायत की मुखिया पुष्पा देवी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बसरिया में गैस सिलेंडर कालाबाजारी का भंडाफोड़, छापेमारी में 13 सिलेंडर बरामद

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के बसरिया गांव में प्रशासनिक छापेमारी के दौरान गैस सिलेंडर की कालाबाजारी का बड़ा मामला उजागर हुआ है। हजारीबाग के जिला आपूर्ति पदाधिकारी, चौपारण के अंचल अधिकारी संजय यादव एवं चौपारण एमओ बिक्रम पांडे की संयुक्त कार्रवाई में 13 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए। ये सिलेंडर गंदौरी राणा के पुत्र अमित राणा के घर से जब्त किए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर प्रशासन ने यह छापेमारी की। स्थानीय लोगों और सूत्रों का कहना है कि सिलेंडर भले ही अमित राणा के घर में रखे गए थे, लेकिन इस पूरे अवैध कारोबार के पीछे किसी अन्य व्यक्ति का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि सिलेंडरों को रात के समय ऊंचे और मनमाने दामों पर बेचा जाता था, जिससे आम उपभोक्ताओं की मजबूरी का फायदा उठाया जा रहा था। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब वैश्विक अस्थिरता और युद्ध जैसी परिस्थितियों के कारण एलपीजी आपूर्ति पहले से प्रभावित है। ऐसे में इस तरह की कालाबाजारी न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि आम जनता के अधिकारों का भी हनन है। इसे आपदा में अवसर तलाशने जैसा कृत्य माना जा रहा है। छापेमारी के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और प्रशासन आगे की जांच में जुट गया है। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई होगी और असली सरगना तक प्रशासन पहुंच पाएगा या नहीं। जनता दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्रशिक्षुओं ने गुमो गांव में सफलतापूर्वक शैक्षणिक सर्वेक्षण किया

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्रशिक्षुओं रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में झुमरी तिलैया के गुमो गांव में शैक्षणिक सर्वेक्षण कार्य विषय - ग्रामीण समुदाय में डिजिटल शिक्षा के प्रति जागरूकता पर एक क्षेत्रीय सर्वेक्षण कोडरमा प्रखंड अंतर्गत गुमो ग्राम में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। प्रशिक्षुओं ने गुमो ग्राम में डिजिटल शिक्षा पर शैक्षणिक सर्वेक्षण कर उक्त ग्राम में डिजिटल शिक्षा का स्तर, जागरूकता एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आवश्यकता, उपयोगिता सहित डिजिटल शिक्षा के प्रति उत्सुकता से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां एकत्र की। इस अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला नोडल पदाधिकारी सौरभ शर्मा ने कहा कि आज का युग डिजिटल युग है । सभी कार्य डिजिटलीकरण से सम्पन्न हो रहे है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटलीकरण का निरंतर विकास हो रहा है। ग्रामीण समुदाय को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना न केवल उनके ज्ञान का विस्तार है, बल्कि आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। सर्वेक्षण द्वारा प्रशिक्षुओं में शोध के प्रति जागरूकता एवं उत्सुकता बढ़ेगी। इस अवसर पर डीएलएड विभागाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह ने प्रशिक्षुओं को सर्वेक्षण कार्य का महत्ता से अवगत कराया एवं इसके उपयोगिता पर विशेष बल दिया। सर्वेक्षण कार्य को सफल बनाने हेतु महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ पूजा कुमारी, संजीत कुमार एवं खुशबू कुमारी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उक्त सर्वेक्षण में महाविद्यालय के बी॰ एड॰ सत्र 2025. 27 के सभी प्रशिक्षु उर्मिला कुमारी, मुनिता शर्मा, मुनिता कुमारी, किरण कुमारी, प्रतिभा कुमारी, निकिता कुमारी, समीना प्रवीण, प्रिया सिंह, साक्षी कुमारी, रितिका कुमारी, प्रियंका कुमारी, सुलेखा कुमारी, बबीता कुमारी, अंजली कुमारी, खुशबू रानी, सोनिया कुमारी, सुधा कुमारी, पूनम कुमारी, हेमलता कुमारी, श्रद्धा सुमन, ज्योति कुमारी यादव, श्रेया सिन्हा, नंदनी कुमारी, प्रिया कुमारी, कविता कुमारी, अनिशा कुमारी, शोभा कुमारी विश्वकर्मा, पूजा कुमारी, दिव्या कुमारी, उजाला कुमारी, प्रियंका कुमारी, नीलू कुमारी, मनीषा, यामिनी कुमारी, बिनोद कुमार यादव, अंकित चंद्रा, सूरज कुमार, रजनीश कुमार, सद्दाम अंसारी, आयुष कुमार, सागर कुमार दास, मनीष कुमार, लवजीत कुमार विश्वकर्मा, कुंदन कुमार, पवन कुमार, निर्भय कुमार, पवन कुमार पंडित, लोकेश कुमार, सुमित कुमार मोदी, दीपक कुमार, मनोरंजन कुमार पाण्डेय एवं अन्य सहित सभी सहायक प्राध्यापक उपस्थित रहे।

एक नजर

हाजत मौत: विजय यादव को न्याय को लेकर आप का कैंडल मार्च, 50 लाख मुआवजे और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

नव प्रदेश संवाददाता/जयनगर (कोडरमा)। जयनगर थाना हाजत में विजय यादव की संदिग्ध मौत के विरोध में आम आदमी पार्टी ने विशाल कैंडल मार्च निकालकर न्याय की जोरदार मांग उठाई। जिला अध्यक्ष महेश कुमार यादव के नेतृत्व में थाना गेट से पेठियाबागी चौक तक निकले इस शांतिपूर्ण मार्च में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, स्थानीय लोग और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में मोमबत्तियां लिए लोगों ने विजय यादव को न्याय दो और दोषी पुलिसकर्मियों को सजा दो जैसे नारे लगाए। मार्च के दौरान मृतक के परिजनों पत्नी चमेली देवी और बच्चों की मौजूदगी ने माहौल को भावुक बना दिया। महेश कुमार यादव ने विजय यादव के छोटे बेटे को कंधे पर बैठाकर साथ चलते हुए कहा कि परिवार को हर हाल में न्याय दिलाया जाएगा। पार्टी नेताओं ने घटना को मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताते हुए निष्पक्ष जांच, दोषियों की गिरफ्तारी, 50 लाख मुआवजा, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी सरकार द्वारा उठाने की मांग की। नेताओं ने चेतावनी दी कि न्याय में देरी हुई तो आंदोलन को जिला से राज्य स्तर तक तेज किया जाएगा। अंत में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

विधायक डॉ नीरा यादव ने प्रिकास्ट बाउंड्री वाल निर्माण का शिलान्यास किया

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। जिले के डोमचांच प्रखंड के मौजा मसनोडीह, फुलवरिया, बीघा और धरगांव में करीब 45 लाख रुपये की लागत से 2 किलोमीटर प्रिकास्ट बाउंड्री वाल निर्माण कार्य का शिलान्यास हुआ। स्थानीय विधायक डॉ नीरा यादव ने इस निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस काम के शिलान्यास से स्थानीय लोगों में खुशी है। ज्ञात हो कि इन गांवों में लोग जंगली जानवर से परेशान हैं। फसल को लगातार नष्ट किए जाने के कारण लोगों ने विधायक से इसके लिए समुचित उपाय किए जाने और बाउंड्री वाल का निर्माण कराने की मांग की थी। लगातार प्रयास के बाद बाउंड्री वाल के निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली और निविदा के बाद अब निर्माण कार्य की शुरूआत होनी है। शिलान्यास के मौके पर विधायक डॉ नीरा यादव के अलावा जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव के अलावा अन्य लोग मौजूद थे।

जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, सात दिन बाद दर्ज हुई एफआईआर

नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। थाना क्षेत्र अंतर्गत आदर्श पंचायत चोपनाड़ीह के ग्राम कोंड्राडीह में 28 मार्च को हिस्से से अधिक जमीन पर घर बनाकर प्लास्टर करने के दौरान मारपीट करने का आरोप लगाकर मरकचो थाना में आवेदन देने के पश्चात पूरे एक सप्ताह बीत जाने के बाद कराई गई एफआईआर दर्ज। मिली जानकारी अनुसार अफजल मियां पिता स्व. रहमतुल्ला मियां ग्राम कोंडरडीह पोस्ट चोपनाड़ीह थाना मरकच्चो ने अपने छोटे भाई अख्तर रिजवी पिता रहमतुल्लाह मियां के ऊपर राज मिस्त्री समीर मियां पिता मुबारक मियां के द्वारा किए जा रहे घर का काम को मना करने के दौरान मारपीट एवं छेड़छाड़ करने को लेकर अख्तर रिजवी, लियाकत मियां, सिकंदर अली, जहूरा खातून, अख्तर रिजवी की बहू को चांदी की सिकरी छीनने, सोने का करण फुल जबरदस्ती छीनने वगैरा का आरोप लगाया वहीं दूसरी ओर जोहरा खातून पति अख्तर हुसैन रिजवी ग्राम कोंडराडीह ने अपने घर में प्लास्टर एवं टाइल्स लगाने के क्रम में अफजाल अंसारी, सद्दाम अंसारी, नसरुल अंसारी, अहमद, सरोज अंसारी, रियाज अंसारी, लेलूना खातून, कैमरून खातून, अजमेरी खातून, अफजाल मियां, नसरूर अंसारी पर मारपीट और जमीन पर महिलाओं को पटक कर मारने, चांदी का जेवर छिनताई का आरोप लगाकर मरकच्चो थाना में दिया लिखित आवेदन वहीं मरकचो थाना में दोनों आवेदन के आलोक में लगभग पूरे एक सप्ताह बीतने के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है एवं जांच पड़ताल किया जा रहा है वहीं दोनों पक्षों में जमीन बंटवारे की हिस्सेदारी को लेकर तनाव का स्थिति बना हुआ है। वहीं ग्रामीणों ने बताया की उक्तलोग तीन भाई होते हैं और जमीन हिस्से की बंटवारे को लेकर बार बार झगड़ा करने पर उतारू हो जाते हैं इस बावत जब समाज के गणमान्य लोगों द्वारा समझौता कराने का प्रयास किया जाता है तो दो भाई फैसले को मानते भी हैं पर एक भाई फैसला को मानने से इंकार चला जाता है। इसी कारण झगड़ा हो जाता है जो पूरे एक सप्ताह से लोगों का समझौता कराने का प्रयास किया गया और समाज का निर्णय नहीं मानने के बाद आज एफआईआर दर्ज हो गया।

नागपुर में चमके अनुपम प्रकाश, देश स्तर पर बढ़ाया झारखंड का मान

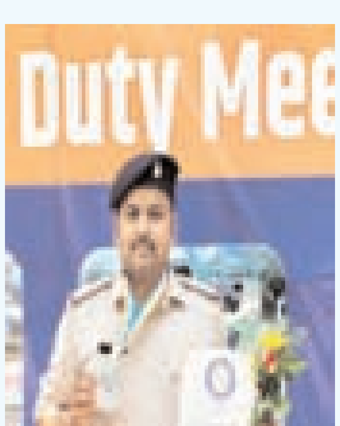

नवप्रदेश/चौपारण। चौपारण थाना में पदस्थापित रहे पूर्व थाना प्रभारी सह वर्तमान में विष्णुगढ़ थाना में एसआई अनुपम प्रकाश ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए देशभर में झारखंड पुलिस का नाम रोशन किया है। हाल ही में नागपुर में आयोजित राष्ट्र स्तरीय पुलिस प्रतियोगिता में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल हासिल कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि से पूरे राज्य का गौरव बढ़ा है।उनकी सफलता पर चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि 2018 बैच के एसआई अनुपम प्रकाश जहां भी पदस्थापित रहते हैं, वहां उत्कृष्ट प्रदर्शन करना उनकी पहचान बन चुकी है।इससे पूर्व रांची के डोरंडा स्थित झारखंड आर्म्ड पुलिस (खअढ-1) परिसर में आयोजित 20वीं झारखंड स्टेट पुलिस ड्यूटी मीट-2025 में भी उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इस प्रतियोगिता में राज्यभर की आठ टीमों के 80 पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया था, जहां फॉरेंसिक साइंस, अपराध जांच, कंप्यूटर अवेयरनेस, फिंगर प्रिंट और फोटोग्राफी सहित कई विधाओं में प्रतिस्पर्धा हुई थी। अनुपम प्रकाश ने तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था।उनकी इस उपलब्धि के आधार पर ही उनका चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ था। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उन्हें सम्मानित करते हुए पुलिस बल की तकनीकी दक्षता की सराहना की थी। लगातार मिल रही सफलताओं से अनुपम प्रकाश न केवल चौपारण बल्कि पूरे झारखंड के लिए प्रेरणा बन गए हैं।

संपादकीय

ईरान ने अमेरिका को दिखाया आइना

मध्य पूर्व में चल रहे तनाव ने वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था की कई स्थापित धारणाओं को चुनौती दी है। ईरान की मिसाइल क्षमता को लेकर जिस तरह की चर्चाएं सामने आ रही हैं, उससे यह स्पष्ट है कि आधुनिक युद्ध अब केवल पारंपरिक सेनाओं या वायु शक्ति तक सीमित नहीं रह गया है। अमेरिका और इजरायल जैसे सैन्य रूप से अत्याधुनिक देश भी मिसाइल और ड्रोन आधारित रणनीतियों के सामने नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ईरान ने पिछले दो दशकों में जिस प्रकार अपनी बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल तकनीक को विकसित किया है, वह उसकी सामरिक सोच को दर्शाता है। प्रतिबंधों और सीमित संसाधनों के बावजूद उसने वायुसेना पर निर्भर रहने के बजाय मिसाइल और ड्रोन युद्ध को प्राथमिकता दी। यही कारण है कि आज उसके पास हजारों की संख्या में विभिन्न रेंज की मिसाइलें मौजूद हैं, जिनकी मारक क्षमता 700 किलोमीटर से लेकर 2000 किलोमीटर तक बतायी जाती है। इस दायरे में सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन जैसे देश भी आते हैं। आधुनिक युद्ध में एक महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि अब लागत बनाम प्रभाव का समीकरण तेजी से बदल रहा है। ईरान की अपेक्षाकृत सस्ती मिसाइलें और ड्रोन, अरबों डॉलर की लागत वाले एयर डिफेंस सिस्टम जैसे थाड और आयरन डोम पर भारी दबाव डाल रहे हैं। इन रक्षा प्रणालियों की सीमाएं तब उजागर होती हैं, जब एक साथ बड़ी संख्या में हमले किए जाते हैं। ऐसे में रक्षा प्रणाली का हर इंटरसेप्टर महंगा साबित होता है, जबकि हमलावर पक्ष अपेक्षाकृत कम लागत में लगातार दबाव बनाए रखता है। हालांकि यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि ईरान ने पूरी तरह से वैश्विक शक्तियों को पस्त कर दिया है, लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि उसने युद्ध की रणनीति को जटिल और महंगा बना दिया है। अब किसी भी सैन्य शक्ति के लिए केवल तकनीकी श्रेष्ठता ही पर्याप्त नहीं रह गई है; उसे संसाधनों के कुशल उपयोग और लंबी अवधि की तैयारी भी करनी होगी। ईरान की रणनीति का एक और महत्वपूर्ण पहलू उसका निवारक दृष्टिकोण है। उसने अपने मिसाइल जखीरे को केवल आक्रामक हथियार के रूप में नहीं, बल्कि अपनी संप्रभुता और अस्तित्व की सुरक्षा के साधन के रूप में प्रस्तुत किया है। मोबाइल लॉन्चर और तेजी से तैनाती की क्षमता इसे और प्रभावी बनाती है, जिससे इन मिसाइलों को पहले हमले में निष्क्रिय करना कठिन हो जाता है। यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा ढांचे के लिए एक संकेत है। छोटे और मध्यम शक्ति वाले देश अब पारंपरिक सैन्य संतुलन को चुनौती देने में सक्षम हो रहे हैं। इससे भविष्य के युद्ध अधिक असममित, तकनीक-आधारित और अनिश्चित हो जाएंगे। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह आवश्यक है कि वह कूटनीतिक समाधान और हथियार नियंत्रण की दिशा में गंभीर प्रयास करे, ताकि बढ़ती हुई सैन्य प्रतिस्पर्धा को रोका जा सके।

मुद्दा

भीतर के रण का विजेता ही 'महावीर'

प्रणय विक्रम सिंह

कभी खुद से पूछिए कि वीर कौन होता है? वह, जो तलवार की धार पर इतिहास लिख दे या वह, जो अपने ही भीतर के तूफानों को थाम ले? एक क्षत्रिय राजमहलों में जन्मा, जिसके हिस्से में राज्य भी था, शक्ति भी थी, शौर्य भी था, पर उसने न सिंहासन चुना, न शस्त्र उठाया, न विजय का शोर किया, किसी चींटी तक को आहत नहीं किया और फिर भी वह महावीर कहलाया। यह इतिहास का विरोधाभास नहीं, यह आत्मा का उत्कर्ष है, क्योंकि असली युद्ध बाहर नहीं भीतर होता है। और जो भीतर जीत ले, वही विराट होता है। जैन परंपरा का यह अद्भुत सत्य है कि सभी तीर्थंकर क्षत्रिय कुल में जन्मे अर्थात जिनके संस्कारों में साहस, संयम और संघर्ष स्वाभाविक थे। लेकिन उन्होंने क्षत्रियत्व को शस्त्रों से नहीं, शील से सिद्ध किया, बाहुबल से नहीं, आत्मबल से प्रतिष्ठित किया। भगवान महावीर में वही क्षत्रिय चेतना एक नए शिखर पर दिखती है। जहां युद्ध था, पर भीतर के विकारों से। जहां विजय थी, पर वासनाओं पर, जहां पराक्रम था, पर करुणा के साथ। यह क्षत्रियत्व का सर्वोच्च स्वरूप था, जहां तलवार छूट गई, पर तेज नहीं। जहां राजसत्ता त्यागी गई, पर आत्मसत्ता जाग उठी। और यही उनका त्याग है, तप है। एक ऐसा मौन विद्रोह, जिसने सत्ता को नहीं, स्वयं को पराजित किया। यह पलायन नहीं था, यह अपने ही भीतर के साम्राज्य को जीत लेने का साहस था। हम सब अपने-अपने जीवन के सैनिक हैं, पर हमारी तलवारें बाहर की ओर तनी रहती हैं और भीतर बैठा शत्रु काम, क्रोध, लोभ, लिप्सा, अहंकार हमें चुपचाप पराजित करता रहता है। महावीर ने इन्हें जीता इसलिए वे अरिहंत हुए, अपने ही भीतर के अरि का अंत करने वाले। उत्तराध्ययन की गाथा जैसे हमें झकझोरती है कि हजारों को जीतना बड़ी बात नहीं, एक बार खुद को जीत कर तो देखो। आज हम क्रांति की बातें करते हैं। समाज बदलने, व्यवस्था बदलने और दुनिया बदलने का ऐलान करते हैं। पर क्या हमने खुद को बदलने की हिम्मत जुटाई? क्योंकि सच यह है कि भीतर की क्रांति के बिना बाहर का परिवर्तन सिर्फ दिखावा है, सिर्फ पाखंड है। महावीर का मार्ग मंदिरों में बंद नहीं है, वह जीवन की धड़कनों में बहता है, अहिंसा में, सत्य में, अपरिग्रह में प्रवाहित होता है। हर उस क्षण में, जब आप प्रतिक्रिया नहीं, संयम चुनते हैं। और अनेकान्तवाद यह केवल दर्शन नहीं, संवाद की सभ्यता है। यह सिखाता है कि सत्य किसी एक का नहीं होता, तुम भी सही हो सकते हो, मैं भी और शायद दोनों मिलकर ही सत्य बनते हैं। परस्परोपग्रहो जीवानाम् यानी जीवन का मूल संदेश यही है कि हम एक-दूसरे से जुड़े हैं, हम अलग नहीं, परस्पर हैं। आज जब दुनिया विचारों की तलवारों से कट रही है, जब धर्म संवाद नहीं, दंभ बनता जा रहा है, जब शक्ति संयम नहीं, वर्चस्व में बदल रही है तब महावीर का संदेश केवल प्रासंगिक नहीं, अनिवार्य हो जाता है। और शायद यहीं आकर महावीर इतिहास नहीं रहते, धड़कन बन जाते हैं। वह तप, जो कभी वन की निर्जन नीरवता में जपा गया था, वही आज भी परंपराओं की पलकों पर जलता दिखाई देता है। गोरक्षपीठ की साधना में वह मौन मंथन आज भी सुनाई देता है, यहां शब्द नहीं, साधना बोलती है, यहां वेग नहीं, विवेक मार्गदर्शक बनता है; और यहां विजय किसी और पर नहीं, स्वयं के विकारों पर अर्जित होती है।

भय से विश्वास तक : एक युगांतकारी परिवर्तन

बृजमोहन अग्रवाल

> **हमारे समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि अशिक्षा, अज्ञानता और दुष्प्रचार के कारण स्थानीय समाज का बड़ा हिस्सा नक्सलवाद के प्रति सहानुभूति रखता था। इस स्थिति को बदलने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। स्कूलों, महाविद्यालयों और छात्रावासों में पर्चे और साहित्य वितरित किए गए। घर-घर जाकर नक्सलवाद की वास्तविकता को उजागर किया गया। इस अभियान में दिल्ली विश्वविद्यालय और जेएनयू जैसे संस्थानों से जुड़े राष्ट्रवादी विचारकों और छात्रों का भी सहयोग लिया गया।**

छह दशकों तक भारत की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास यात्रा को चुनौती देता रहा नक्सलवाद आज अपने निर्णायक अवसान की अवस्था में पहुंच चुका है। यह केवल एक सुरक्षा सफलता नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय संकल्प की विजय है, जिसमें स्पष्ट नीति, अटूट राजनीतिक इच्छाशक्ति और केंद्र-राज्य के अभूतपूर्व समन्वय ने मिलकर एक जटिल और दीर्घकालिक समस्या का समाधान किया है। नक्सलवाद का यह अवसान इस सत्य को पुनः स्थापित करता है कि भारत में बंदूक की शक्ति अंततः लोकतंत्र की सामूहिक शक्ति के आगे टिक नहीं सकती। यह परिवर्तन अचानक नहीं आया- इसके पीछे दशकों का संघर्ष, अनगिनत बलिदान और एक ऐसी रणनीतिक निरंतरता रही है, जिसने अंततः इस चुनौती को निर्णायक रूप से परास्त किया।

नक्सलबाड़ी से रेड कॉरिडोर तक

भारत में नक्सलवाद का उदय वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से हुआ, जिसकी वैचारिक जड़ें तत्कालीन सोवियत संघ और चीन की उग्र वामपंथी विचारधारा में थीं। अपनी विकास विरोधी छवि के कारण जब बंगाल में इस विचारधारा के प्रति विरोध पनपने लगा तो अपने विस्तार के लिए नक्सलवाद ने सॉफ्ट टारगेट्स की तलाश शुरू की- ऐसे क्षेत्र जहां शासन की पहुँच सीमित हो, सामाजिक-आर्थिक चुनौतियां अधिक हों और जनजागरूकता कम हो। देश के वनांचल, आदिवासी और खनिज संपदा से समृद्ध क्षेत्र इस दृष्टि से सबसे आसान लक्ष्य थे। नक्सलवाद विस्तार की इसी रणनीति के तहत तथाकथित रेड कॉरिडोर विकसित हुआ, जो तिरुपति से पशुपति तक फैले विशाल भूभाग में फैल गया। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से घिरा छत्तीसगढ़, जिसका लगभग 42 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, इस रेड कॉरिडोर का रणनीतिक केंद्र बन गया। पड़ोसी राज्यों से अपनी गतिविधियाँ सीमित रखने का अघोषित समझौता कर नक्सली अबूझमाड़ क्षेत्र में संगठित होते चले गए। अपनी दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण दशकों तक प्रशासनिक सर्वेक्षण से दूर रहा अबूझमाड़ नक्सलियों का सुरक्षित शेल्टर बन गया।

विचारधारा से विचलन

समय के साथ नक्सलवाद ने अपनी मूल वैचारिक पहचान खो दी और एक हिंसक आर्थिक उगाही तंत्र में परिवर्तित हो गया। बस्तर और सरगुजा जैसे वनाच्छादित जनजातीय क्षेत्रों में नक्सलियों ने समानांतर सत्ता संरचना स्थापित कर दी, जहाँ तथाकथित जन अदालतों के माध्यम से भय आधारित नियंत्रण कायम किया गया। छत्तीसगढ़ के खनिज सम्पन्न क्षेत्रों की खदानें, विद्युत परियोजनाएँ, तेंदूपत्ता व्यापार- सभी उनके लिए उगाही के स्रोत बन गए। सरकारी कर्मचारियों, व्यापारियों, ठेकेदारों और यहाँ तक कि पुलिस बलों से भी जबरन वसूली की जाने लगी। यह उगाही धीरे-धीरे इतनी बढ़ी कि छत्तीसगढ़ में इसका वार्षिक आंकड़ा हजारों करोड़ रुपये तक पहुँचने की चर्चा होने लगी। सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस में यह विचारधारा समाप्त हो गई। चीन ने भी माओवाद की सशस्त्र संरचना को छोड़कर आर्थिक सुधारों पर आधारित पूंजीवादी कम्युनिज्म मॉडल को अपना लिया, लेकिन भारत में नक्सलवाद अपने मूल उद्देश्यों से भटककर लेवी वसूली और हिंसा फैलाने का टूल बन गया। नक्सलवाद के झंडाबरदारों ने विचारधारा को त्यागकर इसे अपने आर्थिक हितों की पूर्ति और आतंक फैलाने का साधन बना लिया।

वैचारिक समर्थन की राजनीतिक पृष्ठभूमि

दुर्भाग्य से, कांग्रेस नीत सरकारों के लंबे शासनकाल में नक्सलवाद के प्रति स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव रहा, क्योंकि उस दौर में केंद्र और कई राज्यों में भी वामपंथी पार्टियां कांग्रेस के सहयोगी की भूमिका में थीं। सत्ता के लिए वामपंथ के साथ कांग्रेस की राजनीतिक निकटता का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार करने की बजाय इसे सामाजिक-आर्थिक संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर वैधता प्रदान करने की नीति हावी हो गई। उस दौर में प्रशासनिक तंत्र के भीतर भी यह वैचारिक भ्रम दिखाई देता था। नक्सलवाद को सामाजिक समता पाने का वर्ग संघर्ष ठहराने के दृष्टिकोण से प्रशिक्षित किए गए आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की नीतियाँ भी नक्सलवाद के विरुद्ध कठोर होने के बजाय सहानुभूतिपूर्ण हो गई थीं। इस ढुलमुल नीति का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद देश के 12 राज्यों के लगभग 180 जिलों में फैल गया और छत्तीसगढ़ के गठन के बाद से ही प्रदेश के समग्र विकास की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बन गया।

राष्ट्रीय चेतना का उदय

छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहते हुए मुझे बस्तर क्षेत्र में काम करने का अवसर मिला, जहां नक्सलवाद रूपी दैत्य से मेरा प्रथम साक्षात्कार हुआ और यह आभास भी हुआ कि दंडकारण्य में इस दैत्य का दमन केवल हथियारों से नहीं किया जा सकता। नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष की भूमि तैयार करने के लिए इस क्षेत्र में वैचारिक जनजागरण की नितांत आवश्यकता थी और इसलिए जनजातीय समाज के बीच राष्ट्रीयता का अलख जगाने के प्रकल्प में मैंने भी अपनी भागीदारी निभाई। 1990 के दशक में स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा जी के नेतृत्व में रायपुर के पुराने कमिश्नर कार्यालय के बीटीआई कम्युनिटी परिसर में आयोजित बैठक में पहली बार यह निर्णय लिया गया कि नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष को राष्ट्रीयता के व्यापक संदर्भ में लड़ा जाएगा। यही वह निर्णायक मोड़ था, जब नक्सलवाद की समस्या को केवल कानून-व्यवस्था के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के परिप्रेक्ष्य में देखा गया।

जब हुई छत्तीसगढ़ विधानसभा की गोपनीय बैठक

वर्ष 2003 से 2006 के बीच जब मुझे मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह की सरकार में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री के रूप में कार्य करने का उत्तरदायित्व मिला, तब प्रदेश में पहली बार नक्सलवाद के विरुद्ध एक ठोस, नीतिगत और समन्वित अभियान प्रारंभ किया गया। ज्वाइंट एफर्ट, ज्वाइंट कमांड और ज्वाइंट पॉलिसी के सिद्धांत पर केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करने के प्रयास किए गए। तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटिल के साथ इस विषय पर मेरी कई गंभीर और विस्तृत मंत्रणाएँ हुई थीं। उस दौर में इस विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए देश के इतिहास में पहली बार विधानसभा में गोपनीय बैठकों का आयोजन किया गया, ताकि लोग बिना किसी भय के खुलकर अपनी बात रख सकें। तत्कालीन स्पीकर प्रेम प्रकाश पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित की जाने वाली इन बैठकों से अधिकारियों और पत्रकार को भी दूर रखना जरूरी हो गया था। इन मंत्रणाओं के परिणामस्वरूप बनी रणनीति के तहत तात्कालीन डीजीपी ओपी राठौड़ के नेतृत्व में कई अभियान चलाए गए और इसी क्रम में सलवा जुडूम जैसे जनअभियान की शुरूआत हुई।

सलवा जुडूम : जनभागीदारी

हमारे समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि अशिक्षा, अज्ञानता और दुष्प्रचार के कारण स्थानीय समाज का बड़ा हिस्सा नक्सलवाद के प्रति सहानुभूति रखता था। इस स्थिति को बदलने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। स्कूलों, महाविद्यालयों और छात्रावासों में पर्चे और साहित्य वितरित किए गए। घर-घर जाकर नक्सलवाद की वास्तविकता को उजागर किया गया। इस अभियान में दिल्ली विश्वविद्यालय और जेएनयू जैसे संस्थानों से जुड़े राष्ट्रवादी विचारकों और छात्रों का भी सहयोग लिया गया। जनजातीय समाज को यह समझाया गया कि नक्सल नेतृत्व में स्थानीय छत्तीसगढ़ी आदिवासियों की भागीदारी शून्य है। जल, जंगल, जमीन के नारों की आड़ में हमारे भोले-भाले आदिवासियों का उपयोग केवल एक साधन के रूप में किया जा रहा था। यह भी सामने आया कि नक्सलियों के द्वारा आदिवासी युवतियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता था, उन्हें शोषण का शिकार बनाया जाता था, उन्हें विवाह तक नहीं करने दिया जाता और सामान्य सामाजिक जीवन जीने तक से वंचित रखा जाता था। इन कड़वी सच्चाइयों के उजागर होने से आई जनजागृति का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद को मिलने वाला सामाजिक समर्थन कमजोर पड़ने लगा।

(लेखक, छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री एवं वर्तमान में रायपुर लोकसभा सीट से सांसद हैं।)

देश में गिरता शिक्षा का स्तर

डॉ राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

> **यह हमारे शैक्षणिक संस्थानों के लिए किसी तमाचे से कम नहीं होना चाहिए। राजनीतिक विज्ञान के स्कूल लेक्चरर के लिए परीक्षा देने वाले युवाओं ने निश्चित रूप से राजनीति विज्ञान की उच्च पढ़ाई की होगी। उनका न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं करना चिंताजनक है।**

अभी मेडिकल पीजी में शून्य (0) पर्सेंटाइल पर प्रवेश का मुद्दा पुराना भी नहीं हुआ है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा स्कूल लेक्चरर के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम ने देश की शिक्षा के हालातों के पोल खोलकर ही रख दी है। शिक्षा के मंदिर में बच्चों को पढ़ाने के लिए लेक्चरर के पद पर नियुक्ति के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में राजनीति विज्ञान के लेक्चरर के पद के लिए हजारों युवाओं ने परीक्षा दी और 225 पद होने के बावजूद केवल छह परीक्षार्थी चयन के योग्य पाये गये। मजे की बात है कि परीक्षा देने वाले हजारों युवाओं में मात्र 219 युवा भी न्यूनतम प्राप्तांक 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं कर पाए। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि फिजिकल एजुकेशन के 37 पदों के लिए एक भी नहीं और होम साइंस जैसे विषय के लेक्चरर के पद के लिए केवल एक परीक्षार्थी ही सफल हो सका। अब एक ओर देश में प्रतिपक्ष बेरोजगारी की समस्या को गंभीरता से उठा रहा है तो तो दूसरी और भर्ती वाले पदों के लिए न्यूनतम अहर्ता अंक प्राप्त करने में भी आज के युवा सफल नहीं हो पा रहे हैं।

यह कोई राजस्थान की ही बात नहीं है अपितु यह समूचे देश की शिक्षा के स्तर की बानगी है। क्योंकि निश्चित रुप से राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अन्य प्रदेशों के युवा भी परीक्षार्थी रहे होंगे। बेरोजगारी की समस्या अपनी जगह पर है पर दूसरी ओर स्नातक, स्नातकोत्तर और तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं के ज्ञान के स्तर को इससे आंका जा सकता है। यही कारण है कि आज मल्टी टास्क सर्विस जिसे परंपरागत शब्दों में कहा जाए तो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद या शहरी निकायों में सफाई कर्मचारी के कुछ पदों के लिए ही हजारों लाखों युवा आवेदन करने लगे हैं और तस्वीर का एक पहलू यह है कि इन युवाओं में उच्च और तकनीकी शिक्षा यहां तक की इंजीनियर, डॉक्टर, एमबीए तक आवेदन कर रहे हैं।

यह हमारे शैक्षणिक संस्थानों के लिए किसी तमाचे से कम नहीं होना चाहिए। राजनीतिक विज्ञान के स्कूल लेक्चरर के लिए परीक्षा देने वाले युवाओं ने निश्चित रूप से राजनीति विज्ञान की उच्च पढ़ाई की होगी। उनका न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं करना चिंताजनक है। वैसे देखा जाए तो 40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चयनित होने वाले स्कूल लेक्चरर से आप बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की अपेक्षा करेंगे तो बेमानी होगी। हालात वास्तव में गंभीर है और यही कारण है कि नौकरी के लिए आयोजित परीक्षाओं में नकल, गलत प्रयोग और पेपर आउट व डमी कैंडिडेट द्वारा परीक्षाएं देने के लिए माफिया की बन पड़ी है।

मेडिकल पीजी में जीरो पर्सेंटाइल पर प्रवेश के निर्णय पर यह अवश्य संतोष की बात है कि फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार के इस निर्णय की खिलाफत करने की हिम्मत दिखाई है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश में शिक्षण संस्थाओं का जाल बिछा कर सबके लिए शिक्षा की सुविधा उपलब्ध हो सकी। अब तो डीम्ड यूनिवर्सिटी सहित यूनिवर्सिटी नित नई खुलती जा रही है। इसे अच्छा भी माना जा सकता है पर सौ टके का सवाल यह है कि क्या शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने के माध्यम ही बन कर रह गए हैं। राजनीति विज्ञान तो उदाहरण मात्र है, सवाल यह है कि परीक्षा देने वाले हजारों प्रतियोगियों ने किसी एक संस्थान से तो डिग्री प्राप्त की नहीं होगी। यह सोचने का वक्त है कि आखिर हम जा कहां रहे हैं।

शिक्षण संस्थानों की स्तरीयता पर ही सवाल खड़े हो जाते हैं। इसके अलावा जिस तरह से कोचिंग संस्थानों और पुस्तकालयों की बाढ़ आई हुई है उसके परिणाम भी इन परिणामों में कहीं दूर-दूर तक लक्षित नहीं हो रहे। सरकार और तकनीकी शिक्षण संस्थानों को कम से कम अपने स्तर का तो ध्यान रखना ही होगा। शिक्षा की गुणवत्ता और तकनीकी अध्ययन की वैश्विक पहचान बनाना सरकार और अध्ययन केन्द्रों की पहली और अंतिम प्राथमिकता होनी चाहिए, पर यहां तो स्थानीय स्तर पर ही खरे नहीं उतर पा रहे हैं। कल्पना कीजिए कि जीरो पर्सेंटाइल वालों को विशेषज्ञ बनाकर इलाज का लाइसेंस देंगे तो इसे आम नागरिकों की जिंदगी से खिलवाड़ और शिक्षा पद्धति के साथ मजाक बनाना ही है। सरकार और आयोग को समय रहते शिक्षा के स्तर को बनाए रखने की पहल करनी होगी। इसी से देश की शिक्षा की गुणवत्ता देश दुनिया में बनी रह सकेगी। सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओं को खासतौर से आगे आना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

घुमंतू समाज की पहचान का आधार बनेगी जनगणना

डॉ सत्यवान सौरभ

> **वैश्विक स्तर पर भी ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं, जहां घुमंतू और हाशिये पर मौजूद समुदायों के लिए विशेष नीतियां बनाकर उन्हें मुख्यधारा में शामिल किया गया है। यूरोप में रोमा समुदाय के लिए चलाए गए कार्यक्रम इस दिशा में एक सकारात्मक उदाहरण हैं। भारत भी इससे सीख लेकर अपने संदर्भ में प्रभावी नीतियां विकसित कर सकता है।**

देश में कुछ समुदाय ऐसे भी हैं, जिन्हें आज तक ठीक से गिना ही नहीं गया–न आंकड़ों में, ना नीतियों में, और ना ही संवेदनाओं में। ये वे लोग हैं, जिन्हें कभी अंग्रेजों ने "जन्मजात अपराधी" घोषित कर दिया था और आजादी के 78 साल बाद भी जिनकी पहचान उसी कलंक के बोझ तले दबी हुई है। यह विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजातियां हैं। यह आज भी भारत के विकास के नक्शे में अदृश्य बनी हुई हैं। ऐसे में 2027 की जनगणना केवल एक सांख्यिकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि ऐतिहासिक न्याय का एक सुनहरा अवसर है। ब्रिटिश शासन के दौरान 1871 का आपराधिक जनजाति अधिनियम इन समुदायों के जीवन पर एक अमिट दाग बनकर चिपक गया। इस कानून ने उन्हें जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया, जिससे उनके जीवन का हर पहलू संदेह और निगरानी के घेरे में आ गया। यह केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं था, बल्कि सामाजिक बहिष्कार की एक संगठित व्यवस्था थी। स्वतंत्रता के बाद 1952 में इस अधिनियम को समाप्त कर इन समुदायों को विमुक्त तो कर दिया गया, लेकिन समाज की मानसिकता आज भी उस औपनिवेशिक सोच से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाई। परिणामस्वरूप, ये समुदाय आज भी पुलिस के संदेह, सामाजिक तिरस्कार और सरकारी उपेक्षा का शिकार बने हुए हैं।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन लोगों को आजादी के बाद मुख्यधारा में शामिल किया जाना चाहिए था, वे आज भी पहचान के संकट से जूझ रहे हैं। स्थायी निवास का अभाव, लगातार प्रवास और दस्तावेजों की कमी इनके जीवन की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी जैसे सामान्य दस्तावेज, जो किसी भी नागरिक के अधिकारों का आधार होते हैं, इन समुदायों के लिए एक सपना बनकर रह जाते हैं। जब पहचान ही नहीं होगी, तो अधिकार कैसे मिलेंगे? यही कारण है कि ये समुदाय सरकारी योजनाओं, आरक्षण और कल्याणकारी कार्यक्रमों से लगातार बाहर रह जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में स्थिति और भी चिंताजनक है। घुमंतू जीवनशैली के कारण बच्चों की पढ़ाई लगातार बाधित होती है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहने के कारण स्कूलों में नामांकन और निरंतरता दोनों ही मुश्किल हो जाते हैं। परिणामस्वरूप, इन समुदायों में ड्रॉपआउट दर अत्यधिक है और साक्षरता का स्तर बेहद निम्न। शिक्षा से वंचित रहना केवल एक व्यक्तिगत नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के भविष्य को अंधकार में धकेल देना है। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। स्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच न होने के कारण ये लोग कुपोषण, संक्रमण और अन्य बीमारियों से जूझते रहते हैं। सरकारी अस्पतालों तक पहुंच की कमी और जागरूकता का अभाव उनकी समस्याओं को और गंभीर बना देता है।

इन सबके बीच सबसे ज्यादा कठिनाई महिलाओं को झेलनी पड़ती है। एक ओर वे सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन से जूझती हैं, तो दूसरी ओर लैंगिक भेदभाव और असुरक्षा की मार भी सहती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहने के कारण उनकी स्थिति और भी कमजोर हो जाती है। कई मामलों में वे राजनीतिक प्रतिनिधित्व से भी दूर रहती हैं, जिससे उनकी आवाज नीति-निर्माण तक पहुंच ही नहीं पाती। नीतिगत स्तर पर भी इन समुदायों के साथ लंबे समय तक न्याय नहीं हो पाया है। 2019 में विकास एवं कल्याण बोर्ड का गठन और सीड जैसी योजनाएं शुरू करना सकारात्मक कदम जरूर हैं, लेकिन उनका प्रभाव सीमित रहा है। बजट की कमी, कमजोर कार्यान्वयन और निगरानी तंत्र की अनुपस्थिति इन योजनाओं को प्रभावी बनने से रोकती है। सबसे महत्वपूर्ण समस्या यह है कि इन समुदायों के बारे में सटीक और विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। जब तक किसी समूह की वास्तविक संख्या, स्थिति और आवश्यकताओं का स्पष्ट आकलन नहीं होगा, तब तक उसके लिए प्रभावी नीतियां बनाना संभव नहीं है।

यही वह बिंदु है, जहां 2027 की जनगणना एक निर्णायक भूमिका निभा सकती है। अगर इस जनगणना में विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजातियों के लिए अलग कॉलम और कोड शामिल किया जाता है, तो यह उनके अस्तित्व को औपचारिक मान्यता देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह पहचान, सम्मान और अधिकारों की बहाली का प्रश्न है। हालांकि, इस दिशा में कई चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। जाति जनगणना को लेकर पहले से ही राजनीतिक बहस जारी है और ऐसे में एक नई श्रेणी जोड़ना विवाद को और बढ़ा सकता है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि यह मुद्दा केवल राजनीति का नहीं, बल्कि मानवाधिकार और सामाजिक न्याय का है। अगर सरकार और समाज इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास करें, तो इन चुनौतियों को पार किया जा सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर एक समन्वित रणनीति तैयार करें। स्थानीय स्तर पर सर्वेक्षण और डेटा संग्रह की व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि घुमंतू समुदायों को सही तरीके से गिना जा सके। आधुनिक तकनीक–जैसे डिजिटल जनगणना और जीपीएस ट्रैकिंग–का उपयोग कर उनकी गतिशील जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए डेटा एकत्र किया जा सकता है। साथ ही, गैर-सरकारी संगठनों और सामुदायिक समूहों को इस प्रक्रिया में शामिल करना भी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि वे इन समुदायों के साथ सीधे जुड़े होते हैं और उनकी वास्तविक स्थिति को बेहतर समझते हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में विशेष योजनाएं बनाकर इन समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ना होगा। मोबाइल स्कूल, अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र और कौशल विकास कार्यक्रम जैसे उपाय उनके जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकते हैं। इसके अलावा, पुलिस और प्रशासनिक तंत्र में संवेदनशीलता लाना भी जरूरी है, ताकि इन समुदायों के प्रति मौजूद पूर्वाग्रहों को समाप्त किया जा सके। वैश्विक स्तर पर भी ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं, जहां घुमंतू और हाशिये पर मौजूद समुदायों के लिए विशेष नीतियां बनाकर उन्हें मुख्यधारा में शामिल किया गया है। यूरोप में रोमा समुदाय के लिए चलाए गए कार्यक्रम इस दिशा में एक सकारात्मक उदाहरण हैं। भारत भी इनसे सीख लेकर अपने संदर्भ में प्रभावी नीतियां विकसित कर सकता है।

अंततः, यह सवाल केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि उस न्याय का है, जो इन समुदायों से दशकों से छीन लिया गया है। 2027 की जनगणना इस अन्याय को समाप्त करने का एक ऐतिहासिक अवसर है। अगर इस अवसर को भी गंवा दिया गया, तो यह केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं होगी, बल्कि यह हमारे संविधान के उस वादे का भी उल्लंघन होगा, जो समानता और न्याय की बात करता है। अब समय आ गया है कि हम इन अदृश्य नागरिकों को दृश्य बनाएं, उन्हें गिनें, पहचान दें और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करें, क्योंकि जब तक समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक विकास का कोई भी दावा अधूरा ही रहेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गम्हरीया गांव में 713 वीं वीर चौहरमल जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

वीर चौहरमल जयंती सामाजिक समता त्याग और वीरता के प्रतिक समर्पित है: विधायक जनार्दन पासवान

नवप्रदेश/हुसैनाबाद पलामू। शनिवार को हुसैनाबाद नगर पंचायत के अंतर्गत गांव गम्हरीया स्थापित वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल 713 वी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस अवसर हर साल की भांति इस वर्ष भी सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चतरा विधानसभा क्षेत्र लोकजनशक्ति पार्टी रामविलास विधायक जानर्धन पासवान संस्थापक अखिलेश पासवान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया शुभारंभ मौके पर मुख्य अतिथि जनार्दन पासवान ने कहा कि वीर शिरोमणि जयंती हर साल 4 अप्रैल चैत पूर्णिमा को बिहार झारखंड सहित अन्य राज्यों मनाया जाता है मुख्य अतिथि ने कहा कि बाबा चौहरमल पासवान जाति के एक महान पुरुष हुए उन्हें पासवान जाति का कुल देवता भी माना जाता

है जो कि वीर चौहरमल बाबा पासवान समाज के एक महान लोकनायक थे! समाज के प्रति वीर योद्धा के साथ पासवान जाति के उन्हें कुल देवता के बराबर मानते हैं यह दलित जाति के महान पुरुष में से एक थे! वीर चौहरमल ने सामाजिक न्याय वीरता के प्रति रूप में मनाई जाती है उनके संघर्ष त्याग और समर्पित है उन्होंने कहा कि रेशमा चौहरमल की कहानी एक उच्च जाति के जमींदार की पुत्री रेशमा और एक अछूत योद्धा चौहरमल की दशकों से एक कहानी दक्षिण बिहार क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ हैं उन्होंने कहा कि वीर बाबा चौहरमल के सिद्धांतों पर चलने की जरूरत है! यह कार्यक्रम में मुख्य गायक भोजपुरी सम्राट राजु पासवान नवादा बिहार ने बाबा वीर चौहरमल जीवनी परिचय करते हुए श्रोताओं को समा में बांधने का काम किया मौके पर संस्थापक अखिलेश पासवान वीर चौहरमल कल्याण समिति के अध्यक्ष विकास कुमार पासवान नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय कुमार भारती पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष शशी कुमार रामेश्वर राम उर्फ छठन पासवान ऊषा देवी पंचायत समिति सदस्य रीता देवी समाजसेवी मुन्ना कुमार देव संरक्षक विनय कुमार पासवान राजा पासवान डॉ राकेश पासवान चक्रवर्ती पासवान ललन पासवान रीता देवी शांति देवी अध्यक्ष विकास कुमार पासवान हुसैनाबाद हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र प्रत्याशी नरेश कुमार पासवान भाजपा नेता अजय प्रसाद गुप्ता चंदन कुमार सिंह भाजपा वक्ता योगेन्द्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह सोनू कुमार पासवान शक्ति पासवान भोला पासवान सहित अजय प्रसाद गुप्ता रामजवित पासवान रंजित कुमार पासवान चौकिदार अमित कुमार पासवान प्रन्वसुमन हुसैनाबाद थाना एस आई सुरेश कुमार पासवान मुन्ना यादव अन्य लोग मौजूद थे

नगर पंचायत हरिहरगंज की पहली बैठक संपन्न

37 करोड़ की कार्ययोजना पर लगी मुहर, सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित

नवप्रदेश/हरिहरगंज। नगर पंचायत हरिहरगंज की पहली बैठक शनिवार को नगर अध्यक्ष कुमारी शीला चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी फैजुर रहमान अंसारी, सिटी मैनेजर नजीबुल्लाह अंसारी, नगर उपाध्यक्ष सुशील कुमार रवि व सभी वार्ड पार्षदों ने भाग लिया. बैठक में नगर के समग्र विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार और विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गयी. बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के लिए 15वें वित्त आयोग की राशि निर्गत करने हेतु राज्य सरकार से अनुरोध करने का निर्णय लिया गया. साथ ही बढ़ती गर्मी को देखते हुए चापाकलों की मरम्मत, सैरात बंदोबस्ती, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के लिए स्वीकृत दो इकाइयों के क्रियान्वयन, संस्कार भवन के जीर्णोद्धार व कॉन्फ्रेंस हॉल निर्माण पर भी विचार-विमर्श हुआ. नगर क्षेत्र में ऐसे सरकारी भवन जो किसी विभाग के अधीन नहीं हैं, उनके हस्तांतरण के लिए संबंधित विभागों से पत्राचार करने का प्रस्ताव भी रखा गया. बैठक में चालू वित्तीय वर्ष के लिए करीब 37 करोड़ रुपये की कार्ययोजना सर्वसम्मति से पारित की गयी. इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन ने बाजार निबंधन से पहले टेंपो स्टैंड और शहर में सुलभ शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात रखी. वहीं नगर अध्यक्ष कुमारी शीला चौधरी ने होल्डिंग टैक्स में लगे जुमार्ने को माफ करने का प्रस्ताव रखा. बैठक के उपरांत उन्होंने वार्ड संख्या 16 में नाली समस्या को लेकर संबंधित पदाधिकारी को अवगत कराया. बैठक में सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, वार्ड पार्षद आस्मिन परवीन, वृजनंदन साव, अमरजीत कुमार, पिंकी कुमारी, पुष्पा देवी, कृष्ण कुमार, स्वेता देवी, पवन कुमार, अवधेश कुमार मेहता, रामजी पासवान, सूरज देवी, हसीना खातून, रिंकू देवी, त्रिपुरारी राम, अनुराधा कुमारी, जेइ नीरज गुप्ता, कुलदीप कुमार आदि उपस्थित थे

विक्टोरिया मेमोरियल पब्लिक स्कूल का 22वां स्थापना दिवस धूमधाम से संपन्न

नवप्रदेश/हरिहरगंज। हरिहरगंज शहर से सटे महाराजगंज स्थित डीपीएस मेमोरियल एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित विक्टोरिया मेमोरियल पब्लिक स्कूल का 22वां स्थापना दिवस शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि जानू चौधरी, रॉबर्ट गुप्ता, मनान सर एवं विद्यालय के निदेशक अजय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित व फीता काटकर किया. कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत फूलमाला एवं अंगवस्त्र देकर किया गया. इस दौरान भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर निदेशक अजय कुमार सिंह ने विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार देना ही संस्थान का मुख्य उद्देश्य है. उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की बात कही. वहीं उपस्थित वक्ताओं ने भी विद्यालय की प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने और प्रतिभा निखारने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं. कार्यक्रम में करण गुप्ता, प्रदीप कुमार, मनान सर, इंजीनियर वाल्टर सर, कुमुद रंजन सिंह, भोला गुप्ता, आनंद प्रताप सिंह, प्रधानाध्यापिका मुनि गुप्ता, शिक्षक मुकेश कुमार शर्मा, महताब आलम, मनोज कुमार, मुकेश कुमार सहित शिक्षिकाएं मंजुला कुमारी, कंचन कुमारी, आरती कुमारी, अंजली कुमारी, मुस्कान कुमारी, रीना कुमारी के अलावा पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अजय पांडेय, उपाध्यक्ष दिलीप सिंह एवं जिला सचिव रिंकू सिंह सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, छात्र-छात्राएं एवं प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे.

जिला स्थापना दिवस पर ईचागढ़ में 112 झारखंड आंदोलनकारियों को मिला प्रमाण पत्र

नवप्रदेश/ईचागढ़ - प्रखंड सभागार में झारखंड राज्य चिन्हित आंदोलनकारियों का प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया। मुख्य अतिथि के रुप में विधायक सविता महतो उपस्थित हुए। वही कार्यक्रम शुभारम्भ से पूर्व प्रखंड परिसर में स्थित भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति पर सभी अतिथि द्वारा माल्यार्पण कर तथा श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। कार्यक्रम का शुरूवात विधायक सबिता महतो, बीडीओ एकता वर्मा, सीओ दीपक प्रसाद और जिला परिषद सदस्य ज्योतीलाल मांझी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया, तत्पश्चात प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। ईचागढ़ प्रखंड सभागार में आयोग द्वारा चिन्हित कुल 112 आंदोलनकारियों को प्रमाण पत्र दिया गया। वहीं विधायक सविता महतो ने कहा कि झारखंड अलग राज्य हुए इतने दिनों के बाद हेमंत सोरेन की सरकार ने अलग राज्य के लिए आंदोलन कर चुके आंदोलनकारियों को चिन्हित कर प्रमाण पत्र देने का काम किया, जो सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि झामुमो गठबंधन कि सरकार प्रमाण पत्र देकर सम्मान दिया है। इसके पूर्व किसी भी सरकार ने झारखंड आंदोलनकारी के संबंध में कभी कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों का नाम किसी कारण से छुट गया है, वैसे छुटे हुए आंदोलनकारियों का नाम जोड़ने के लिए आयोग के चैयरमेन से बात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन में शहीद हुए शहीद के परिजनों को सम्मान देने का काम सरकार करेगी। वही बीडीओ एकता वर्मा, सीओ दीपक प्रसाद ने सम्बोधन करते हुए कहा कि आज सरायकेला-खरसावां जिला पूरे 25 वर्ष के हो गए। पूर्व में जब जिला घोषित नहीं था तो लोगों को हर कार्य के लिए चाईबासा जाना पड़ता था जो लोगों को काफी समस्या होती थी। दोनों अधिकारियों ने जिला स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन सुभाष दत्ता ने किया। मौके पर झामुमो केन्द्रीय सदस्य काबलू महतो, समाजसेवी भूषण चन्द्र मुर्मू ,झामुमो प्रखंड अध्यक्ष निताई उरांव, अमित सिन्हा, स्वपन कुमार आदित्यदेव,मुखिया किशन किस्कू,समाजसेवी अनिल सिन्हा आदि उपस्थित थे।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना को लेकर सोशल आडिट के लिए बीडीओ सह सीओ ने की बैठक

कार्य में कोताही बरतने वाले प्रज्ञा केंद्रों पर की जायेगी कार्रवाई : जागो महतो

लाभुकों के सामाजिक अंकेक्षण को शत प्रतिशत पूरा करने का लक्ष्य

सदर प्रखंड कार्यालय सभागार में बैठक करते बीडीओ जागो महतो व अन्य

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। केंद्र प्रायोजित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना को लेकर सोशल आडिट के लिए मुखिया, सेविका, पंचायत सचिव, रोजगार सेवकों की बैठक सदर प्रखंड कार्यालय में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सदर बीडीओ सह सीओ जागो महतो ने कहा कि नगर निगम के वार्डों में 28 अप्रैल से दो मई तक , प्रखंड में छह अप्रैल से 25 अप्रैल तक विभिान्न पेंशन योजनाओं के लाभूकों का आडिट किया जायेगा। उन्होंने कहा कि लाभूकों के सामाजिक अंकेक्षण को शत प्रतिशत बनाने के लिए तैयारी पूरी कर ली गयी है। उन्होंने बताया कि बीपीएमयू पंचायत राज के खुशबू सिंह को पर्यवेक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है। उन्होंने निर्देश दिया कि खुशबू सिंह उक्त तिथि को पंचायत भावन में उपस्थित होकर डिजिटल लाईफ सर्टिफिकेट शत प्रतिशत बनाने व प्रज्ञा केंद्र संचालक से बनवाना सुनिश्चित करेंगे। कहा कि सभी प्रज्ञा केंद्र निवार्य रूप से सोशल आडिट के तहत लगने वाले शिविर में निर्धारित तिथि को उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले प्रज्ञा केंद्र संचालक पर कार्रवाई करते हुए प्रज्ञा केंद्र की अनुज्ञप्ति रद्द करने की अनुशंसा उच्चाधिकारी को की जायेगी। जोड़ ग्राम से छह अप्रैल को सोशल आडिट प्रारंभा की जायेगी जो 25 अप्रैल को पोलपोल कला में सोशल आडिट समाप्त होगी। लाभुकों के सभाा की तिथि भी निर्धारित की गयी है।

चांडिल बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं का हुई बैठक

नवप्रदेश/चांडिलः- बार एसोसिएशन द्वारा बार भवन में शनिवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कोई अहम मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें अधिवक्ताओं का कन्यादान योजना पूर्व में 30000 निर्धारित किया गया था, उसको बढ़ाकर 50000 किया गया। जो सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष 2026 से पूर्ण रूप से कन्यादान योजना को लागू किया जाएगा। इस योजना में प्रस्तावक अधिवक्ता कमलेश कुमार सिंह ने दिया जिसमें समर्थन नंदू ठाकुर ने किया। इस योजना का लाभ हेतु अधिवक्ताओं को सचिव सह अध्यक्ष के नाम पर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। बैठक में अध्यक्ष बी पी साहू, सचिव महेन्द्र कुमार महतो,प्रेस प्रवक्ता शिवेश्वर महतो, कमल महतो,गोवर्धन महतो, अशोक झा,भीम महतो, विश्वनाथ कालिंदी आदि अधिवक्ता उपस्थित थे।

सरकारी नियम को ताक में रखकर धड़ल्ले से हो रही अवैध रूप से बालू की ढुलाई, प्रशासन मौन

400 सीएफटी की चालान में, 600 से 800 सीएफटी की जा रही है बालू की परिवहन

नवप्रदेश/चांडिलः सरायकेला खरसावां जिले में बिना किसी रोक टोक के बालू का अवैध खनन एवं परिवहन किया जा रहा है। चांडिल अनुमंडल के ईचागढ़, चांडिल, नीमडीह एवं कुकड़ू प्रखंड के स्वर्णरेखा एवं शांखा नदी से प्रतिदिन रात के अंधेरे में भारी मात्रा में अवैध रूप से बालू खनन एवं परिवहन बालू माफियाओं द्वारा किया जा रहा है।

बीच बीच में धर पकड़ होने के बाद भी अवैध बालू माफियाओं द्वारा बालू का परिवहन किया जा रहा है। ईचागढ़, तिरुलडीह थाना क्षेत्र में दर्जनों बालू का अवैध स्टॉक यार्ड ही बना लिया गया है। जहां से ऊंचे दाम पर हाइवा व ट्रैक्टर से बालू बेचा जा रहा है। इसके लेकर ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के प्रति नराजगी व्याप्त है।

एनएच 32 एवं 33 में रात से सुबह तक दौड़ रहा सैकड़ों बालू लदा हाइवा

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के चांडिल, ईचागढ़ एवं चौका थाना क्षेत्र के एनएच 33 तथा नीमडीह थाना के एनएच 32 पर रात में काफी संख्या में बालू लदा हाइवा दौड़ रहा है। लोगों का तर्क है कि यदि स्टॉक से चालान में वैध रूप से बालू का परिवहन किया जा रहा है तो दिन में बालू लदा हाइवा क्यों नहीं चल रहा है ? रात को ही क्यों चलाया जा रहा है ? सुबह सात बजे के बाद दोनों राष्ट्रीय राजमार्ग में एक भी बालू लदा हाइवा दिखाई नहीं देता है। इससे स्पष्ट है कि चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में भारी मात्रा में बालू का अवैध खनन एवं परिवहन हो रहा है और जिला खनन विभाग एवं स्थानीय प्रशासन बीच बीच एक दो हाइवा को धर पकड़ कर सिर्फ खानापूर्ति कर रहें है।

अवैध रूप से बालू खनन कर नदी को बना दिया नाला

ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि नीमडीह प्रखंड में स्थित शांखा नदी में सिंदूरपुर गांव के पास अवैध बालू खनन का आदेश सरकारी स्तर पर नहीं है। इसके बाद भी तीन साल से अवैध रूप से बालू खनन कर नदी का प्राकृतिक सौंदर्य को तो नष्ट कर दिया गया। बालू का अवैध खनन से नदी को नाला बना दिया गया। लेकिन प्रशासन चुप्पी साधे है।

अवैध खनन से सरकारी राजस्व को रहा नुकसान

ग्रामीणों का कहना है कि अवैध रूप से बालू खनन किया जा रहा है। प्रशासन से मांग है कि इस अवैध खनन को रोकें। अवैध खनन के कारण सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंच रहा है। इधर हाइवा में ओवरलोड के कारण ग्रामीण सड़कें भी जर्जर होने लगा है।

400 सीएफटी की चालान में 600 से 800 सीएफटी बालू की हो रही है ढूलाई

अनुमंडल क्षेत्र में रात दिन बालू परिवहन थमने का नाम नहीं ले रहा है। स्वर्णरेखा नदी से प्रतिदिन 200 से ज्यादा हाइवा और 300 से ज्यादा ट्रैक्टर द्वारा बालू की परिवहन किया जा रहा है। दिन में जो हाइवा द्वारा बालू की परिवहन किया जाता है उसमें 400 सीएफटी की चालान रहती है और उसमें बालू 600 से 800 सीएफटी तक ले जाया जाता है। स्थानीय प्रशासन भूमिका पर सवाल उठने लगा है,सड़क पर चलने वाले राहगीर को काफी कठिनाईओं का सामना करना पड़ता है।

मेदिनीनगर बस स्टैंड रोड गोलीकांड का सफल उद्भेदन

सुपारी किलिंग का खुलासा, 5 अभियुक्त गिरफ्तार, हथियार एवं नगद बरामद

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। दिनांक 02.04.2026 को समय लगभग 22:40 बजे शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत हीरो शोरूम के सामने, बस स्टैंड रोड स्थित नगर पालिका मार्केट में फैज खान (उम्र लगभग 40 वर्ष) एवं उसके सहयोगियों द्वारा मो० समीर उर्फ गुड्डू (उम्र लगभग 40 वर्ष), निवासी कुंड मोहल्ला, थाना शहर, जिला पलामू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में शहर थाना कांड सं०-120/2026, दिनांक 03.04. 2026, धारा-130(1)/3(5) बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस उपाधीक्षक श्री राजीव रंजन के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दिनांक 03.04.2026 को गुप्त सूचना के आधार पर पांकी थाना क्षेत्र के टईया के पास छापामारी की गई।पुलिस टीम को देखकर अभियुक्तों द्वारा पुलिस पर फायरिंग की गई, जिसके जवाब में आत्मरक्षा हेतु पुलिस द्वारा भी कार्रवाई की गई।इस दौरान मुख्य अभियुक्त फैज खान के पैर में गोली लगी, जिसे तत्काल सदर अस्पताल मेदिनीनगर में भर्ती कराया गया। घटनास्थल से दो अन्य अभियुक्त आदर्श कुमार उर्फ धोनी एवं तारिक साह उर्फ मुन्नान साह को खदेड़कर गिरफ्तार किया गया, जबकि एक अभियुक्त फरार होने में सफल रहा। पूछताछ के क्रम में मुख्य अभियुक्त फैज खान ने खुलासा किया कि शहर थाना कांड सं०-120/26 के वादी इसराईल आजाद उर्फ मिंटू डाला का मृतक मो० समीर उर्फ गुड्डू के साथ जमीन विवाद चल रहा था। इसी विवाद के कारण मिंटू डाला एवं उसके सहयोगी शहजाद आलम उर्फ विक्की राइन द्वारा फैज खान को हत्या के लिए ?2 लाख की सुपारी दी गई थी। इस आधार पर पुलिस द्वारा

इसराईल आजाद उर्फ मिंटू डाला एवं शहजाद आलम उर्फ विक्की राइन को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। इस संबंध में पांकी थाना कांड सं०-43/2026, दिनांक 03.04.2026, धारा-118(1)/118(2)/109(1)/121(2)/132/111(2)( )/221/3(5) इटर एवं 25(1-इ)( )/26/27(1)/35/25(6) आर्म्स एक्ट के तहत अलग से मामला दर्ज किया गया है।

जप्त प्रदर्श का विवरण:

1. एक देशी पिस्टल (7.65 एमएम), एक जिन्दा गोली एवं एक खोखा
2. एक देशी 9 एमएम पिस्टल (लोडेड) एवं दो जिन्दा गोली
3. एक ग्लैमर मोटरसाइकिल
4. ?39,400/- नगद (सुपारी राशि का हिस्सा)

गिरफ्तार अभियुक्त (शहर थाना कांड सं०-120/26)

1. इसराईल आजाद उर्फ मिंटू डाला, उम्र 45 वर्ष, निवासी पहाड़ी मोहल्ला
2. शहजाद आलम उर्फ विक्की राइन, उम्र 27 वर्ष, निवासी पहाड़ी मोहल्ला

गिरफ्तार अभियुक्त (पांकी थाना कांड सं०-43/26):

1. फैज खान, उम्र लगभग 40 वर्ष, निवासी मुस्लिमनगर, साई मोहल्ला
2. आदर्श कुमार उर्फ धोनी, उम्र लगभग 20 वर्ष, निवासी तेतराई, थाना पांकी
3. तारिक साह उर्फ मुन्नान, उम्र लगभग 30 वर्ष, निवासी पहाड़ी मोहल्ला

अपराधिक इतिहास (संक्षेप में): फैज खान:

- हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी एवं आर्म्स एक्ट के कई गंभीर मामलों में पूर्व से अभियुक्त रहा है।

इसराईल आजाद उर्फ मिंटू डाला:

- आर्म्स एक्ट से संबंधित पूर्व मामला दर्ज।

शहजाद आलम उर्फ विक्की राइन:

- आर्म्स एक्ट से संबंधित मामला दर्ज।

तारिक साह उर्फ मुन्नान:

- हत्या से संबंधित मामला दर्ज।

छापामारी दल:

1. श्री राजीव रंजन, पुलिस उपाधीक्षक
2. पु०नि० ज्योति लाल रजवार, शहर थाना
3. पु०अ०नि० राजेश रंजन, थाना प्रभारी पांकी
4. पु०अ०नि० रंजित कुमार, शहर थाना
5. स०अ०नि० राजेश कुमार साहू, शहर थाना
6. आरक्षी नंदलाल पटेल
7. आ0/1925 राकेश कुमार सिंह
8. तकनिकी शाखा का आरक्षी / 1966 रामनरायण विश्वकर्मा
9. आ० 2029 रोहित कुमार
10. आ० 692 सुर्यनाथ सिंह

एक नजर

रेडक्रास के रक्तदान शिविर में लोगो ने किया स्वेच्छिक रक्तदान

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। पलामू के भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी ने शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में करीब 30 रक्तदाताओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर का संचालन करते हुए रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि रक्तदान करना एक मानवीय कर्तव्य होने के साथ साथ एक सामाजिक जिम्मेदारी भी है। इसका एक पहलू यह भी है कि रक्तदान करने वाले को कई तरह की शारीरिक समस्याएं आम लोगों से कम होती है। रक्तदान करने वाले लोग ज्यादा ऊर्जावान रहते है। इसलिए सभी स्वस्थ मनुष्य को रक्तदान करना चाहिए। रेडक्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष आलोक पाठक ने कहा कि वर्तमान में रक्तदान को लेकर पहले से अधिक जागरूकता आई है, फिर भी ब्लड बैंक में रक्त की कमी हो जाती है। इस कमी को पूरा करने के लिए रेडक्रॉस सोसाइटी रक्तदान शिविर का आयोजन कर रही है। इस तरह की शिविरों का आयोजन आने वाले दिनों में भी किया जाएगा। शिविर में मारवाड़ी युवा मंच, योध सिंह नामधारी महिला कालेज, मासूम आर्ट ग्रुप आदि संस्थाओं के सदस्यों ने भी रक्तदान किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी के चीफ प्रोजेक्ट डायरेक्टर गिरधारी गर्ग, विभाकर नारायण पांडेय, वरीय अधिवक्ता किशोर पांडेय, भाजपा नेत्री लवली गुप्ता, पूर्व सैनिक बृजेश शुक्ला, डॉ रामाकांत प्रसाद, आलोक वर्मा, रेनू गुप्ता, सैकत चटर्जी, अमर भांजा, राज प्रतीक पाल, शर्मिला सुमी, विश्वजीत गुप्ता, अरुण गुप्ता, पुनीत लाठ, विशाल महलका, जय प्रकाश, ब्लड बैंक के राजेश कुमार, संजीव गुप्ता, आनंद मोहन चंद्रा आदि मौजूद थे। धन्यवाद ज्ञापन रेडक्रॉस सोसाइटी के कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह ने किया।

रामेश्वर पब्लिक स्कूल में रिजल्ट जारी, मेधावियों का सम्मान

नवप्रदेश/हरिहरगंज। हरिहरगंज शहर के टंडवा रोड़ स्थित पीएसबीआइ एजुकेशनल काउंसिल के अंतर्गत संचालित रामेश्वर पब्लिक स्कूल में शनिवार को नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किये गये. इस अवसर पर विद्यालय परिसर में सादे समारोह का आयोजन कर विभिन्न कक्षाओं के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया. समारोह में प्रत्येक कक्षा के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय के निदेशक रघुनाथ मेहता ने मेडल, ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. विद्यालय टॉपर विपुल कुमार (93%) को 3 हजार रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले पप्पू कुमार व संजना कुमारी (92.83%) को 1-1 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली कुलसुम परवीन (92.85%) को 1 हजार रुपये नगद सहित अन्य पुरस्कार प्रदान किये गये. इस मौके पर निदेशक रघुनाथ मेहता ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है. उन्होंने सभी सफल छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं. कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका दीपक कुमार, शिक्षक रंजीत कुमार, रंजन कुमार, प्रवीण कुमार तथा शिक्षिकाएं संगीता कुमारी, प्रिया कुमारी, मुस्कान, सुप्रिया और सोनाली सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

शहादत स्थल लोटा-कीता क्रांतिवीर शहीद रघुनाथ महतो का अमर प्रसंग - गुणधाम मुतरुआर

झाड़खंड की पुण्य भूमि सदियों से वीरों की जननी रही है। इस मिट्टी ने ऐसे सपूतों को जन्म दिया, जिन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने में तनिक भी संकोच नहीं किया। इन्हीं अमर वीरों में एक तेजस्वी, अदम्य और ओजस्वी नाम है - क्रांतिवीर शहीद रघुनाथ महतो। अंग्रेजी दासता के अंधकारमय दौर में, जब अन्याय और शोषण अपनी पराकाष्ठा पर था, तब रघुनाथ महतो ने जनमानस में विद्रोह की ज्वाला प्रचलित की। उन्होंने न केवल संघर्ष का आह्वान किया, बल्कि जनजातीय समाज को संगठित कर अंग्रेजी सत्ता को खुली चुनौती दी। उनका संकल्प स्पष्ट था - जब तक अंग्रेज हमारी धरती और शासन नहीं छोड़ते, तब तक संघर्ष अभिराम जारी रहेगा। फाल्गुनी पूर्णिमा के दिन 1769 से ही उन्होंने विद्रोह की मशाल को प्रज्वलित कर दिया था। दामोदर नदी पार कर शत्रु क्षेत्र में साहसिक अभियान चलाना, रात्रि में रणनीतिक आक्रमण करना - ये सब उनके नेतृत्व और वीरता के प्रमाण थे। उनके साथ हजारों क्रांतिकारी तीर-धनुष, भाला, फरसा, ढाल और तलवार जैसे पारंपरिक अस्त्र-शस्त्रों से सुसज्जित स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। मुंडा, कोल, कोडा सहित अनेक आदिवासी समुदाय उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो गए। इसी संघर्ष की निर्णायक घड़ी आई 5 अप्रैल 1778 को। रांची जिला अंतर्गत सिल्ली प्रखंड के लोटा-कीता गांव के जंगल के समीप गढ़तैंइतर नामक स्थान पर क्रांतिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक चल रही थी। यह केवल एक बैठक नहीं थी, बल्कि अंग्रेजी शासन के विरुद्ध अंतिम प्रहार की योजना तैयार हो रही थी। रामगढ़ पुलिस छावनी पर आक्रमण की रणनीति बनाई जा रही थी, और हर चेहरा दृढ़ संकल्प से ओतप्रोत था। परंतु इतिहास के इस निर्णायक क्षण को अंग्रेजों ने भांप लिया। अचानक चारों ओर से घेराबंदी कर दी गई। बंदूकों की गर्जना के बीच तीर-धनुष और तलवारों से लैस वीरों ने अदम्य साहस का परिचय दिया। रघुनाथ महतो अपने साथियों के साथ सिंह की भांति लड़े, न पीछे हटे, न झुके। हर वार में स्वतंत्रता की ज्वाला थी, हर प्रहार में स्वाभिमान की गूंज। अंततः मातृभूमि की रक्षा करते हुए, उसी पवित्र धरती गढ़तैंइतर, लोटा-कीता पर उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके साथ अनेक वीर क्रांतिकारी भी शहीद हो गए। वह क्षण केवल एक शहादत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता के इतिहास में अमर दीप बन गया। आज भी उस स्थल पर गड़े पत्थर उन अमर बलिदानों के मौन साक्षी हैं। एक बड़ा पत्थर रघुनाथ महतो की स्मृति में और अन्य अनेकों पत्थर उनके वीर साथियों की याद में स्थापित हैं। ये पत्थर केवल स्मारक नहीं, बल्कि उस अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम के प्रतीक हैं, जिसने आने वाली पीढ़ियों को संघर्ष का मार्ग दिखाया। लोटा-कीता की यह धरती आज भी पुकारती हैं - यहां हर कण में वीरता की गाथा है, हर पत्थर में बलिदान की कहानी। निष्कर्ष यह है कि क्रांतिवीर शहीद रघुनाथ महतो का बलिदान केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है, जो अन्याय के विरुद्ध उठ खड़े होने की, अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की, और राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च समर्पण की। उनकी शहादत सदैव अमर रहेगी, और लोटा-कीता की यह पावन भूमि युगों-युगों तक वीरता का संदेश देती रहेगी।

प्रस्तुति :गुणधाम मुतरुआर
भूगोल-शिक्षक

अनुग्रह नारायण +2 उच्च विद्यालय, पिलीद, ईचागढ़, सरायकेला-खरसावां, झाड़खंड

चांडिल बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं का हुई बैठक

नवप्रदेश/चांडिलः- बार एसोसिएशन द्वारा बार भवन में शनिवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कोई अहम मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें अधिवक्ताओं का कन्यादान योजना पूर्व में 30000 निर्धारित किया गया था, उसको बढ़ाकर 50000 किया गया। जो सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष 2026 से पूर्ण रूप से कन्यादान योजना को लागू किया जाएगा। इस योजना में प्रस्तावक अधिवक्ता कमलेश कुमार सिंह ने दिया जिसमें समर्थन नंदू ठाकुर ने किया। इस योजना का लाभ हेतु अधिवक्ताओं को सचिव सह अध्यक्ष के नाम पर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। बैठक में अध्यक्ष बी पी साहू, सचिव महेन्द्र कुमार महतो,प्रेस प्रवक्ता शिवेश्वर महतो, कमल महतो,गोवर्धन महतो, अशोक झा,भीम महतो, विश्वनाथ कालिंदी आदि अधिवक्ता उपस्थित थे।

नशे में बाप बना हैवानः लातेहार में पिता ने चाकू मारकर बेटे की ली जान, बीच बचाव में ग्रामीण घायल

उचुवाबर गांव की घटना से सनसनी, आरोपी पिता गिरफ्तार; शराब के नशे में हुआ था विवाद

लातेहार जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत उचुवाबर गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपने ही इकलौते पुत्र की चाकू मारकर हत्या कर दी। इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। वहीं, बीच बचाव करने पहुंचे एक ग्रामीण भी इस हिंसक झड़प में घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, उचुवाबर गांव निवासी बिनेश्वर परहिया और उसके पुत्र सीताराम परहिया के बीच लंबे समय से आपसी विवाद चल रहा था। बीती रात दोनों के बीच यह विवाद उस समय हिंसक रूप ले लिया, जब दोनों शराब के नशे में थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कहासुनी के दौरान पुत्र सीताराम ने अपने पिता को जमीन पर पटक दिया, जिससे गुस्से में आकर बिनेश्वर परहिया ने पास में रखे धारदार चाकू से अपने बेटे पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में सीताराम परहिया गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस दौरान वहां मौजूद ग्रामीण सुदेश परहिया ने दोनों के बीच झगड़ा शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन वह भी हमले की चपेट में आ गया और उसके हाथ में चोट लग गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही ग्रामीणों की मदद से आरोपी पिता को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

घायल ग्रामीण सुदेश परहिया ने बताया कि वह सिर्फ झगड़ा शांत कराने गया था, लेकिन स्थिति अचानक बिगड़ गई और वह भी घायल हो गया। उसने बताया कि घटना बेहद अचानक और भयावह थी। ग्रामीणों के अनुसार, पिता और पुत्र के बीच पहले भी कई बार विवाद हो चुका था, लेकिन इस बार मामला इतना बढ़ गया कि उसने एक खौफनाक रूप ले लिया। गांव में इस घटना के बाद भय और शोक का माहौल है।

इस संबंध में डीएसपी भरत राम ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि दोनों पिता-पुत्र नशे में थे और आपसी विवाद के दौरान घटना हुई। आरोपी पिता ने बांस काटने वाले चाकू से अपने पुत्र पर वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

बालूमाथ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

बालूमाथ संवाददाता/प्रखंड मुख्यालय स्थित दुर्गा मंडप में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों पर आधारित प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यकताओं को संगठन की मजबूती, विचारधारा और जनसंपर्क के गुर सिखाए गए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी सह प्रशिक्षण प्रभारी बृजमोहन राम उपस्थित रहे।उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला और उसे जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर पश्चिमी भाजपा मंडल अध्यक्ष हिमांशु मोहन, रघुनंदन सोनी, सांसद प्रतिनिधि रामकुमार, अर्जुन सिंह, अमित गुप्ता, बासुदेव उरांव, नरेंद्र रजक, बिनोद भोगता, पिंटू कुमार एवं रंजीत कुमार सिंह सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोतिया बांध व नाला के जीर्णोद्धार की मांग, 1500 एकड़ भूमि होगी सिंचाई योग्यः लक्ष्मण कुशवाहा

बालूमाथ संवाददाता/प्रखंड अंतर्गत गणेशपुर ग्राम स्थित सोतिया बांध एवं सोतिया नाला के जीर्णोद्धार की मांग जोर पकड़ने लगी है। जिला सांसद प्रतिनिधि सह पूर्व मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि बांध और नाला का जीर्णोद्धार होने से क्षेत्र की लगभग 1500 एकड़ बंजर भूमि सिंचाई योग्य बन जाएगी। उन्होंने कहा कि सोतिया नाला के विकसित होने से स्थानीय किसान आत्मनिर्भर बनेंगे और कृषि कार्य को बढ़ावा मिलेगा, जिससे क्षेत्र में बेरोजगारी में भी कमी आएगी।उन्होंने उपायुक्त लातेहार एवं माइनर इरिगेशन विभाग के कार्यपालक अभियंता से अविलंब जीर्णोद्धार कार्य शुरू कराने की मांग की। मौके पर विधायक प्रतिनिधि राजेश उरांव, दशरथ उरांव, रघु कसाव, धर्मदेव उरांव, बलदेव उरांव समेत चमरेंगा ग्राम के कई ग्रामीण उपस्थित थे।

जिला स्थापना दिवस पर बालूमाथ में रन फॉर वे कार्यक्रम आयोजित

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता लातेहार जिला स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय में रन फॉर वे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, छात्र-छात्राओं, प्रशासनिक पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।दौड़ की शुरूआत बालूमाथ प्रखंड कार्यालय परिसर से हुई, जो राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय के खेल मैदान तक पहुंची। कार्यक्रम में ग्रामीणों की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिससे पूरे क्षेत्र में ऊर्जा और जागरूकता का माहौल बना। इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव, जेएसएलपीएस एवं बाल विकास परियोजना से जुड़े कर्मी, शिक्षक निर्मल कुमार सिन्हा, जय श्याम कुमार, मो. अख्तर, वीरेंद्र कुमार, पुलिस कर्मी परमेश्वर राम सहित कई लोग उपस्थित रहे।

संघर्ष और जनसमर्थन से बना लातेहार जिला, व्यवस्था परिवर्तन की जरूरतः केएन त्रिपाठी

नवप्रदेश/लातेहार: लातेहार जिला स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शनिवार को शहर के होटल कार्निवाल में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लातेहार जिला निर्माण संघर्ष समिति के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें जिले के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री केएन त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके बाद मंच संचालन प्रमोद कुमार पांडेय ने किया। कार्यक्रम के दौरान जिला निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाले लोगों को सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम में समिति के संरक्षक रामनाथ चंद्रवंशी और इश्वरी मेहता ने जिला निर्माण आंदोलन से जुड़े दिवंगत नेताओं को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इन नेताओं के त्याग और संघर्ष को कभी भुलाया नहीं जा सकता। अपने संबोधन में केएन त्रिपाठी ने कहा कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संघर्ष बेहद जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि जब इस संघर्ष को समाज और समुदाय का साथ मिल जाता है, तो सफलता निश्चित हो जाती है। उन्होंने लातेहार जिला निर्माण के आंदोलन को इसका जीवंत उदाहरण बताते हुए कहा कि आम जनता के सहयोग और संघर्ष समिति के प्रयासों के कारण ही लातेहार एक अलग जिले के रूप में अस्तित्व में आया। कार्यक्रम के दौरान त्रिपाठी ने राज्य की मौजूदा प्रशासनिक व्यवस्था पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज झारखंड के अधिकांश जिलों और अंचलों में प्रशासनिक पदाधिकारी जनता की सेवा के बजाय उनके दोहन में लगे हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य में व्यवस्था परिवर्तन की सख्त जरूरत है, ताकि आम लोगों को न्याय और अधिकार मिल सके। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि वर्तमान समय में पूरे प्रदेश में अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि शासन और प्रशासन की कार्यप्रणाली में सुधार लाना जरूरी है, अन्यथा आम जनता का विश्वास लगातार कमजोर होता जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला संयोजक मुरली प्रसाद ने कहा कि लातेहार का जिला बनना यहां के लोगों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। वरीय अधिवक्ता सुनील कुमार ने अपने संबोधन में जिला निर्माण संघर्ष समिति के स्वर्गीय यमुना प्रसाद को याद किया और कहा कि उनकेसे योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला निर्माण में उनका अहम योगदान रहा है। कार्यक्रम को त्रिभुवन पांडेय, गोपाल प्रसाद और सुभाष प्रसाद ने भी संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि लातेहार जिला निर्माण संघर्ष समिति का योगदान ऐतिहासिक रहा है और इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित थे।

भाषा नीति पर केएन त्रिपाठी का बड़ा हमलाः अन्यायपूर्ण फैसलों से बढ़ रहा असंतोष, सरकार सुधरे वरना आंदोलन तय

मगही, भोजपुरी और अंगिका को नजरअंदाज करने पर उठाए सवाल, क्षेत्रीय भाषाओं को मान्यता देने की मांग तेज

बब्लू खान/लातेहारः झारखंड सरकार की भाषा नीति को लेकर पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार कई ऐसे निर्णय ले रही है जो न केवल अन्यायपूर्ण हैं बल्कि समाज में विभाजन की स्थिति भी पैदा कर रहे हैं। इन फैसलों के कारण विभिन्न वर्गों के बीच असंतोष तेजी से बढ़ रहा है। चार अप्रैल को शहर के होटल कार्निवाल में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए त्रिपाठी ने यह बातें कही। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकार को उनकी पार्टी का समर्थन जरूर प्राप्त है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि गलत नीतियों पर सवाल नहीं उठाए जाएंगे।

त्रिपाठी ने राज्य सरकार की भाषा नीति को लेकर गंभीर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जनजातीय भाषाओं में कुड़ुख को शामिल किया जाना स्वागत योग्य कदम है, लेकिन अन्य कई जनजातीय समुदाय ऐसे हैं जो कुड़ुख भाषा नहीं बोलते। ऐसे में सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उन समुदायों के लिए क्या व्यवस्था की गई है।उन्होंने पलामू प्रमंडल और संथाल परगना का जिक्र करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों

में मगही, भोजपुरी और अंगिका भाषा बोलने वालों की बड़ी आबादी है। इसके बावजूद इन भाषाओं को सूची से बाहर रखना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कई जिलों में नागपुरी बोलने वालों की संख्या अपेक्षाकृत कम है, तब उसे सूची में शामिल करना और अन्य प्रमुख भाषाओं को बाहर रखना किस आधार पर किया गया है।

पूर्व मंत्री ने मांग की कि जिला स्तर पर जो भाषाएं व्यापक रूप से बोली जाती हैं, उन्हें क्षेत्रीय भाषा के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि लोगों की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ी होती है। इसलिए इस मुद्दे को सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए।त्रिपाठी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने इस मुद्दे पर जल्द ही सकारात्मक कदम नहीं उठाए, तो उसे बड़े जनआंदोलन का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि जनता अब अपने अधिकारों को लेकर जागरूक हो चुकी है और अन्याय को बर्दाश्त नहीं करेगी।

उन्होंने जोर देकर कहा कि भाषा का संबंध सीधे लोगों की सांस्कृतिक अस्मिता से होता है। किसी भाषा की अनदेखी करना उस भाषा बोलने वाले समुदाय की पहचान को कमजोर करना है। इसलिए सरकार को संतुलित और न्यायपूर्ण नीति अपनानी चाहिए।

त्रिपाठी ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी का सरकार को समर्थन है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सरकार के हर फैसले को सही माना जाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनहित के मुद्दों पर सवाल उठाना जरूरी है।उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों और अंचलों में लोगों के बीच असंतोष बढ़ रहा है। प्रशासनिक स्तर पर भी जनता को अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। ऐसे में सरकार को अपनी कार्यशैली में सुधार करना चाहिए।

केएन त्रिपाठी का यह बयान झारखंड की राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे सकता है। भाषा नीति जैसे संवेदनशील मुद्दे पर उठाए गए सवाल न केवल सरकार के लिए चुनौती हैं, बल्कि यह संकेत भी देते हैं कि आने वाले समय में इस मुद्दे पर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बड़ा आंदोलन खड़ा हो सकता है।

गारू, सरयू और बारेसांढ़ में रन फॉर लातेहार का आयोजन

नवप्रदेश/गारू। लातेहार जिला के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर गारू, सरयू और बारेसांढ़ में रन फॉर लातेहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गारू प्रखंड के विभिन्न विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। गारू के मिर्चइया जलप्रपात,सरयू प्रखंड में पावर ग्रिड, और बारेसांढ़ के सुग्गा बांध से कार्यक्रम शुरूआत किया

गया। गारू थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जिले के गौरवशाली 25 वर्षों की उपलब्धियों को याद करते हुए युवाओं में जागरूकता, स्वास्थ्य के प्रति सजगता और अपने क्षेत्र की धरोहरों के संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। मौके पर सीओ दिनेश कुमार मिश्रा, जिप सदस्य जीरा देवी, प्रभारी वनपाल परमजीत तिवारी, एसआई विजय कुमार समेत कई लोग मौजूद थे।

एक नजर

बालूमाथ में BSNL नेटवर्क ठप, उपभोक्ता महीनों से परेशान

बालूमाथ। प्रखंड क्षेत्र में भारत संचार निगम लिमिटेड का नेटवर्क पिछले कई महीनों से सुचारू रूप से काम नहीं कर रहा है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नेटवर्क की खराब स्थिति के कारण कॉलिंग और इंटरनेट सेवा लगभग ठप हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार कॉल करने पर भी संपर्क नहीं हो पाता, जबकि इंटरनेट सेवा या तो बेहद धीमी रहती है या पूरी तरह बंद हो जाती है। इस समस्या का सीधा असर छात्रों की पढ़ाई, ऑनलाइन कामकाज और दैनिक संचार व्यवस्था पर पड़ रहा है। खासकर आपातकालीन स्थिति में लोगों को गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि वे इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभाग में शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। लगातार बनी इस परेशानी से लोगों में इस्ठ्ठ के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है क्षेत्र के उपभोक्ताओं ने विभाग से अविलंब नेटवर्क व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है, ताकि लोगों को बेहतर संचार सुविधा मिल सके।

जिला स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रक्तदान शिविर का आयोजन

नवप्रदेश/लातेहार जिला स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिनांक 04 अप्रैल 2026 को जिले में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर के दौरान उपायुक्त श्री उत्कर्ष गुप्ता, सहित अन्य वरीय अधिकारियों ने स्वयं रक्तदान कर समाज को प्रेरणादायक संदेश दिया। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की सेवा का परिचय दिया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं तथा रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रह किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान एक महादान है, जो जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को नियमित रूप से रक्तदान के लिए प्रेरित किया। यह रक्तदान शिविर जिला स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा, जिसका उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देना है।

जिला स्थापना दिवस पर बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन

नवप्रदेश/लातेहार। जिला स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिनांक 04 अप्रैल 2026 को इनडोर स्टेडियम में बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने प्रतिभागियों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया तथा खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना एवं आत्मविश्वास का भी विकास करते हैं। उपायुक्त ने स्वयं भी बैडमिंटन खेलकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया, जिससे उपस्थित प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ तथा विजेताओं को सम्मानित करने की घोषणा की गई। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री सैय्यद रियाज अहमद, जिला प्रशासन के पदाधिकारी, खेल प्रेमी एवं बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

आदिम जनजातियों का निवाला हो रहा है गबन मृत लाभुक भी उठा रहे हैं राशन

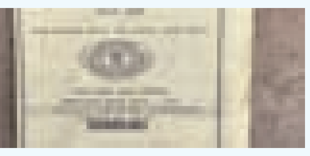

नवप्रदेश/गारू। गारू प्रखंड में राशन वितरण व्यवस्था को लेकर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। लगातार सामने आ रहे तथ्यों से यह संकेत मिल रहा है कि आदिम जनजातियों (पीवीटीजी) के नाम पर ऑनलाइन सिस्टम में नियमित राशन उठाव दिखाया जा रहा है, जबकि वास्तविक लाभुकों तक अनाज पहुंच ही नहीं रहा है। इससे साफ है कि कागजों में वितरण पूरा दिखाकर जमीनी स्तर पर गड़बड़ी की जा रही है। मायापुर पंचायत के रामसेली गांव में यह मामला उजागर हुआ है। आरोप है कि प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी साकेत यादव या उनसे जुड़े डीलर द्वारा ह्यकेवाईसी अपडेट नहीं होनेह्ल का हवाला देकर कई कार्डधारियों को लंबे समय से राशन नहीं दिया जा रहा है। विडंबना यह है कि जिन परिवारों को महीनों से राशन नहीं मिला, उनके नाम पर हर महीने सरकारी पोर्टल में अनाज उठाव दर्ज हो रहा है, जबकि राशन कार्ड में ऑफलाइन एंट्री तक नहीं की गई है। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार मार्च 2026 में प्रखंड के 643 पीवीटीजी कार्डधारियों के बीच 100 प्रतिशत राशन वितरण दिखाया गया है। इसमें 21,469 किलो चावल और 91 किलो गेहूं बांटने का दावा किया गया है। लेकिन रामसेली ग्राम के टोला हेठडीह में सामने आए मामलों ने इस दावे पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं और यह दशार्ता है कि सिस्टम में बड़े स्तर पर गड़बड़ी हो रही है। गांव के सोहन बिरजिया, अरविंद बिरजिया और विनय बिरजिया बताते हैं कि राशन नहीं मिलने से कई परिवारों की स्थिति खराब हो गई है। पितरूस बिरजिया को रोजी-रोटी के लिए केरल पलायन करना पड़ा। वहीं फूलो देवी की मृत्यु पांच वर्ष पहले हो चुकी है, लेकिन उनके राशन कार्ड पर दर्ज आश्रित सिरिल बिरजिया और सिलवंती देवी आज भी राशन से वंचित हैं। डीलर और संबंधित अधिकारी लगातार केवाईसी का हवाला देकर राशन नहीं दे रहे हैं। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार पितरूस बिरजिया ने 14 फरवरी और 15 मार्च को 35-35 किलोग्राम अनाज प्राप्त किया है, जबकि उन्होंने बताया कि उन्हें पिछले दो वर्षों से राशन नहीं दिया गया है। उनके पास मौजूद राशन कार्ड की हार्ड कॉपी में भी वितरण दर्ज नहीं है। इसी तरह मृतक फूलो देवी के नाम पर 14 फरवरी और 15 मार्च 2026 को 35-35 किलोग्राम अनाज की निकासी दर्ज है, जबकि उनके परिवार के सदस्य पिछले कई महीनों से बाहर मजदूरी कर रहे हैं। इसके बावजूद लगातार उनके नाम पर राशन उठाव दिखाया जा रहा है। इस पूरे मामले पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने गंभीरता जताते हुए कहा है कि आदिम जनजातियों को राशन निकासी कर नहीं देना बेहद गंभीर मामला है। पीवीटीजी का राशन वितरण एमओ की निगरानी में और उसके ही लॉगिन होना अनिवार्य है और पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सह सद्भावना दौड़ का आयोजन

जिला स्थापना दिवस पर कारगिल पार्क में शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि.

नवप्रदेश/लातेहार जिला स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज दिनांक 04 अप्रैल 2026 को प्रातः 06:00 बजे रन फॉर लातेहार सह सद्भावना दौड़ का आयोजन किया गया। यह दौड़ समाहरणालय परिसर से प्रारंभ होकर कारगिल पार्क तक संपन्न हुई।

इस अवसर पर उपायुक्त श्री उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री कुमार गौरव, जिले के पदाधिकारी,

जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के कर्मी, छात्र-छात्राएं एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ का उद्देश्य जिले में आपसी सद्भाव, एकता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखा गया तथा सभी ने एकजुट होकर लातेहार जिले के विकास एवं समृद्धि का संदेश दिया।

इसके पश्चात कारगिल पार्क पहुंच कर उपायुक्त श्री उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री कुमार गौरव द्वारा शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मियों ने भी शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके बलिदान को नमन किया।

इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि शहीदों का बलिदान सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज एवं राष्ट्र के विकास में योगदान देना हम सभी का कर्तव्य है।

लातेहार जिला स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज जिले के सभी प्रखंडों एवं अधिसूचित प्रमुख पर्यटन स्थलों पर। रन फॉर लातेहार का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित इस सद्भावना दौड़ में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक पदाधिकारियों, छात्र-छात्राओं, युवाओं तथा आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में एकता, सद्भाव, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा जिले के गौरवशाली 25 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाना था।

सभी प्रखंडों एवं पर्यटन स्थलों पर स्थानीय प्रशासन द्वारा कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई थीं।

जिला स्थापना दिवस पर स्लोगन लेखन, पेंटिंग एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

नवप्रदेश/लातेहार। लातेहार जिला स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज दिनांक 04 अप्रैल 2026 को विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों के तहत स्लोगन लेखन, पेंटिंग एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के विद्यार्थियों एवं युवाओं में रचनात्मकता, जागरूकता एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करना था। प्रतियोगिता में विद्यालय के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

स्लोगन लेखन एवं पेंटिंग प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों ने जिले के विकास, संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों को आकर्षक एवं संदेशपरक रूप में प्रस्तुत किया। वहीं क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने सामान्य ज्ञान, इतिहास, एवं लातेहार जिले से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों पर आधारित प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी बौद्धिक क्षमता का परिचय दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इन प्रतियोगिताओं में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

चित्रकला प्रतियोगिता

कक्षा VI से VIII वर्ग में अर्पिता सौर्या ने प्रथम, सुरभि सुहासिनी ने द्वितीय तथा पूर्णिमा कुमारी एवं सूरज कुमार ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा क से क्क वर्ग में शम्मा प्रवीण ने प्रथम, अभिजीत कुमार ने द्वितीय तथा रजनी कुमारी एवं नुसरत परवीन ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

क्विज प्रतियोगिता

कक्षा VI से VIII वर्ग में ऋषि राज ने प्रथम, अनमोल रतन कुमार ने द्वितीय तथा ईशान कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कक्षा IX से XII वर्ग में आयुष चौधरी ने प्रथम, सावन कुमार ने द्वितीय तथा रौनक कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता में तियाशा सरकार ने प्रथम, रूपा कुमारी ने द्वितीय तथा हरेंद्र उरांव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जिला प्रशासन द्वारा सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। साथ ही प्रतिभागियों को निरंतर अपनी प्रतिभा को निखारने हेतु प्रेरित किया गया।

सड़क दुर्घटना में घायल पत्रकार से मिलने पहुंचे प्रीतम सिंह भाटिया

नवप्रदेश/ईचागढ़ - सरायकेला-खरसावां जिला के कुकड़ु, तिरूलडीह के पत्रकार ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम जर्नलिस्ट वैलफेयर एसोसिएशन के जिला सचिव विद्युत महतो की दुर्घटना में एक हाथ टूट गया और एक आंख पर गंभीर चोट लगी है। ईचागढ़ के मिलन चौक के नर्सिंग होम से ऐसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अरूण मांझी एवं संगठन के चंदन कुमार महतो, मलखान महतो ने एंबुलेंस द्वारा नेताजी सुभाष अस्पताल आदित्यपुर भेजा। घटना की जानकारी मिलते ही ऐसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम सिंह भाटिया, प्रदेश प्रभारी शंकर गुप्ता, कोल्हान प्रमंडल प्रभारी अजय महतो, सरायकेला खरसावां जिला अध्यक्ष दशरथ प्रधान और जिला सचिव दीपक महतो एवं अन्य पत्रकारों ने अस्पताल पहुंचकर विद्युत महतो से मुलाकात किया एवं चिकित्सकों से बात कर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया। ऐसोसिएशन के प्रदेश प्रभारी शंकर गुप्ता और जिला उपाध्यक्ष संतोष साहू के प्रयास से श्री महतो का आयुष्मान कार्ड बनवाने के साथ ही ईलाज की प्रक्रिया शुरू हो गई।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल 2026 अर्जुन तेंदुलकर के लिए करो या मरो का मौका, बोले- खेल का मजा लेने पर है फोकस

नई दिल्ली ,एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 युवा तेज गेंदबाज अर्जुन तेंडुलकर के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर के बेटे अर्जुन अब तक आइपीएल में कोई खास पहचान नहीं बना पाए हैं, ऐसे में यह सीजन उनके करियर के लिए निर्णायक माना जा रहा है। वह इस बार लखनऊ सुपर जाइन्टस की ओर से खेलते हुए अपनी छाप छोड़ने के इरादे से उतरेंगे। घरेलू क्रिकेट में मुंबई से गोवा शिफ्ट होने के बाद अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी में सुधार दिखाया है और कई मौकों पर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि वह अब भी अपने कम्फर्ट जोन से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाए हैं। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अर्जुन ने कहा कि वह फिलहाल अपने खेल को एंजॉय कर रहे हैं और उसी पर ध्यान दे रहे हैं। अर्जुन के करियर में दबाव की बात भी अक्सर उठती रही है, खासकर उनके पिता की विरासत के कारण। इस पर उन्होंने साफ कहा कि वह बाहरी अपेक्षाओं के बजाय अपने खेल पर फोकस करते हैं। उनके मुताबिक, वह क्रिकेट किसी को कुछ साबित करने के लिए नहीं, बल्कि अपने जुनून के चलते खेलते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता मेहनत करना और खेल का आनंद लेना है। अर्जुन से जुड़ा एक पुराना किस्सा भी चर्चा में रहा, जब 2016 में कांगा लीग के दौरान एक साथी खिलाड़ी ने उनके पिता के मशहूर बूस्ट विज्ञापन को लेकर मजाक किया था। हालांकि, अर्जुन ने ऐसे अनुभवों को हल्के में लेते हुए हमेशा अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित रखा है। अब आईपीएल 2026 उनके लिए बड़ा मंच है, जहां अच्छा प्रदर्शन उन्हें नई पहचान दिला सकता है। लगातार मौके मिलने के बावजूद अब तक प्रभाव छोड़ने में असफल रहे अर्जुन के सामने इस बार खुद को साबित करने की चुनौती है। यदि वह इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, तो न केवल टीम में अपनी जगह पक्की कर सकते हैं, बल्कि भारतीय क्रिकेट में भी एक मजबूत पहचान बना सकते हैं।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज-पर्पल कैप की रेस में उलटफेर, पंजाब किंग्स का दबदबा कायम

नई दिल्ली ,एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सातवें मुकाबले के बाद टूनामेंट में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुए मुकाबले के बाद दोनों ही कैप पर पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने कब्जा जमा लिया है, जिससे टीम का दबदबा साफ नजर आ रहा है। ऑरेंज कैप की रेस में कूपर कोनोली ने बढ़त बना ली है। उन्होंने चेन्नई के खिलाफ 22 गेंदों में 36 रन की अहम पारी खेलते हुए इस सीजन में कुल 108 रन पूरे कर लिए हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में अंगकृष रघुवंशी 103 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा ईशान किशन (94 रन), हेनरिक क्लासेन (83 रन) और रयान रिकेल्टन (81 रन) भी टॉप बल्लेबाजों में शामिल हैं। पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह ने 43 रन की पारी खेलकर कुल 80 रन के साथ छठे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की है। वहीं रोहित शर्मा 78 रन के साथ सातवें स्थान पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 73 रन बनाए और टॉप-10 बल्लेबाजों की सूची में जगह बना ली है। वहीं विराट कोहली और श्रेयस अय्यर भी मध्यक्रम में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

तनाव से बचने क्रिकेट खिलाड़ी गोल्फ भी खेलें : युवराज

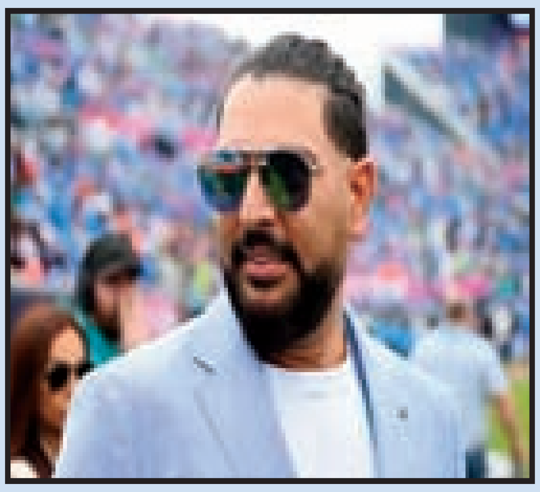

नई दिल्ली,एजेंसी ।

पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने क्रिकेटरों को सलाह दी है कि वे मानसिक थकान से राहत पाने के लिए गोल्फ खेलने का भी आनंद लें। युवराज के अनुसार क्रिकेटरों को तनाव से बचने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना चाहिए। युवराज ने कहा है कि उन्होंने संन्यास के बाद गोल्फ खेलना शुरू किया था। युवराज अब दूसरी इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। उनका कहना है कि क्रिकेटरों को अपने करियर के दौरान ही गोल्फ भी खेलना भी जारी रखना चाहिये। साथ ही कहा कि मुझे भी पहले ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए था, इससे मुझे क्रिकेट में भी सहायता मिलती। गोल्फ खेलने का फायदा ये होता है कि शरीर को आराम मिलने के साथ ही तनाव भी कम होता है। युवराज ने कहा, इसी कारण अधिकतर विदेशी क्रिकेटर शुरूआत से ही गोल्फ खेलते आ रहे हैं। युवराज ने कहा कि गोल्फ के बारे में माना जाता है कि ये बड़े लोगों का खेल है जो सही नहीं है। वास्तविकता है कि यह एक ऐसा खेल है जो सभी के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा, हम गोल्फ को एक एलीट खेल के तौर पर देखते हैं पर हमें ये देखना चाहिये कि देश का हर बच्चा गोल्फ खेले। हम गोल्फ को स्कूलों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। मेरा मानना है कि हर बच्चे को हर खेल आजमाना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे क्रिकेट हमारे देख में सबसे लोकप्रिय है पर गोल्फ भी एक मजेदार खेल है, जिसे हर किसी को आजमाना चाहिए। भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके एक खिलाड़ी के तौर पर मैं दूसरे खेलों में भी सहायता करना चाहता हूं। गोल्फ लीग इस खेल को और भी रोमांचक बनाएगी और इस खेल को बच्चों की पहुंच में लाने का प्रयास करेगी। हमें उम्मीद है कि ज्यादा बच्चे इस खेल को अपनाएंगे,

आईपीएल 2026: सीएसके की गेंदबाजी पर गावस्कर की चिंता, बोले- 230 रन भी नहीं होंगे सुरक्षित

नई दिल्ली ,एजेंसी।

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने चेन्नई सुपर किंग्स की मौजूदा हालत पर चिंता जताते हुए कहा है कि टीम की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी गेंदबाजी बनती जा रही है। आईपीएल 2026 में शुरूआती दोनों मुकाबले हारने के बाद सीएसके दबाव में है, जिसमें पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार भी शामिल है। गावस्कर ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए साफ है कि सीएसके को अपनी गेंदबाजी पर तुरंत काम करना होगा। उनके मुताबिक, मौजूदा टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी इतनी मजबूत हो चुकी है कि सिर्फ 200 या 210 रन बनाना काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि सीएसके को मैच जीतने के लिए लगातार 225 से 230 रन के बड़े स्कोर बनाने पड़ सकते हैं, तभी गेंदबाजों को थोड़ा सहारा मिलेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आज की टीमों में बल्लेबाजी की गहराई काफी बढ़ गई है। पंजाब किंग्स जैसी टीम में सातवें नंबर पर मार्कस स्टोइनिस जैसे विस्फोटक बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे लक्ष्य का बचाव करना और भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सीएसके को अपनी गेंदबाजी इकाई को मजबूत करना ही होगा। इस बीच, युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की गावस्कर ने जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि म्हात्रे के लिए बल्लेबाजी क्रम में तीसरा स्थान सबसे उपयुक्त नजर आता है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले मैच में पहली ही गेंद पर आउट होने के बावजूद युवा खिलाड़ी ने आत्मविश्वास नहीं खोया और शानदार वापसी की। गावस्कर के अनुसार, नई पीढ़ी के खिलाड़ियों की यही खासियत है कि वे अतीत को पीछे छोड़कर

वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करते हैं। गावस्कर ने रोहित शर्मा की फिटनेस में आए बदलाव की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि रोहित ने अपनी शारीरिक स्थिति पर कड़ी मेहनत की है, जिसका असर उनके खेल में साफ दिखाई दे रहा है। उनका फुटवर्क पहले से तेज हुआ है और ऊर्जा भी ज्यादा नजर आ रही है, जिससे वे क्रीज पर ज्यादा समय बिता पा रहे हैं। वहीं, भारत के एक अन्य अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने पंजाब के युवा खिलाड़ी प्रियांश आर्य की विस्फोटक पारी की सराहना की। पुजा-रा ने कहा कि प्रियांश गेंद की लेंथ को बहुत जल्दी समझ लेते हैं और खासकर शॉर्ट गेंदों पर आक्रामक शॉट खेलने में माहिर हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि ऐसे बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजों के लिए गलती की गुंजाइश बेहद कम रह जाती है। कुल मिलाकर, विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चेन्नई सुपर किंग्स को टूनामेंट में वापसी करनी है, तो उसे अपनी गेंदबाजी में जल्द सुधार करना होगा, वरना आगे की राह और मुश्किल हो सकती है।

12 लाख से 21 करोड़ तक का सफर, आईपीएल में विराट कोहली बने सबसे महंगे सितारों में शामिल

नई दिल्ली ,एजेंसी।

विराट कोहली का नाम आईपीएल के सबसे सफल और भरोसेमंद खिलाड़ियों में शुमार किया जाता है। खास बात यह है कि कोहली उन गिने-चुने खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने 2008 में लीग की शुरूआत से लेकर अब तक अपनी फ्रेंचाइजी रॉयल चेलेंजर बेंगलुरु का साथ नहीं छोड़ा। उनका यह सफर न केवल प्रदर्शन के लिहाज से, बल्कि कमाई के मामले में भी बेहद शानदार रहा है। साल 2008 में जब कोहली को अंडर-19 टीम से स्काउट कर आरसीबी में शामिल किया गया था, तब उनकी सैलरी महज 12 लाख रुपये थी। शुरूआती तीन सीजन तक वह इसी रकम पर टीम के लिए खेलते रहे। हालांकि, उनकी प्रतिभा और निरंतर प्रदर्शन को देखते हुए फ्रेंचाइजी को जल्द ही यह एहसास हो गया कि वह लंबे समय तक टीम की रीढ़ बन सकते हैं। यही वजह रही कि 2013 में उन्हें टीम की कमान सौंपी गई और उन्होंने 2021 तक कप्तानी करते हुए आरसीबी को नई पहचान दिलाई। इस दौरान उनकी सैलरी में भी लगातार इजाफा होता गया। अगर उनके पहले सीजन की सैलरी की तुलना मौजूदा कमाई से की जाए, तो यह करीब 175 गुना तक बढ़ चुकी है। आईपीएल 2026 में विराट कोहली की सैलरी 21 करोड़ रुपये है, जो उन्हें लीग के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ियों में शामिल करती है। वह न सिर्फ

टीम के प्रमुख बल्लेबाज हैं, बल्कि ब्रांड वैल्यू के लिहाज से भी आरसीबी के सबसे बड़े चेहरे बने हुए हैं। क्रिकेट के अलावा भी कोहली की पहचान एक बड़े ब्रांड के रूप में स्थापित हो चुकी है। विज्ञापनों, ब्रांड एंडोर्समेंट और बिजनेस निवेश के जरिए उनकी कमाई लगातार बढ़ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति 1100 करोड़ रुपये से अधिक आंकी जाती है, जो उन्हें दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेटरों में शामिल करती है। विराट कोहली का यह सफर दशार्ता है कि प्रतिभा, मेहनत और निरंतरता के दम पर एक खिलाड़ी किस तरह नई ऊंचाइयों को छू सकता है और खेल के साथ-साथ आर्थिक सफलता भी हासिल कर सकता है।

आईपीएल 2026 अर्जुन तेंदुलकर के लिए करो या मरो का मौका, बोले- खेल का मजा लेने पर है फोकस

नई दिल्ली ,एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 युवा तेज गेंदबाज अर्जुन तेंडुलकर के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर के बेटे अर्जुन अब तक आइपीएल में कोई खास पहचान नहीं बना पाए हैं, ऐसे में यह सीजन उनके करियर के लिए निर्णायक माना जा रहा है। वह इस बार लखनऊ सुपर जाइन्टस की ओर से खेलते हुए अपनी छाप छोड़ने के इरादे से उतरेंगे। घरेलू क्रिकेट में मुंबई से गोवा शिफ्ट होने के बाद अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी में सुधार दिखाया है और कई मौकों पर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि वह अब भी अपने कम्फर्ट जोन से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाए हैं। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अर्जुन ने कहा कि वह फिलहाल अपने खेल को एंजॉय कर रहे हैं और उसी पर ध्यान दे रहे हैं। अर्जुन के करियर में दबाव की बात भी अक्सर उठती रही है, खासकर उनके पिता की विरासत के कारण। इस पर उन्होंने साफ कहा कि वह बाहरी अपेक्षाओं के बजाय अपने खेल पर फोकस करते हैं। उनके मुताबिक, वह क्रिकेट किसी को कुछ साबित करने के लिए नहीं, बल्कि अपने जुनून के चलते खेलते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता मेहनत करना और खेल का आनंद लेना है। अर्जुन से जुड़ा एक पुराना किस्सा भी

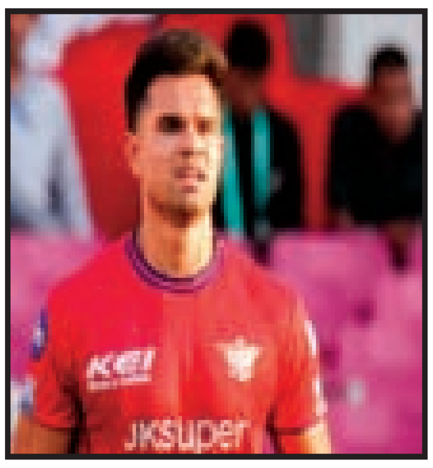

चर्चा में रहा, जब 2016 में कांगा लीग के दौरान एक साथी खिलाड़ी ने उनके पिता के मशहूर बूस्ट विज्ञापन को लेकर मजाक किया था। हालांकि, अर्जुन ने ऐसे अनुभवों को हल्के में लेते हुए हमेशा अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित रखा है। अब आईपीएल 2026 उनके लिए बड़ा मंच है, जहां अच्छा प्रदर्शन उन्हें नई पहचान दिला सकता है। लगातार मौके मिलने के बावजूद अब तक प्रभाव छोड़ने में असफल रहे अर्जुन के सामने इस बार खुद को साबित करने की चुनौती है। यदि वह इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन करते हैं,

स्लो ओवर रेट पर फिर फंसे श्रेयस अय्यर, बीसीसीआई ने जुमार्ना किया दोगुना

नई दिल्ली ,एजेंसी।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर एक बार फिर स्लो ओवर रेट के कारण चर्चा में हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में शानदार शुरूआत करने वाली पंजाब टीम को इस बार अपने कप्तान की गलती का खामियाजा भुगतना पड़ा है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में पहले ही स्लो ओवर रेट के दोषी पाए जाने के बाद अब चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी टीम ने तय समय में ओवर पूरे नहीं किए, जिसके चलते बीसीसीआई ने सख्त कार्रवाई की है। आईपीएल की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, यह इस सीजन में पंजाब किंग्स का दूसरा उल्लंघन है। ऐसे में श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है, जो पिछले मैच में लगे 12 लाख रुपये के जुमार्ने से दोगुना है। इसके साथ ही प्लेइंग इलेवन और इम्पैक्ट प्लेयर सहित टीम के बाकी खिलाड़ियों पर भी जुमार्ना लगाया गया है। खिलाड़ियों को या तो 6 लाख रुपये या

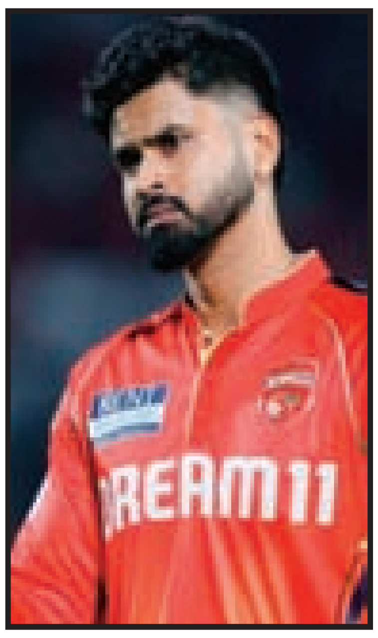

उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, भुगतान करना होगा। हालांकि, बार-बार गलती के बावजूद अय्यर पर किसी तरह के बैन का खतरा फिलहाल नहीं है। आईपीएल में 2025 से पहले तक नियम था कि एक ही सीजन में तीन बार स्लो ओवर रेट के दोषी पाए जाने पर कप्तान को एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। लेकिन अब नियमों में बदलाव कर दिया गया है, जिसके तहत कप्तानों और टीमों पर डिमेरिट पॉइंट्स और जुमार्ने का प्रावधान लागू किया गया है। नए नियमों के अनुसार, लेवल-1 के अपराध पर मैच फीस का 25 से 75 प्रतिशत तक जुमार्ना और डिमेरिट पॉइंट दिए जाते हैं, जो तीन साल तक रिकॉर्ड में रहते हैं। वहीं गंभीर मामलों में लेवल-2 के तहत चार डिमेरिट पॉइंट दिए जा सकते हैं। हर चार डिमेरिट पॉइंट पर अतिरिक्त जुमार्ना या कड़ी सजा दी जा सकती है। हालांकि, सिर्फ स्लो ओवर रेट के आधार पर तत्काल मैच बैन नहीं लगाया जाएगा। इस तरह, पंजाब किंग्स को जीत के बावजूद अनुशासन के मोर्चे पर सतर्क रहने की जरूरत है, ताकि आगे ऐसे नुकसान से बचा जा सके।

ऋषभ पारी की शुरूआत की जगह निचले क्रम पर ही खेलें : पीटरसन

लंदन,एजेंसी।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने कहा है कि लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को पारी की शुरूआत नहीं करनी चाहिये। पीटरसन के अनुसार इससे ऋषभ पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है जिससे उनकी बल्लेबाजी खराब हो रही है। पीटरसन के अनुसार इस बल्लेबाज का शीर्ष क्रम की जगह अपने वास्तविक क्रम पर खेलना चाहिए। पीटरसन के अनुसार शीर्ष क्रम पर खेलने के कारण वह अपने खेल का आनंद लेने की जगह पर बिना कारण दबाव में आ रहे हैं। वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में केवल सात रन ही बना पाये जिससे उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा। पीटरसन का कहना है कि इस बल्लेबाज का पारी की शुरूआत में उतरना ठीक नहीं लगता। पीटरसन ने कहा, जब आप लखनऊ की टीम की बल्लेबाजी क्षमता को देखते हैं तो सवाल उठता है कि क्या ऋषभ पंत वास्तव में सलामी बल्लेबाज हैं। मुझे लगता है कि पिछले साल की तुलना में उन्हें इस साल बल्लेबाजी क्रम में कुछ ज्यादा ही ऊपर भेज दिया गया है। इंग्लैंड के कप्तान ने कहा, पिछले साल उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में नीचे खेलने का फैसला किया और अब वह अचानक से कह रहे हैं कि मैं शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करूंगा। मुझे लगता है कि उन्हें बस मैदान पर जाकर अपने खेल का स्वाभाविक खेल खेलना चाहिए। वह बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आकर बेवजह ही तनाव में आ रहे हैं। उन्होंने कहा, अपने को नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने के लिए मजबूर मत करो, उस स्थिति का आनंद लो।

पंजाब की दमदार जीत, अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंची

नई दिल्ली,एजेंसी ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सातवें मुकाबले में पंजाब किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से हरा दिया। चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब ने सीजन की लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए अंकतालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया है। मैच में टॉस जीतकर पंजाब ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 209 रन बनाए। टीम के लिए आयुष म्हात्रे ने 73 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि शिवम दुबे ने 45 और सरफराज खान ने 32 रन का योगदान दिया, जिससे टीम मजबूत स्कोर तक पहुंच सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स ने आक्रामक अंदाज में

बल्लेबाजी की। प्रियांश आर्या ने 39 रन बनाए, जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 43 रनों की अहम पारी खेली। कप्तान श्रेयश अय्यर ने 50 रनों की जिम्मेदार पारी खेलते हुए टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। पंजाब ने 18.4 ओवर में 5 विकेट खोकर 210 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ पंजाब किंग्स 2 मैचों में 2 जीत के साथ अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई है। राजस्थान रॉयल्स, रॉयल्स चेलेंजर बेंगलुरुऔर दिल्ली कैपिटल्स एक-एक जीत के साथ क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। मुंबई इंडियंस पांचवें और सनराइज हैदराबाद छठे स्थान पर हैं। वहीं गुजरात टाइटन और लखनऊ सुपर जाइंट्स क्रमशः सातवें और आठवें स्थान पर हैं, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स लगातार दो-दो हार के साथ नौवें और दसवें स्थान पर हैं। अंकतालिका में टीमों की स्थिति जीत-हार के साथ नेट रन रेट के आधार पर तय की जा रही है। आईपीएल 2026 पॉइंट्स टेबल लेटेस्ट अपडेट टीम मैच जीत हार नो रिजल्ट पॉइंट्स नेट रन रेट पंजाब किंग्स 2 2 0 0 4 0.637 राजस्थान रॉयल्स 1 1 0 0 2 4.171 रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु 1 1 0 0 2 2.907 दिल्ली कैपिटल्स 1 1 0 0 2 1.397 मुंबई इंडियंस 1 1 0 0 2 0.687 सनराइजर्स हैदराबाद 2 1 1 0 2 0.469 गुजरात टाइटंस 1 0 1 0 0 -0.509 लखनऊ सुपर जाएंट्स 1 0 1 0 0 -1.397 कोलकाता नाइट राइडर्स 2 0 2 0 0 -1.964 चेन्नई सुपर किंग्स 2 0 2 0 0 -2.562

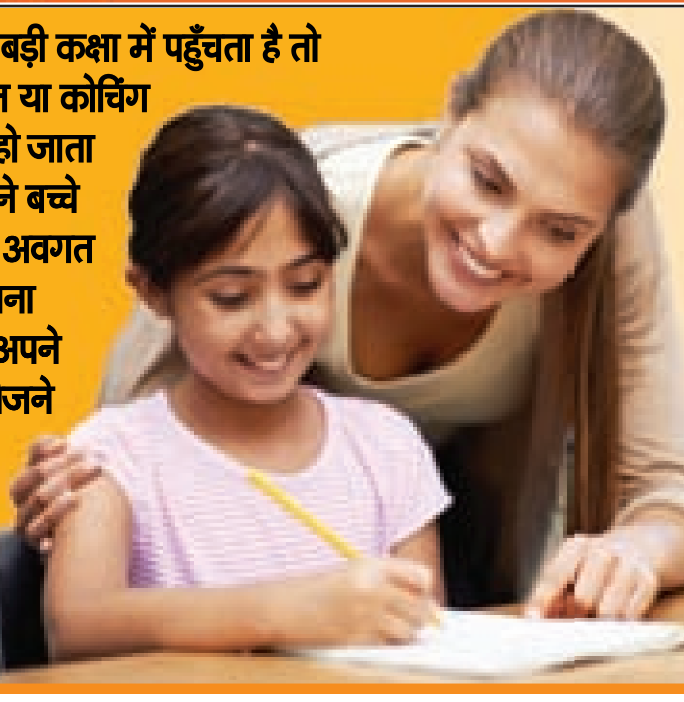

जब आपका बच्चा बड़ी कक्षा में पहुँचता है तो उसके लिए ट्यूशन या कोचिंग करना आवश्यक हो जाता है, ऐसे समय अपने बच्चे को ही इस बात से अवगत करा दें कि वह अपना ध्यान स्वयं रखें। अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार करें की उसे क्या पढ़ाई करना है।

बच्चे जब ट्यूशन पढ़ें तो रखें इन बातों का ख्याल

आज के समय में सभी को आगे बढ़ने की होड़ में कुछ अलग करना चाहते है। आप अपने बच्चे को परफेक्ट बनाने के लिए उसकी हर मुश्किल आसान करते है। जब आप किसी विषय को समझाने में मुश्किल का सामना करते है तो ट्यूशन का सहारा लेते है। ट्यूशन पढ़ते समय बच्चा अकेले ही होता है इसलिए आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा। अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार केर दे की उसे क्या पढाई करना है।

उसके साथ ले जाने वाली किताब कॉपी की व्यवस्था करें।

एक माता-पिता होने के नाते आपकी जिम्मेदारी बनती है कि पता करे कि ट्यूशन टीचर आपके बच्चे को ठीक से पढ़ा रहे है या नहीं।

कभी-कभी ट्यूशन टीचर लापरवाही बरतने लगते है, समय- समय पर यह पता करते रहना चाहिए की कही वे समय तो नहीं बिता रहे है। यदि ऐसा है तो पहले उस टीचर से बात करनी चाहिए, संतुष्टि न मिलने पर टीचर बदल देना चाहिए।

कुछ समय के बाद यह अवश्य पता करे की बच्चे को जो पढ़ाया जा रहा है वह सही है या नहीं क्योकि एक बार गलत जानकारी मिलने पर बच्चे की दिशा ही बदल जाएगी और बच्चा दिग्भर्मित हो जायेगा। टीचर का बच्चे पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है।जब तक बच्चा छोटा है तब तक माँ ही उसकी टीचर है, उससे अच्छा कोई उसे पढ़ा नहीं सकता है। यदि समय की कमी हो तभी अपने बच्चे को ट्यूशन पढ़ने भेजे अन्यथा नहीं।

बच्चों के साथ करें ऐसा व्यवहार

बच्चों का पालना पोषण करना आसान काम नहीं है लेकिन इस दौरान हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आपका व्यवहार ऐसो हो कि व भविष्य में बेहतर नागरिक बनकर उभरें। बहुत से माता-पिता की आदत होती है कि वो बच्चों पर छोटी छोटी बातों पर चिल्लाते रहते हैं। इससे बच्चों का व्यवहार भी गुस्सैल हो जाता है। बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार न केवल आप दोनों के संबंध को अच्छा बनाएगा बल्कि बच्चे के पूर्व विकास में भी सहायक होगा।

चिल्लाने से बिगड़ सकती है बात

शायद ही कोई माता-पिता हों, जिन्हें अपने बच्चों पर चिल्लाना न पड़ता हो। बच्चों की शरारत, जिद, बात न मानना या फिर उनकी कोई गलती करना, गाहे-बगाहे आपको मौका दे ही देता है कि आप उन पर गुस्से से चिल्लाएं। बच्चों के साथ आपके इस व्यवहार का कारण हमेशा बच्चे ही हों ये जरूरी नहीं है। कई बार दफ्तर का तनाव, माता-पिता के आपसी रिश्तों में खटास, थकान से पैदा हुआ चिड़चिड़ापन या फिर खराब स्वास्थ्य ऐसे कारण बन जाते हैं, जिनका गुस्सा हम बच्चों पर उतार देते हैं लेकिन बच्चों पर चिल्लाने से आपके और आपके बच्चों के आपसी संबंध खराब हो सकते हैं। इसके साथ साथ आपकी इस आदत का बुरा असर बच्चों पर पड़ता है।

अगर आप कामकाजी महिला है और आप अपने ऑफिस के लिए तैयार होते होते अपने बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करती होंगी। ये बहुत मुश्किल काम है, खासतौर पर तब जब बच्चे छोटे हों। ऐसे में जब बच्चे आपके निर्देशों को मानकर ठीक से तैयार नहीं होते और साथ ही आप को देरी होने लगती है तो आप उनपर चिल्ला देती होंगी। इससे बचने का एक आसान तरीका ये है कि बच्चों के जागने से कुछ देर पहले उठें। अपनी तैयारी कर लें फिर बच्चों को तैयार होने में मदद करें। या फिर पहले बच्चों को तैयार करवा दें, उन्हें नाश्ता करने दें, और उस दौरान आप तैयार हो जाएं। योजना के अनुसार काम से आपको परेशानी नहीं होगी।

रोल मॉडल बनें

बच्चे आमतौर पर वही करते हैं, जो वो अपने माता-पिता से सीखते हैं। अगर वो आपसे चिल्लाने की आदत सीख कर, अपने से छोटे भाई या बहन को फिजूल में डांटें, उन पर बेबात चिल्लाए, तो बेशक आपको अच्छा नहीं लगेगा। जब आप उन पर छोटी-बड़ी बातों पर चिल्लाएंगे, उन्हें बुरी तरह से डाटेंगे तो वो आपसे यही सब सीख कर अपने से छोटों के साथ करेंगे। इस स्थिति से बचने के लिए अपने बच्चों के रोल मॉडल बनें। आप जैसा व्यवहार उनका देखना चाहते हैं, वैसा ही उनके साथ करें।

बच्चों के मुताबिक उम्मीदें लगाएं

हर बच्चे की अपनी अलग क्षमता होती है। आप अपने बच्चे को उसका कमरा साफ करने के लिए कह दें, और वो इस काम को अच्छी तरह से न कर पाए। तो इसका मतलब ये नहीं कि वो आपकी बात नहीं मानता, हो सकता है कि वो उस लिहाज से छोटा हो, या इतना काम उसे न आता हो। बच्चे पर चिल्लाने की बजाय उन उम्मीदों पर ध्यान दें जो आप उनसे लगाते हैं। बच्चों को उनकी उम्र और क्षमता के हिसाब से जिम्मेदारियां दें, जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करें।

ऊंची आवाज में बात न करें

बच्चों से जब भी बात करें अपनी आवाज पर खास ध्यान दें। बच्चों से बहुत तेज़ आवाज में बात न करें। बच्चे तेज आवाज से डर जाते हैं और वो अपनी बात सामने नहीं रख पाते। ऐसे में हो सकता है कि आप उन्हें ऐसी बात पर डांट दें, जिसमें उनकी कोई गलती ही न हो। बेहतर रहेगा कि आप अपने गुस्से या नाराजगी पर नियंत्रण करके बच्चे से सामान्य होकर बात करें।

चेतावनी देकर छोड़ें

अगर बच्चा कोई बड़ा नुकसान या गलती कर दे तो उसपर तुरंत चिल्लाएं नहीं। बच्चे को थोड़ा डांट समझा कर चेतावनी दे कर छोड़ दें। वैसे भी, आपके चिल्लाते रहने का कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। अगर आप उसे वॉर्निंग देंगे तो वो आगे से वैसी गलती करने से पहले सोचेगा।

चिल्लाए नहीं समझाएं

कई बार ऐसा होता है कि आप एक बात को चिल्ला चिल्ला कर 10 बार कहते हैं लेकिन तब भी आपका बच्चा आपकी बात नहीं सुनता। वो इसलिए, क्योंकि वो आपकी इस आदत का आदि हो चुका है। उसे आपके चिल्लाने से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। इसलिए अगर आपको बच्चे को कुछ कहना हो तो बजाय कि दूर से चिल्लाते रहने के उसके पास जाएं, उसका ध्यान अपनी ओर खींचे, उससे आंखें मिलाएं और फिर मजबूती से अपनी बात सामने रखें। ऐसे में बच्चा आपको और आपकी बात को अनदेखा नहीं कर सकता।

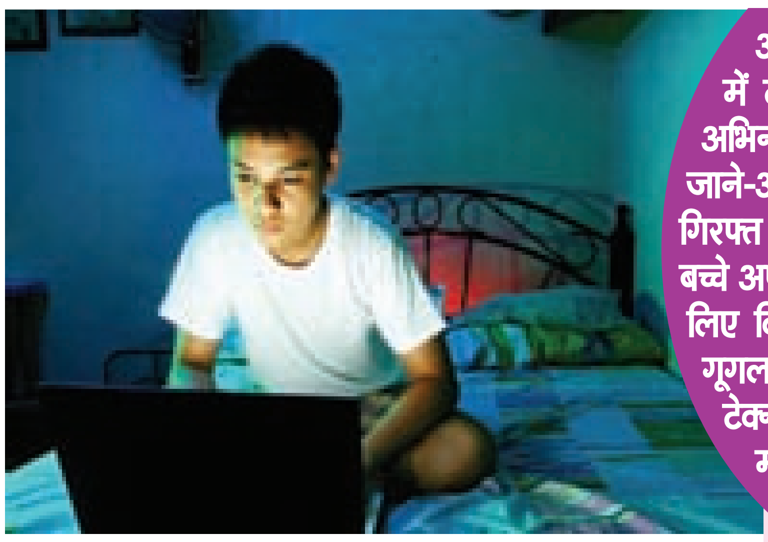

आजकल के बदलते परिवेश में टेक्नोलॉजी जीवन का एक अभिन्न अंग बनता जा रहा है। जाने-अनजाने हम सभी इसकी गिरफ्त में आ गए हैं। आजकल के बच्चे अपने प्रश्नों का उत्तर ढूंढ़ने के लिए किताबें खंगालने की बजाय गूगल का सहारा लेते हैं। ऐसे में टेक्नोलॉजी का ये दौर बच्चों के मानसिक विकास के लिए प्रश्नचिह्न बनता जा रहा है।

डिजिटल युग में बिगड़ते जा रहे हैं हमारे बच्चे

आज के युग को डिजिटल युग भी कहा जाता है। दरअसल, यह ऐसा समय है जिसमें बेहद छोटी उम्र से ही बच्चों के हाथ में मोबाइल थमा दिया जा रहा है और जब उनकी खेलने-कूदने की उम्र आती है तो वे पूरा दिन सोशल मीडिया पर बिता रहे हैं। आजकल ज्यादातर घरों में अभिभावक बच्चों को व्यस्त रखने के लिए या खाना खिलाते वक्त उनके सामने यूट्यूब वीडियोज और गेम्स खोलकर रख देते हैं ताकि वे इनमें व्यस्त रहें, लेकिन इस बात की गंभीरता को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे न सिर्फ बच्चों की आंखें खराब हो रही है बल्कि व्यवहार में खासा नकारात्मक बदलाव आ रहा है। आजकल छोटे-छोटे बच्चे आसानी से मोबाइल एप्स, गेम्स चला रहे हैं और 8-10 साल के कई बच्चे आपको सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय मिल जाएंगे, अगर आपके बच्चे भी सोशल मीडिया और गूगल के शिकंजे मे फंसते जा रहे हैं तो उन पर किसी भी प्रकार की बंदिश लगाने की बजाय कुछ सावधानियां आजमाएं। इस विषय पर 'जीवनधारा रिहेब्लिटेशन एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट बरेली से फिजियोलॉजिस्ट मानसी सिंह राठौड़ आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स लेकर आई हैं जो आपको अपनी परवरिश में शामिल करने की जरूरत है।

सोशल मीडिया पर नज़र

सबसे पहले आपको ये ध्यान रखना होगा कि क्या आपका बच्चा उस उम्र में पहुंच चुका है, जिसमें वो सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सके? क्योंकि छोटी उम्र के बच्चे अक्सर सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर गलत कदम उठा लेते हैं या आपराधिक विचारधारा के बन जाते हैं और यदि वो सोशल मीडिया के इस्तेमाल के योग्य हो चुका है तो अपने बच्चे से सोशल मीडिया को लेकर बातचीत करें। उससे उसके ऑनलाइन अनुभव के बारे में जानकारी लें। बच्चों को कभी भी अकेले में सोशल मीडिया पर सक्रिय न रहने दें और न ही अकेले में ज्यादा इंटरनेट का इस्तेमाल करने दें, क्योंकि उत्सुकतावश आपका बच्चा सर्च इंजन के जरिए न जाने किस खतरे को आमंत्रण दे सकता है।

बच्चों को ऑनलाइन गेम्स के खतरों के बारे में जानकारी दें और एक समय निर्धारित करें ताकि आपके बच्चे को ऑनलाइन गेम खेलने की लत न लगे। अगर आप चाहें तो लैपटॉप और कंप्यूटर में सर्विलांस सॉफ्टवेयर लगा सकते हैं, जिससे आप इस बात को जान सकेंगे कि आपके बच्चे क्या सर्च कर रहे हैं।

योगा मेडिटेशन

बच्चों में योगा की आदत डालें ताकि आज की भाग-दौड भरी ज़िंदगी में जूझने के लिए तैयार रहें। इससे उनमें एकाग्रता आएगी। सूर्य नमस्कार करने के लिए प्रेरित करें।संस्कार-आजकल के ज्यादातर अभिभावक के लिए परवरिश का अर्थ केवल अपने बच्चों की खाने-पीने, पहनने-ओढने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना है। इस तरह से वे अपनी ज़िम्मेदारियों से तो मुक्त हो जाते हैं पर कहीं न कहीं उनमें संस्कार डालना भूल जाते हैं या फिर यूं कहें उन्हें मालूम ही नहीं है बच्चों को संस्कारी कैसे बनाया जाए।

बच्चों को बड़ों का आदर करना सिखाएं, दूसरों की मदद करना, विनम्रता जैसे संस्कार, जिनसे वे आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बन सकें। डायरी लिखने की आदत एकल परिवार की वजह से बच्चे अपने मन की बात जल्दी नहीं कह पाते जिससे उनमें कुंठा उत्पन्न हो जाती है, इसलिये उनको दिन भर की बातें डायरी में लिखने के लिए प्रेरित करें और अपने बच्चे से दोस्ती करें ताकि वो आपको ही सारी बातें बताए।

क्वॉलिटी टाइम बिताएं

वर्किंग पैरेंट्स के साथ यह समस्या होती है कि उनके पास अपने बच्चों के साथ बिताने के लिए समय नहीं मिल पाता। ऐसे माता-पिता अपने वीकएंड्स अपने बच्चों के लिए ही रखें और सामान्य दिनों में भी उनके क्रियाकलापों पर ध्यान दें उनसे बातचीत करें कि वे क्या करते हैं, उनके दोस्त कौन हैं।

किताबों मे रूचि

मॉरल एजुकेशन वाली बहुत सी किताबें बाजार में उपलब्ध हैं। बच्चों को ऐसी किताबें लाकर दें ताकि उनका ध्यान टीवी, कंप्यूटर और लैपटॉप की ओर कम जाए और उनमें नैतिकता का विकास हो। आधुनिक अभिभावक की सोच है कि मेरा बच्चा, किसी भी स्थिति में किसी से कम न हो और बस इसी भागदौड़ में लगे रहते हैं। बच्चों को सुविधा तो दीजिए, पर ध्यान रहे वो उसका दुरूपयोग न करे।

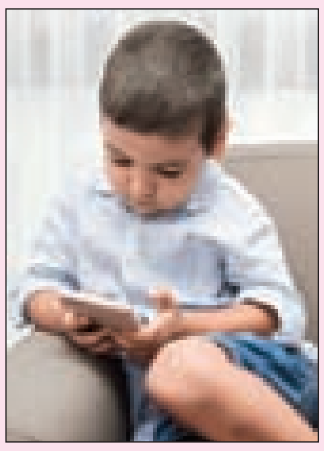

मोबाइल से दूरी

बच्चों को व्यस्त रखने के अलग-अलग तरीके अपनाएं। आजकल बाजार में बच्चों को व्यस्त रखने के लिए तरह-तरह के किट आते हैं, जिससे बच्चों का मानसिक विकास तो होगा ही साथ ही साथ आपका बच्चा मोबाइल से दूर रहेगा। बड़े बच्चों को आउटडोर इनडोर गेम्स खेलने के लिए प्रोत्साहित करिए, जिससे उनके शरीर और मस्तिष्क दोनों का ही विकास होगा और उनमें एक नई ऊर्जा आएगी।

तीन साल की उम्र से ही बच्चों को अपनी चीजें दूसरे के साथ शेयर करना सिखाना चाहिए। इसी उम्र से चीजें बांटने के साथ-साथ बच्चे एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं बांटना भी सीखते है। इससे बच्चे बड़े होकर व्यवहार कुशल और सहयोगी प्रवृति के यानी सामाजिक बनते हैं।

अपने बच्चे को बचपन से ही सिखायें शेयर करना

आप सिखाएंगी, वो सीखेगा

बच्चों के मन में अपनी चीजों को लेकर एकाधिकार की भावना होती है और वे अपनी चीजें दूसरों के साथ बांटना नहीं चाहते। ऐसे में आप खुद बच्चे के साथ उसकी चीजें शेयर करें, क्योंकि हर चीज बच्चा सबसे पहले घर से ही सीखता है। बच्चे की चीजों को शेयर करने के साथ आप अपनी चीजें भी दूसरों के साथ शेयर करें। बच्चा देखकर कई चीजें खुद ही सीख लेता है। अगर वह आपके साथ कुछ भी शेयर करने से मना करे तो आप उसे प्यार से समझाएं कि अकेले खाना या खेलना अच्छी बात नहीं, इसलिए मम्मी-डैडी या दादा-दादी को भी दो।

धीरे-धीरे सीखेगा बांटना

बच्चा जैसे-जैसे बड़ा होगा, अपनी चीजें दूसरों के साथ साझा करना भी सीख लेगा। कोई बच्चा कम उम्र में परिपक्व हो जाता है, तो किसी को इसमें वक्त लगता है। जरूरी नहीं है कि हर बच्चा एक ही उम्र में परिवक्व होगा, पर यह जरूर है कि सही चीजें और सही सीख उन्हें सही दिशा देती है। कुछ बच्चों में शेयरिंग की आदत आने में समय लग जाता है और कुछ यह गुण जल्दी सीख लेते हैं। तो धैर्य के साथ बच्चे को शेयरिंग करना सिखाएं, वह जरूर सीखेगा।

न करें जबरदस्ती

बच्चों को शेयरिंग सिखाने में जबरदस्ती बिल्कुल न करें। ध्यान रहे कि शुरू में बच्चों को उन चीजों को बांटने को कहा जाए जो उनके लिए बहुत ज्यादा मायने न रखती हों। बच्चा ऐसे में बांटना सीखेगा। अगर आप बच्चे की सबसे पसंदीदा चीज उसे किसी के साथ साझा करने के लिए कहें, तो यह भी ठीक नहीं है क्योंकि अपनी प्यारी चीज को अक्सर बड़े भी शेयर नहीं करते। हमेशा यह याद रखें कि आखिरकार वह एक बच्चा ही है, तो सब कुछ शेयर करने की उम्मीद उससे न करें। खासकर उसकी पसंदीदा चीज। सच यही है कि कुछ चीजें ऐसी हैं, जिसे आपका बच्चा शेयर नहीं करना चाहता। आप इतना कर सकती हैं कि हालात ऐसे बनाएं कि आपके बच्चे को शेयर करना ही पड़े। जैसे यदि दूसरा बच्चा आपके घर आया है तो दो चीजें रखें और उसमें से एक उसे जरूर दें। इससे बच्चा आसानी से शेयर करना सीखेगा। तो बच्चे को आजमाने की जगह उनको शेयरिंग की आदत पड़ने दें। एक बार जब वह शेयर करना सीख ले, तब आप उससे बड़ी उम्मीदें कर सकती हैं।

तारीफ के दो बोल

बच्चों की तारीफ की जाए तो वे और भी उत्साहित होते हैं। उनके जिस काम की प्रशंसा की जाती है, उसे वह दोगुने उत्साह के साथ आगे बढ़कर पूरा करते हैं। कभी बच्चा अपनी चीज दोस्तों के साथ बांटे यानी अपने खिलौने या अन्य चीजों को शेयर करे, उसकी प्रशंसा जरूर करें। हो सके तो सबके सामने। घर के अन्य सदस्यों को भी उसकी तारीफ करने के लिए कहें। इससे खुश होकर आपका बच्चा खुद आगे बढ़कर अपने दोस्तों के साथ अपनी चीजें बांटने लगेगा।

उपराष्ट्रपति ने बिहार की समृद्ध विरासत को सरहा और इसे जैन और समाजवाद तथा बौद्ध को नई दिशा देने की बात कही

निरंकार भास्कर। नवप्रदेश/मोतिहारी में आयोजित दीक्षांत समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सिपी राधा कृष्ण ने बिहार की धरती को ऐतिहासिक आध्यात्मिक की विरासत बताया उन्होंने कहा कि यह भूमि जैन बौद्ध धर्म की तथा समाजवादी विचारधारा को दिशा दी है उन्होंने यह भी कहा चम्पारण कि धरती ने मोहनदास करमचंद गांधी को महात्मा बनाया तथा चंपारण का सत्याग्रह उन्हें जननेता के रूप में पहचान मिली जहां गौतम बुद्ध को इसी धरती पर बोधी प्राप्त हुई और नालंदा विश्वविद्यालय जो कभी वैश्विक शिक्षा का प्रमुख केंद्र रहा जिसे पुनः जीवित करने के लिए प्रयास जारी है जहां भारत दुनिया का सबसे स्थिर देश में से एक है आज विश्व में इसकी अर्थव्यवस्था चौथी अर्थव्यवस्था बन चुकी है और जल्द तीसरे स्थान पर पहुंचने कि ओर अग्रसर है उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तक पूरी तरह लागू किया साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा साइंस जैसे क्षेत्रों में नए विकास के रास्ते खोल रहे हैं महात्मा गांधी विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की यह केवल उपलब्धि नहीं वल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी भी है उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों की योगदान की सराहना की कार्यक्रम के अंत में हरिवंश नारायण सिंह, सैयद आता हसनैन, केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार के कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार सहित कई गण मन व्यक्ति उपस्थित रहे वहीं पश्चिम चंपारण के ऐतिहासिक भितिहरवा गांधी आश्रम पहुंचकर बापू कि प्रतिमा पर माल्यार्पण किए तथा श्रद्धांजलि अर्पित की उसके बाद आश्रम में स्थित ऐतिहासिक वसततुओ एव इसमें छायाचित्रो का अवलोकन किया भ्रमण के क्रम में संग्रहालय कक्षा के 1एव 2 दो में लगे छायाचित्रों को देखा और प्रार्थना कक्ष में बापू की प्रतिमा को पुष्प अर्पित किए साथ ही कस्तूरबा गांधी की प्रतिमा पर भी श्रद्धा सुमन चढ़ाई उसके बाद कक्षा 3एव 4का अवलोकन किया तथा पूरे परिसर का भ्रमण किया अंत में विजिटर बुक में अपने विचार दर्ज कर इस ऐतिहासिक स्थल के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त की इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल सैयद आता हसनैन, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, तथा प्रशासन की ओर से जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने उपराष्ट्रपति एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया

एक नजर

अपराधियों ने एक युवक को गला घोटकर हत्या कर दिया गया

नवप्रदेश/नीरज कुमार/मसौढी:- मसौढी थाना क्षेत्र के बेलौटी स्थित भगवानपुर गांव पास हनुमान मंदिर स्थित मजदूरी कर लौट रहे एक 25 वर्षीय युवक को अज्ञात अपराधियों ने गला घोट कर हत्या कर दिया। इलाके में दहशत का महौल बन गया है। जानकारी के मुताबिक मसौढ़ी थाना क्षेत्र के खराठ बिलौटी पथ स्थित भगवानपुर स्कूल एवं हनुमान मंदिर के पास गुरुवार की देर रात अपराधियों ने इस बर्दात को अंजाम दिया है। बताते चले कि दस से बारह की संख्या मजदूरी के लिए टेंपो से रिजर्व कर मसौढी के पकड़ी गांव में मकान ढलाई कर के लौटे बलिहारी गांव पहुंचा, और सभी लोग खाने, पीने लगे और कुछ लोग अपने घर बिलौटी चल गए। तो दो लोग रुक गए तो ग्रामीणों ने बिलौटी मोड़ के पास रूपेश कुमार को देखा है। उसके बाद सुबह में मृतक रूपेश कुमार को भगवानपुर गांव पास हनुमान मंदिर परिसर में डेट बॉडी मिलता है। ग्रामीण एवं गांव वालों ने देखने के लिए पहुंचा तो देखा की डेड बॉडी है। धीरे-धीरे भारी मात्रा में भीड़ का जूटान हो गया। ग्रामीणों ने मसौढी थाना को सूचना दिया तो तुरंत थानाध्यक्ष विवेक भारती, एडिशनल थानाध्यक्ष कृष्ण कुमार, राजेन्द्र चौधरी,एस आई जितेन्द्र कुमार मिश्र एवं महिला पुलिस बल और पुलिस जवान घटना स्थल पर पहुंची और छानबीन में जुट गए। और मृतक के परिवार एवं ग्रामीणों को बड़ी मुश्किल से समझा, बुझाकर शांत करया और मृतक को अपने कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शव को पहचान कर ली गई है, मसौढ़ी थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी मृतक रूपेश कुमार पिता अरुण कुमार उम्र 25 वर्ष बताया जा रहा है। पुलिस ने एफएसएल टीम, डॉग स्क्वायड टीम को बुलाकर गहनता से जांच करवा रही है।

आरा में शिक्षिका पति सहपूर्व मुखिया के बेटे की गोली मारकर हत्या, 9 हमलावरों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग

पत्नी को विद्यालय में छोड़ वापस लौटने के दौरान रास्ते में हुई वारदात

नवप्रदेश/आरा भोजपुर। भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए शिक्षिका पति सह पूर्व मुखिया के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना उसे वक्त घटी जब वह अपनी पत्नी श्वेता सिंह को विद्यालय में छोड़कर वापस घर लौट रहा था तभी बनकट गांव के समीप नहर लाइन के पास की है, जहां हथियारबंद बदमाशों ने घात लगाकर हमला किया। मृतक की पहचान गड़हनी थाना क्षेत्र के लहरपा गांव निवासी रमेश सिंह के पुत्र 45 वर्षीय रितेश सिंह उर्फ भुअर सिंह के रूप में हुई है।, जो लहरपा गांव के निवासी थे। बताया जा रहा है कि वे दिव्यांग थे और उनकी पत्नी स्वेता सिंह बनकट स्थित उत्क्रमित विद्यालय में शिक्षिका हैं। परिजनों के अनुसार, रितेश सिंह रोज की तरह अपनी पत्नी को स्कूल छोड़कर थ्री-व्हीलर स्कूटी से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे करीब 9 अपराधियों ने तीन मोटरसाइकिल से पहुंचकर उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमलावरों ने करीब 9 से 10 गोलियां चलाईं, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक के बड़े भाई बबलू सिंह ने बताया कि यह हत्या पूर्व के विवाद को लेकर की गई है। घटना को अंजाम देने के बाद सभी हमलावर फरार हो गए। गोलीबारी की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है और इलाके में तनाव का माहौल है। सूचना मिलते ही गड़हनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। एफएसएल टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटा रही है। फिलहाल शव को आरा के सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए लाया गया है अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर राजकुमार शाह ने बताया कि अपराधियों की पहचान की जा रही है और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

सभी गैस एजेंसियों की करायी जा रही है विधिवत जाँच

नवप्रदेश/बेतिया। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह के निर्देश के आलोक में जिले के सभी प्रखंडों में ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधि एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा गैस एजेंसियों की विधिवत जाँच की जा रही है। इस दौरान एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था की गहन जाँच की जा रही है। अपर समाहर्ता सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि जाँच रिपोर्ट आने के बाद अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में वर्तमान में 19748 गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। बीते दिन ही जिले में 9708 सिलेंडरों की सफलतापूर्वक डिलीवरी की गई। वहीं, उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निपटारे के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। आज प्राप्त 76 शिकायतों को संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को भेज दिया गया है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें। किसी भी एलपीजी सिलेंडर की समस्या के लिए जिला कंट्रोल रूम के नंबर 06254-247002 एवं 06254-247003 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। प्राप्त शिकायतों का त्वरित गति से निराकरण कराया जायेगा।

फर्जी सीबीआईअफसर बनकर सोने की जेवरात की लूट, अपराधी पकड़ से बाहर

नवपप्रदेश/इन दिनों शहरी क्षेत्र में फर्जी अफसर बनकर ठगी करने का मामला सामनेआ रहा है, जिसमेंअपने आप को ठगी करने वाला सीबीआई का अफसर बताकर लोगों की जांच करने के क्रम में,सोने की जेवरात को उतरवाकर चंपत होने की घटना सामने आई है,पुलिस को सूचना मिलने पर अभी तक उन चार अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होना,पुलिस प्रशासन पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रहा है।अपराधियों की हिम्मत की दाद देनी चाहिए कि कैसे फर्जी सीबीआईअफसर बनने का नाटक रच कर,कालीबाग थाना क्षेत्र के हनुमतनगर उत्तरवारी पोखरा, वार्ड चार निवासी, अमरनाथ प्रसाद से बाइक पर सवार चारअपराधी अपने आप को सीबीआई काअफसर बता कर उनको रोका,और कहा कि आप इतना सोने का जेवर पहन कर चल रहे हैं,आप सुरक्षित नहीं है,तभी उन लोगों ने उनके गले का चेन,हाथ कीअंगूठी,हनुमानी लॉकेट को उतरवाकर एक रुमाल में बांधकर कहा कि अबआप सुरक्षित हैं,आप इसको लेकर चले जाइए,जब अमरनाथ प्रसाद,पिपरा पहुंचकर जब रुमाल खोले तो उसमें उनके आभूषण नहीं थे,रुमाल में ईंट का छोटा छोटा टुकड़ा बांधा गया था,उसके बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ, तब उन्होंने नगर थाने में जाकर प्राथमिकी दर्ज कराई, मगर अभी तक उन चार अपराधियों को पुलिस पकड़ नहीं सकी है,सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस अपराधियों की तलाश में है।

मलियाबाग के होटल से पकड़े गए महिला पुरुष एवं युवक युवतियों को बयान दर्ज कराने हेतु सासाराम न्यायालय भेजा गया

मनोज कुमार नवप्रदेश/दावथ थाना के सामने एवं आस पास शनिवार को दोपहर में लोगों की काफी भीड़ लगी हुई थी वहीं थाने के अंदर पुलिस की दो बसें खड़ी थी जिस पर पहली बस में मलियाबाग के प्रकाश मैरेज हॉल से पकड़ी गई सभी युवतियों तथा महिलाओं को मेडिकल जॉच एवं न्यायालय में बयान के लिए भेजा गया. जबकि दूसरी बस में पकड़े गए सभी युवकों तथा पुरुषों को भी न्यायालय में बयान के लिए भेजा गया.

विदित हो कि शुक्रवार को दावथ थाना क्षेत्र के बिक्रमगंज ,डुमरांव मुख्य सड़क के मलियाबाग स्थित प्रकाश मैरेज हॉल में एसडीपीओ प्रभात कुमार के साथ ही पुलिस बल के साथ मिली गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई थी . जिसमें कुल लगभग 40 जोड़ें युवक युवती को पुलिस ने आपत्तिजनक हालत में पकड़ा था. जिसमें कुल 40 युवक एवं पुरुषों को दावथ थाना के पुरूष बैरक में रखा गया था. जबकि पकड़ी गई कुल 42 युवतियों तथा महिलाओं को थाना के महिला बैरक में रात भर रखने के बाद शनिवार को दोपहर 1 बजे बजे सासाराम मुख्यालय भेजा गया.

इस संबंध में बिक्रमगंज के डीएसपी सिंधु शेखर सिंह से पूछने पर बताया कि मलियाबाग के प्रकाश मैरिज हॉल के नाम पर चलने वाले सेक्स रैकेट के लिए बना अड्डा पर पुलिस द्वारा शनिवार को छापेमारी की गई थी जिसमें लगभग 40 जोड़े एवं ज्योतिया को आपत्तिजनक हाथ में पकड़ा गया था जिसको लेकर दावथ थाना में कांड संख्या 101 /0 26 दर्ज किया गया है जिसके सूचक एसडीएम प्रभात कुमार के द्वारा होटल संचालक संतोष सिंह उर्फ शेरू सिंह दावत थाना क्षेत्र के कवि निवासी पर प्राथमिक की दर्ज की गई है वही आगे बताया कि 39 महिलाओं एवं युवतियां तथा 41 के लगभग युवक एवं पुरुष हैं जिसमें माईनर महिलाओं का न्यायालय में बयान दर्ज कराने के लिए सासाराम मुख्यालय भेजा गया है जिसमें 18 लड़कियां नाबालिग हैं तथा 21 महिलाएं वालीग पुरुष मे 13 नाबालिग है जो सभी पकड़े गए हैं बाकी सभी बालिग है वही कल 32 दोपहिया वाहन जप्मत किए गए तथा दो कर भी जप्त किए गए थे जिनका जांच किया जाएगा तथा होटल संचालक की जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कही

दुसाध जागृति एवं सांस्कृतिक चेतना मंच ने मनाया बाबा वीर शिरोमणि चौहरमल जी की 713 वीं जयंती

नवप्रदेश/डेहरी-ऑन-सोन रोहतास/दुसाध जागृति संस्कृति चेतना मंच के अध्यक्ष संजय पासवान की अध्यक्षता में एनिकट में बने भव्य मंदिर बाबा चौहरमल धाम में वीर शिरोमणी चौहरमल बाबा की 713 वीं जयंती धुमधाम से लालजी पासवान साधु जी ने मंत्रोच्चार के साथ मंच के अध्यक्ष संजय पासवान पुजारी कृष्णा पासवान सहित मंच के लोगों की उपस्थिति मे पूजा-पाठ हवन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतथि स्थानीय विधायक राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह ने कहा कि हम लोग अपने नेता चिराग पासवान के साथ मोकामा में वीर शरोमणि चौहरमल जी की जयंती पर हर वर्ष वहां जाते हैं। आज बाबा का आशीर्वाद है कि हमारे क्षेत्र में केंद्र और बिहार सरकार द्वारा करोड़ों रुपए विकास पर खर्च करने के लिए प्राप्त हुए हैं। हमारे द्वारा भी झारखंडी मंदिर तथा चौहरमल धाम परिसर में विकास की राशि दी गई है। उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी बच्चे और बच्चियों को शिक्षा दे। शिक्षा से ही सब कुछ संभव हो सकता है।मंच के अध्यक्ष संजय पासवान ने कहा कि दुसाध जागृति एवं सांस्कृतिक चेतना मंच का उदेश्य है, दुसाध समुदाय के वीर योद्धाओं तथा भूले हुए विरासत की खोज कर पुनः स्थापित करना तथा हमारे समाज दुसाध समुदाय के इतिहास को पहले अपने लोगो के बीच लाना। उन्होने बाबा चौहरमल धाम मे आए सभी लोगो के धन्यवाद देते हुए बाबा के बारे जानकारी देते हुए कहा कि बाबा चौहरमल साम्प्रदायिक सौहार्द के तथा सामंती दमन के विरुद्ध विद्रोह के प्रतिक थे। आज भी बाबा चौहरमल को मोकामा के आसपास के लोग लोक देवताओं कुल देवता के रूप में पूजते हैं। घर के आंगन में मिट्टी की गुंबदाकार पिंडी बनाकर उनकी पूजा होती है । बौद्ध संस्कृति में यही पिंडी स्तूप कहलाता है बाबा चौहरमल की महानता वीरता की लोकगीतों की भरमार है। बाबा वीर शिरोमणि चौहरमल हमारे कुल गुरु एवं पूर्वज थे। हम सभी उन्हीं के वंशज हैं और जब तक हम अपने पूर्वज को, उनके इतिहास और विरासत को नहीं समझेंगे तब तक हम लोगो का विकास संभव नही हैं। बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर ने भी कहा था कि जब तक जो इंसान अपना इतिहास नहीं जानता है तब तक वह इतिहास नहीं रच सकता है। इसलिए हम सभी को अपने पूर्वजों एवं उनके इतिहास को समझने की जरूरत है। अध्यक्ष ने दुसाध जागृति सांस्कृतिक चेतना मंच के सदस्यों द्वारा कार्यक्रम में आए सभी गण्यमान्य लोगों को अंग वस्त्र से तथा मुख्य अतिथि विधायक राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह को अंग वस्त्र पुष्प गुच्छ तथा तलवार देकर सम्मानित किया गया। बाबा के भंडारे में हजारो लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूर्व जिला पार्षद अध्यक्ष नथुनी पासवान, भीम आर्मी के जिला प्रभारी अमित पासवान, कालेन्द्र वर्मा, लोजपा नेता कचहरी पासवान, जिला पार्षद सुप्रिया पसवान, कालेन्द्र प्रताप वर्मा, अखिलेश कुमार सिंह, रेलवे के नेता वीरेंद्र पासवान, आजाद हुसैन,अनुज कुशवाहा,सहित कई लोगों ने अपने-अपने विचार प्रकट किये। कार्यक्रम गायक, अखिलेश अनाड़ी, अरविन्द उजाला,हरि राम, अर्चना राज, उद्घोषक अनिल विश्वास ने भजन से श्रोता मंत्रमुग्ध हुए। इस मौके पर जिला पार्षद अजय कुमार सिंह, डॉ ए के विमल, डॉ निर्मल कुशवाहा, हरेराम पासवान, कश्मीर पासवान ,रवि पासवान, विकास पासवान , पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि विष्णु पासवान, सत्येंद्र साधु , विनोद पासवान, सतेंद्र साधु , ललन सिंह गदर पत्रकार मिथिलेश पासवान ,मदन कुमार, दिनेश पासवान, मुन्ना पासवान,सुनील पासवान, सूर्य देव पासवान, ,भजू पासवान, छोटे लाल पासवान, बिनोद पासवान,, दीपू कुमार दीप, अमित पासवान, प्रियंका पासवान, कन्हैया मुखिया, पिंटू पासवान, डॉ अरुण शर्मा, अमित पटेल, बंटी पटेल, राम नारायण, रवि पासवान सहित दुसाध जागृति सांस्कृतिक चेतना मंच सदस्य सहित बिहार, झारखंड एवं रोहतास औरंगाबाद कैमूर के काफी संख्या महिला पुरुष बच्चे शामिल हुए।

आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस को दौड़ा दौड़ा कर पिटा और थाने में किया तोड़फोड़

निरंकार भास्कर। कटिहार शनिवार को दिन कटिहार जिले में जहां पुलिस कस्टडी में युवक की मौत होने के बाद भीषण बवाल हो गया फलका थाना क्षेत्र के गुस्साए ग्रामीणों ने जहां स्टेट हाईवे 77 को जाम किया एवं गुस्से में पुलिस टीम को खदेड खदेड़ कर पिटा इस हिंसक झड़प में कई पुलिस कर्मी घायल हो गए वहीं उपद्रवियों ने एक सिपाही की राइफल भी छीन ली स्थिति इतनी बेकाबू हो गई भीड़ में थाने में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की मृतक की पहचान गोपाल पट्टी गांव के 24 वर्षीय राकेश यादव के रूप में की गई है बताते चले की 2 दिन पहले बाइक छिना छपटी एक मामले में सगदिध मानकर युवक को गिरफ्तार किया गया था शनिवार की सुबह थाने के हाजत में युवक की तबीयत बिगड़ गई और पुलिस आनन फानन में सदर अस्पताल ले गई जहां से उसे रेफर कर दिया गया रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया जब पुलिस ने भीड़ को समझाने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और भीड़ ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया तथा जवानों को खदेड़ते हुए थाने तक पहुंचा दिया इस हमले में पोठिया ओपी थाना अध्यक्ष नवीन कुमार तथा सिपाही संजीव कुमार बुरी तरह घायल हो गए जहां संजीव कुमार को सर पर गंभीर चोट आई है वहीं एक पुलिसकर्मी का राइफल भी लूट ली गई है जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है प्रदर्शनकारी कितने उग्र थे की थाने का गेट तोड़ दिए और थाने में राखी फर्नीचर तथा सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है कटिहार एसपी शिखर चौधरी ने एक प्रेस वार्ता जारी कर बताया है कि राकेश प्राथमिक अभियुक्त था जिसे हालत में फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश किया था और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई हालांकि प्रथम दृष्टि या लापरवाही बरतने के आप में एसपी ने थाना अध्यक्ष रवि कुमार राय तथा अनुसंधानकर्ता कुंदन पटेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है समाचार लिखे जाने तक पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील है और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है वहीं सांसद पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पर अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए लिखा है कि पुलिस अब आम लोगों की रक्षक नहीं रक्षक बन गई है उन्होंने मुजफ्फरपुर के जगवीर राय हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहां है कि जब तक सीने में गोली मारने वाली हत्यारे की दरोगा की गिरफ्तारी नहीं हुई तब तक फलका थाने में पुलिस वालों ने राकेश कुमार यादव को पीट-पीट कर हत्या कर डाला पप्पू यादव ने सीधे तौर पर पुलिस को अपराधियों का संरक्षक बताया है वही परिजनों का कहना है कि पुलिस पूछताछ के नाम पर राकेश को बेहरमी से टी की जिससे उसकी मौत हो गई ग्रामीणों ने इसे पुलिसिया हत्या करार देते हुए दोषियों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है

मंत्री रामकृपाल यादव की समाधि के घर पर ताबा तोड़ फायरिंग

नवप्रदेश संवाददाता

पटना पटना से सिटे मनेर में एक श्राद्ध कार्यक्रम में ताबड़तोड़ फायरिंग और लाठी डंडे तथा तलवार से मारपीट करने का मामला सामने आया है हमले का वीडियो बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है नीतीश कुमार के सरकार में कृषि मंत्री रामकृपाल यादव की यादव के समाधि का धर बताया जा रहा है बताते चलें कि मनेर थाना क्षेत्र के वयापुर गांव में राजेंद्र सिंह के घर पर घाटी गोटिया के हमले में राजेंद्र सिंह के घर में चीख पुकार मच गया पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है और गांव में पुलिस फोर्स तैनातकर दिया गया है तैनात कर दिया गया है जहां इस घटना में तीन लोग घायल हो गए हैं सभी घायलों को अस्पताल में इलाज चल रहा है शुक्रवार की रात मनोज राय के यहां श्राद्ध कार्यक्रम में इसी क्रम में ईट भट्ठा संचालक राजेंद्र सिंह के पुत्र पप्पू कुमार एवं उसका गोतिया भाई सुरेंद्र सिंह का पुत्र पुरानी जमीनी विवाद लेकर आपस में भिड़ गए देखते ही देखते दोनों ओर से दर्जनों लोग जुट गए और फिर जमकर मारपीट हुई वायरल वीडियो में लाल रंग का शर्ट पहने एक युवा गोली चलाते दिख रहा है वहीं मौजूद कुछ लोग उसे संभालते दिख रहे हैं जबकि महिलाओं और बच्चों के बीच चिक पुकार मची है कुछ लोग इस घटना का पुलिस को सूचना देने की बात भी कहते सुन जा रहे हैं पूरे मामले में पांच राउंड गोली चलने की सूचना है इस घटना में पप्पू राय नीतीश एवं मनीष घायल हो गए हैं सभी घायलों का इलाज पटना में चल रहा है जख्मी पप्पू राय बिहार सरकार के कृषि मंत्री रामकृपाल यादव के समाधि राजेंद्र राय के बेटे हैं दोनों पक्ष आपस में गोतिया है और लंबे समय से दोनों पक्षों में विवाद चल रहा है जहां बिहार की सियासी गलियारे में इस घटना की चर्चा है वहीं राज्य के कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं जहां मनेर विधानसभा के प्रतिनिधि राजद नेता वीरेंद्र भाई हैं इस संबंध में थाना अध्यक्ष रजनीश ने बताया की पुराने मामले में दोनों पक्षों में मारपीट एवं गोलीबारी हुई है पुलिस दो राउंड फायरिंग होने की बात कह रही है घटनास्थल पर दो खोखा बरामद किया गया है समाचार लिखे जाने तक किसी पक्ष ने पुलिस के पास आवेदन नहीं दिया है

एक नजर

तरियानी के बेलाही दुल्ला में आग का कहर: 7 घर राख, मवेशी जले, लाखों की संपत्ति राख

नवप्रदेश प्रतिनिधि/शिवहर। जिले के हिरम्मा थाना क्षेत्र के बेलाही दुल्ला गांव में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। इस अग्निकांड में करीब सात घर जलकर पूरी तरह राख हो गए, जबकि तीन मवेशियों की भी जलकर मौत हो गई। आग की इस घटना में लाखों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक अमित कुमार राणू के फोन के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक सभी सात घर पूरी तरह जल चुके थे। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। इस हादसे में जमील अख्तर (पिता- जहूर), राघवेंद्र पासवान (पिता- बच्चु पासवान), अशोक पासवान (पिता- रामेश्वर पासवान), जहीर अंसारी (पिता- नईम अंसारी), मोहम्मद अख्तर (पिता- जहीर अंसारी), सिकंदर पासवान (पिता- रामवृक्ष पासवान), अरुण पासवान (पिता- रामेश्वर पासवान) और जागेश्वर पासवान (पिता- रामपाल पासवान) का घर पूरी तरह जलकर बर्बाद हो गया। कई लाख का संपत्ति खाक हो गया है। घटना के बाद सभी अग्निपीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। पीड़ितों ने जिला प्रशासन से जल्द मुआवजा और राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है।

मानवता की मिसाल बनी सासाराम एसडीएम डॉक्टर नेहा कुमारी

हादसे के बाद पीड़ित परिवार के लिए शुरू हुआ सहयोग अभियान

नवप्रदेश**सासाराम (रोहतास)** रोहतास जिले के सासाराम से एक ऐसी खबर सामने आई है, जो प्रशासन के मानवीय चेहरे को उजागर करती है। चेनारी प्रखंड में बिजली करंट की चपेट में आने से सतानंद तिवारी की असामयिक मौत ने जहां एक ओर बिजली विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं, वहीं दूसरी ओर प्रशासन की संवेदनशीलता ने इंसानियत की एक नई मिसाल पेश की है। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सतानंद तिवारी अपने पीछे छोटे-छोटे बच्चों और परिजनों को छोड़ गए हैं, जिनके सामने अब आजीविका और भविष्य की चिंता सबसे बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हो गई है। घटना के बाद बिजली विभाग की ओर से पीड़ित परिवार को 4 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई, लेकिन सासाराम की एसडीएम डॉ. नेहा कुमारी ने इसे परिवार की दीर्घकालिक जरूरतों के लिए अपर्याप्त माना। इसके बाद उन्होंने खुद पहल करते हुए एक अनोखा कदम उठाया। एसडीएम ने अपने कार्यालय में एक विशेष डोनेशन बॉक्स स्थापित कर पीड़ित परिवार की मदद के लिए चंदा अभियान शुरू किया है। यह अभियान लगातार 7 दिनों तक चलेगा, जिसमें आम लोगों के साथ-साथ अधिकारी और कर्मचारी भी स्वेच्छा से योगदान दे रहे हैं। इस मुहिम में प्रशासनिक अमला ही नहीं, बल्कि अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय वकील भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। जिसकी शुरूआत एसडीएम नेहा कुमारी ने खुद पीड़ित परिजनों के लिए बतौर सहयोग राशि डब्बे में डाल कर किया। एसडीएम डॉक्टर नेहा कुमारी ने कहा कि सभी का उद्देश्य एक ही है—पीड़ित परिवार को आर्थिक संबल देना और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने में सहयोग करना। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग की लापरवाही ने एक परिवार उजाड़ दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि हम पीड़ित परिवार में मृतक की कमी तो पूरी नहीं कर सकते लेकिन आपसी सहयोग से उस परिवार का सहारा बन सकते है। उसी को लेकर यह पहल की गई है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि अपनी स्वेच्छा से जो बन सके जितना बन सके मदद करें। इधर, एडीएम ने इस पूरे मामले में बिजली विभाग की संभावित लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए सख्त रुख अपनाया है। घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं और संबंधित विभाग के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। यह पहल न सिर्फ प्रशासन की संवेदनशीलता को दशार्ती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि सरकारी जिम्मेदारियों के साथ मानवीय सरोकार निभाना भी उतना ही जरूरी है। सासाराम प्रशासन की यह कोशिश समाज के लिए एक प्रेरणा बनकर सामने आई है।

अविश्वास प्रस्ताव के बाद रूपा कुमारी की हुई वापसी, पुनः संभाली प्रमुख की कुर्सी

नवप्रदेशसासाराम (रोहतास)। सासाराम सदर प्रखंड की राजनीति में पिछले कुछ दिनों से चल रही उठापटक का अंत हो गया है। प्रखंड प्रमुख के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर हुई वोटिंग और कानूनी प्रक्रिया के बाद, एक बार फिर रूपा कुमारी ने अपनी कुर्सी पर कब्जा जमा लिया है। विश्वास मत हासिल करने के बाद उन्हें पुनः सासाराम सदर का प्रमुख मनोनीत किया गया है। बता दें कि विपक्षी खेमे द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के कारण प्रखंड की राजनीति में सरगर्मी तेज थी। निर्धारित प्रक्रिया के तहत हुए शक्ति परीक्षण में वर्तमान नेतृत्व ने अपना बहुमत साबित किया। अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में पर्याप्त समर्थन न मिलने के कारण वह खारिज हो गया। अविश्वास प्रस्ताव के गिरते ही निर्वाचन अधिकारी ने विधिवत रूप से रूपा कुमारी के पद पर बने रहने की पुष्टि की। रूपा कुमारी की जीत के मायने दोबारा प्रमुख पद की कमान संभालने के बाद रूपा कुमारी के समर्थकों में जश्न का माहौल है। कार्यकताओं ने इसे विकास की जीत और जनप्रतिनिधियों के अटूट विश्वास का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल मेरी नहीं, बल्कि सासाराम सदर के हर उस सदस्य की है जो क्षेत्र के विकास में विश्वास रखता है। हम मिलकर प्रखंड की जन समस्याओं का समाधान करेंगे और विकास कार्यों में तेजी लाएंगे। प्रखंड प्रमुख रूपा कुमारी ने कार्यभार संभालते ही स्पष्ट किया कि उनका मुख्य उद्देश्य प्रखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना है। पिछले कुछ समय से राजनीतिक अस्थिरता के कारण जो कार्य रुके हुए थे, उन्हें अब प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

डीसी भोजपुर ने किया निरीक्षण

नवप्रदेश चरपोखरी भोजपुर। प्रखंड मुख्यालय चरपोखरी में बनाए जा रहे मनरेगा हॉट का निरीक्षण डीसी भोजपुर द्वारा किया गया इस दौरान उन्होंने मनरेगा कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि मनरेगा हॉट का निर्माण शुरू करें । ग्रामीणों ने डीसी भोजपुर से सडक किनारे नाली बनवाने की मांग की। डीसी भोजपुर ने ग्रामीणों से आवेदन देने का सुझाव दिया ।प्रखंड के मुकुंदपुर सोनबरसा पंचायत के इटौर में सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं बिकास योजना केबारे में जानकारी ली । वही प्रखंड परिसर में पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान पंचायत समिति सदस्य पूर्व प्रमुख रामचंद्र यादव ने किसानों के समस्या को उठाते हुए कहा कि मलौर के समीप नदी मे बने छलका को मजबूत किया जाए । जिससे किसानों के खेतों तक बरनी होते हुए सेमराव पंचायत के किसान के खेत तक पानी पहुंचाया जा सके। सेमराव मे डीग्री कालेज खुलवाने की मांग की। इस अवसर पर प्रखंड बीस सू त्री अध्यक्ष अशोक पांडेय ने सरकार दौरा चलाए जा रहे बिकास कार्य मे पारदशीर्ता लाने की मांग की ।इस दौरान प्रखंड बिकास पदाधिकारी मोनिका कुमारी पंचायती राज पदाधिकारी सजय कुमार कनीय अभियन्ता एहसान अहमद सहित अन्य कर्मी उपस्थित हुए।

बेलाऊर में 3 अप्रैल से 11 अप्रैल तक ज्ञान यज्ञ

नवप्रदेश उदवंतनगर भोजपुर। अयोध्या से पधारे महामंडलेश्वर संत फलाहारी बाबा के तत्वावधान में बेलाऊर में साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है' संत फलाहारी ने सत्संग में कहा कि सत्संग से आध्यात्मिक विकास होता है ज्ञान और भक्ति का मार्ग सरल होता है मन को शांति मिलती है कथा और सत्संग से भगवान के प्रति प्रेम बढ़ता है कालि काल के नकारात्मक प्रभाव से बचने का सर्वोत्तम सूत्र सत्संग है। श्रीमद् भागवत कथा का कलश यात्रा एवं शोभा यात्रा गाजे बाजे के साथ 5 अप्रैल को सुबह 7:00 बजे से श्री राम जानकी मंदिर से सूर्य मंदिर के सरोवर से लाकर संकल्प और अनुष्ठान के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का भव्य शुरूआत होगा जिसका समय संध्या 3:30 बजे से 6:30 तक रखा गया है यह कथा 11 अप्रैल तक चलेगी विश्राम के समय सभी पत्रकार बंधु को मंच से फलाहारी बाबा के द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित

नवप्रदेश/बड़हरा (भोजपुर) 'बड़हरा प्रखंड के कोल्हरामपुर स्थित शिक्षा कोचिंग संस्थान के प्रांगण में छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अशोक कुमार सिंह उर्फ रामबाबू सिंह राजद प्रत्याशी, बड़हरा विधानसभा ने फीता काटकर किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आर.बी. सिंह निदेशक, विद्यासागर शिक्षण संस्थान, आरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व मुखिया विजय कुमार राय, अजित कुमार राय, जय कुमार राय, सुरेश सिंह, संजय सिंह, डॉ. मिथलेश राय, शैलेश सिंह, राकेश कुमार उपाध्याय, सुभाष सिंह, पंकज जी, माही राज, विकास कुमार तिवारी, भावी जिला परिषद प्रत्याशी धर्मेन्द्र कुमार राय सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वहीं संस्थान के शिक्षक पिंटू कुमार, विमल कुमार, हरेराम सर, समोश सर, विशाल सर, कृष्णा सर एवं अन्य शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी रही। समारोह में मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। मैट्रिक में रिद्धिमा कुमारी (467), स्वीटी कुमारी (463), वरुण कुमार (454), मुस्कान कुमारी (429), ओखी कुमारी (501), आशिष कुमार (500), अनिमेष कुमार (498) सहित अन्य छात्रों ने शानदार अंक प्राप्त किए। वहीं इंटर में मीरा कुमारी (375), राधिका कुमारी (400), रोशन कुमार (386), समीर कुमार (355) एवं रिकी सुपारी (321) ने अच्छे अंकों के साथ सफलता हासिल की। संस्थान का कुल परिणाम मैट्रिक एवं इंटर में 67% से लेकर 98% तक रहा, जिसमें सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। मुख्य अतिथि राम बाबू सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ह्वमेहनत और लगन से पढ़ाई कर मेडल हासिल करें, सफलता निश्चित रूप से मिलेगी।ह्व उन्होंने मेधावी छात्रों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान की ओर से सभी अतिथियों को अंगवस्त्र, पेन एवं डायरी भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में शिक्षा के प्रति उत्साह और विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

संक्षिप्त खबरें

नेपाल के उद्योगपति शंकर अग्रवाल गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल के उद्योग समूह शंकर ग्रुप के संस्थापक और अध्यक्ष शंकर लाल अग्रवाल को संपत्ति शुद्धीकरण अनुसन्धान विभाग (मनी लॉन्ड्रिंग जांच विभाग) ने हिरासत में लिया है। इतना ही नहीं अग्रवाल के दोनों बेटों साहिल अग्रवाल और सुलभा अग्रवाल के देश छोड़ने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। संपत्ति शुद्धिकरण विभाग के तरफ से इमिग्रेशन विभाग को पत्र लिख कर दोनों के पासपोर्ट को निगरानी में रखने का निर्देश दिया गया है। बिचौलिया दीपक भट्ट के साथ मिलकर नीतिगत अनियमितताओं में संलिप्त होने के आरोपों के बीच विभाग ने जांच शुरू की, जिसके बाद शंकर अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया और साहिल तथा सुलभ अग्रवाल के पासपोर्ट को वाचलिस्ट के डाला गया है। व्यापारी दीपक भट्ट को दो दिन पहले ही गिरफ्तार किया गया था। विभाग ने उन्हें शुक्रवार को कार्यालय में बुलाकर पूछताछ की थी। बयान पूरा नहीं होने के कारण उन्हें ललितपुर पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

महाराष्ट्र के नासिक जिले में कार कुएं में गिरी, नौ की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक जिले के डिंडोरी में एक अनियंत्रित कार बीती रात कुंए में गिर गई। इस हादसे में एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। नासिक पुलिस की टीम ने शनिवार सुबह तक सभी शव कुएं से निकाल लिए। पुलिस जांच अधिकारी ने बताया कि नासिक जिले के शिवाजी नगर इलाके में स्थित एक स्कूल में आयोजित प्रोग्राम में शामिल होने के लिए दरगोड़े परिवार गया था। वहां से लौटते समय शुक्रवार रात करीब 10 बजे दरगोड़े परिवार की कार अचानक अनियंत्रित होकर कुएं में गिर गई। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, नगर पंचायत की फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। कुआं पानी से भरा होने और रात होने की वजह से शुरू में रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आई। सुबह क्रेन की मदद से डिजास्टर मैनेजमेंट टीम ने कार और सभी शवों को कुएं से बाहर निकाल लिया है। इस हादसे में सुनील दत्तात्रेय दरगोड़े (35), रेशमा सुनील दरगोड़े (33) के साथ राखी, आशा, माधुरी और श्रावणी दरगोड़े ,सृष्टि (16), श्रेयश (11) और समृद्धि (7) की मौत हो गई है। इस घटना से पूरा गांव गम में डूब गया है।

ईसीआई नेट प्लेटफॉर्म से जानें उम्मीदवारों की शिक्षा व आपराधिक पृष्ठभूमि

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने नागरिकों से अपील की है कि वे 2026 के आम और उप चुनावों के दौरान उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता, आपराधिक मामले और संपत्ति संबंधी जानकारी जानने के लिए ईसीआई नेट प्लेटफॉर्म का उपयोग करें।

चुनाव आयोग के अनुसार 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनाव तथा गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नगालैंड और त्रिपुरा की 8 सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की गई थी। नौ अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए असम, केरल और पुडुचेरी में कुल 1,955 उम्मीदवार मैदान में हैं। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (चरण-1) के लिए नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 9 अप्रैल है, जबकि पश्चिम बंगाल (चरण-2) के लिए यह तिथि 13 अप्रैल निर्धारित की गई है।

मतदाता ईसीआई नेट के अपने उम्मीदवारों को जानें (केवाईसी) मॉड्यूल के जरिए उम्मीदवारों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों, उनकी संपत्ति और देनदारियों, शैक्षणिक योग्यता और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा उम्मीदवारों द्वारा जमा कराया गया पूरा हलफनामा (फॉर्म-26) भी डाउनलोड किया जा सकता है।

ईसीआई ने बताया कि ईसीआई नेट दुनिया का सबसे बड़ा चुनावी सेवा प्लेटफॉर्म है, जो 40 से अधिक ऐप और पोर्टल को एकीकृत कर एक ही मंच पर मतदाता सेवाएं उपलब्ध कराता है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए मतदाता पंजीकरण, मतदाता सूची में नाम खोज, आवेदन की स्थिति ट्रैक करना, चुनाव अधिकारियों से संपर्क, ई-ईपीआईसी डाउनलोड, शिकायत निवारण और अन्य सुविधाएं प्राप्त कर सकते हैं।

आयोग ने कहा कि पारदर्शिता बढ़ाने और मतदाताओं को जागरूक बनाने के लिए इस तरह के डिजिटल प्लेटफॉर्म महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

पीएम मोदी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केरल में भरी सियासी हुंकार

कांग्रेस व लेफ्ट से सतर्क रहें : मोदी

तिरुवल्ला (केरल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केरल में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'हमारे केरलम को ईश्वर ने अपार संसाधन और संभावनाएं दी हैं। यहां समंदर में ब्लू इकोनॉमी के असीम अवसर हैं। यहां उद्योगों के लिए संभावनाएं हैं। पर्यटन के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं, लेकिन केरल बाकी राज्यों से लगातार पीछे होता जा रहा है।' पीएम मोदी ने कहा कि राज्य में इस बार माहौल बदल चुका है और जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि 9 अप्रैल को मतदान के बाद 4 मई को एनडीए सरकार बनने जा रही है। उन्होंने महिलाओं के समर्थन को अपनी ताकत बताते हुए कहा कि राज्यभर में एनडीए के पक्ष में माहौल दिख रहा है। उन्होंने उम्मीदवार अनुप को समर्पित और मेहनती बताते हुए जनता से समर्थन की अपील की। रैली के दौरान उन्होंने सबरीमाला और भगवान अयप्पा का भी उल्लेख किया गया और इसे सांस्कृतिक जुड़ाव से जोड़ा। इसके साथ ही पीएम मोदी ने यह भी बोले कि केरल के लोगों को कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत है।

चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार के लिए वोट की अपील

केरल में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव में केरल को फायदा होगा, भले ही उन्हें खुद व्यक्तिगत रूप से कुछ नुकसान उठाना पड़े। उन्होंने कहा कि एनडीए उम्मीदवार अनूप पिछले पांच वर्षों से उनके साथ पूरी मेहनत और समर्पण के साथ काम कर रहे हैं। वह शांत, ईमानदार और दिन-रात काम करने वाले कार्यकर्ता हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल को ऐसे युवा नेता की जरूरत है और आज वह अनूप को जनता के हवाले कर रहे हैं।

मेरा बूथ सबसे मजबूत

प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने हाल ही में मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के तहत केरल के भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत की थी। इस दौरान 5000 शक्ति केंद्रों से 1.25 लाख से ज्यादा कार्यकर्ता जुड़े। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकताओं का एक ही संदेश था कि केरल की जनता अब एलडीएफ सरकार को हटाने का मन बना चुकी है।

बुनियादी सुविधाएं

मोदी ने कहा कि रैली में आने के दौरान पूरे रास्ते लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। वाम दल जहां मानव श्रृंखला की बात करते हैं, वहीं केरल की जनता ने एनडीए के समर्थन में मानव दीवार खड़ी कर दी है। प्रधानमंत्री ने एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि इन सरकारों ने इस क्षेत्र की लंबे समय तक अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि यहां की सड़कें खराब हालत में हैं, वर्षों से नए पुल नहीं बने हैं और मेडिकल कॉलेज की स्थिति भी चिंताजनक है। बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण लोगों की जीवन गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा है।

यूडीएफ गठबंधन ही उम्मीद : राहुल

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राज्य में बदलाव की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन राज्य के लोगों के लिए नई उम्मीद है। राहुल गांधी ने यह बात पार्टी नेताओं के साथ एक बैठक के दौरान कही, जहां उन्होंने जमीनी मुद्दों पर चर्चा की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह कांग्रेस नेताओं के साथ नाश्ता करते हुए चुनावी मुद्दों पर चर्चा करते नजर आए। इस बैठक में केसी वेणुगोपाल और विपक्ष के नेता वीडी सतीशन समेत कई नेता मौजूद थे। बातचीत में बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के पलायन जैसे मुद्दे उठाए गए।

केरल में बदलाव की जरूरत पर राहुल ने जोर दिया

राहुल गांधी ने कहा कि केरल को बदलाव की जरूरत है, खासकर शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था युवाओं को सही मौके नहीं दे पा रही है। उनके मुताबिक अगर यही स्थिति रही तो आने वाले समय में राज्य में बुजुर्गों की संख्या ज्यादा हो जाएगी और युवा बाहर चले जाएंगे।

शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाये गये

विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले कोर्स पुराने हो चुके हैं। इससे युवाओं को सही स्किल नहीं मिल रही और वे दूसरे राज्यों या देशों में जा रहे हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार करना जरूरी है।

रोजगार व पलायन बड़ा मुद्दा

राहुल गांधी ने कहा कि रोजगार के मौके भारत में कम हो रहे हैं, जबकि चीन और वियतनाम जैसे देश उत्पादन के जरिए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बड़े उद्योगपति देश में उत्पादन बढ़ाने के बजाय बाहर से सामान लाकर बेचने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। इससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर कम हो रहे हैं।

केंद्र की नीतियों पर सवाल

बैठक में विदेशी चंदा कानून यानी एफसीआरए में प्रस्तावित बदलावों पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस नेताओं ने इसे संगठनों पर नियंत्रण का प्रयास बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कानून खास समुदायों और संस्थाओं को निशाना बनाने के लिए लाया जा रहा है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि यूडीएफ पूरी तरह एकजुट और मजबूत है और चुनाव के लिए तैयार है। उन्होंने भरोसा जताया कि पार्टी राज्य में बेहतर विकल्प पेश कर रही है। केरल में 9 अप्रैल को मतदान होना है और इस बयान के बाद चुनावी मुकाबला और तेज हो गया है।

वैश्विक झटकों ने हमारी लचीलेपन की परीक्षा ली : विदेश मंत्री

भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर का 15वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

रायपुर। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा, हम अब दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि हाल के कई वैश्विक झटकों ने हमारी लचीलेपन की परीक्षा ली है और भारत उससे मजबूती से बाहर निकला है। हमने घरेलू और बाहरी दोनों चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है।

विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर शनिवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) नया रायपुर स्थित परिसर में 15वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में विभिन्न कार्यक्रमों के 552 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई, जिनमें प्रमुख एमबीए प्रोग्राम के 314, एग्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम के 230 और 8 डॉक्टरेट शोधार्थी शामिल थे। इस अवसर पर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने दीक्षांत भाषण दिया। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कहा, स्नातक होने वाले इस बैच को खुद को भाग्यशाली मानना चाहिए। क्योंकि यह उस पीढ़ी का हिस्सा है जो 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नियत है। आप एक दशक की ठोस प्रगति और विकास के लाभार्थी हैं। आपको तकनीक और सूचना तक वह पहुंच प्राप्त हुई है, जिसकी कल्पना एक पीढ़ी पहले करना भी असंभव था। यही नहीं आप वैश्वीकरण के उस युग में बड़े हुए हैं, जिसने आपको शेष विश्व के साथ बहुत गहराई से जोड़ा है। आज भारत अपनी विकास यात्रा में एक लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है और आपका यह समूह उन लोगों में शामिल होगा जो इस प्रयास का नेतृत्व करेंगे। आपके कौशल हमारे राष्ट्र को समृद्धि की खोज में आगे ले जाने में मदद करेंगे। विदेश मंत्री ने कहा, यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि आज भारत में स्नातक होने वालों की संभावनाएं पहले की तुलना में कहीं अधिक उज्ज्वल हैं। वास्तव में, हमारे समाज में एक ऐसा आशावाद है जो दुनिया के कई अन्य हिस्सों में नहीं दिखता। अब आप पूछ सकते हैं कि ऐसा क्यों है? शायद इसलिए, क्योंकि पिछले दस वर्ष बहुत बेहतर रहे हैं, जिससे यह विश्वास पैदा हुआ है कि अगले दस वर्ष और उसके बाद का समय भी वैसा ही होगा। कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि हाल के कई वैश्विक झटकों ने हमारी लचीलेपन की परीक्षा ली है और भारत उससे मजबूती से बाहर निकला है। हमने घरेलू और बाहरी दोनों चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है। आईआईएम रायपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष पुनीत डालमिया ने कहा, 2026 के बैच, आप गहरे वैश्विक बदलाव के क्षण में स्नातक हो रहे हैं। हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जलवायु परिवर्तन, डिजिटल व्यवधान, भू-राजनीतिक बदलाव और तेजी से बदलते उपभोक्ता व्यवहार वाले युग में जी रहे हैं।

एक नजर

बलोचिस्तान में पाकिस्तान सुरक्षा बलों के 86 जवान मारे गए, बीएलए ने लिया जिम्मा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में आजादी की मांग को लेकर मुखर सशस्त्र विद्रोही संगठन बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के 86 जवानों को मार गिराने का दावा किया है। बीएलए ने कहा कि सेना के कई रडार नष्ट कर दिए हैं। सैन्य काफिले, हवाई अड्डा और मौत के दस्ते पर हमले कर सुरक्षा बलों को पीछे हटने को मजबूर कर दिया गया। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए एक्स पर वीडियो जारी किया है। यह वीडियो 14 मिनट का है। इस वीडियो में रडार प्रणालियों का विनाश, शम्सी एयरबेस पर रॉकेट से हमला, झाल मगसी पर हमले, सोराब और कुर्दगाप में सैन्य काफिलों पर हमले और कदन और मस्तुंग में सैन्य शिविरों पर हमले दिखाए गए हैं। वीडियो में दावा किया गया है कि बीएलए ने दलबांदिन में खनन स्थल पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। पंजगुर में पाकिस्तान सरकार समर्थित समूह मौत का दस्ता के मुख्यालय पर हमला कर उस पर कब्जा कर लिया गया है। वीडियो में पाकिस्तान की सेना के सैन्य वाहनों, हथियारों और अन्य सैन्य उपकरणों को जलाते हुए दिखाया गया है। बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलोच ने आज विस्तृत बयान जारी कर कहा है कि लड़ाकों ने 29 मार्च को कब्जे वाले बलोचिस्तान में पाकिस्तान की सेना के खिलाफ समन्वित हमले शुरू किए। यह हमले एक अप्रैल तक जारी रहे। पंजगुर, शापक, बसिमा, साबी, नसीराबाद, डेरा बुगती, मस्तंग, क्वेटा, नुश्की, जमरान, दश्त, सोराब, झाल मगसी, दलबंदिन, खारान, वाशक और कलात में कुल 65 हमले किए गए। इन हमलों में 86 से अधिक कर्मी मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। प्रवक्ता ने कहा कि इन हमलों में सेना के शिविरों सहित हवाई अड्डों, रडार प्रणालियों, संचार टावरों, रेलवे ट्रैक, पुलों और गैस पाइपलाइनों को निशाना बनाया गया। पंजगुर और जमरान में हुई झड़पों में बीएलए के छह लड़ाकों की मौत हो गई।

पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत में कटौती, नया भाव 378 रुपये प्रति लीटर

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पेट्रोल की कीमतों में कटौती की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह कदम दुनिया भर में तेल की बढ़ती कीमतों के बीच नागरिकों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। राष्ट्र के नाम संबोधन में शरीफ ने कहा कि पेट्रोल की नई कीमत 378 रुपये प्रति लीटर तय की गई है। यह एक महीने तक लागू रहेगी। यह कटौती पेट्रोलियम लेवी में 80 रुपये प्रति लीटर की कमी के बाद की गई है। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, शहबाज शरीफ ने कहा कि पिछले तीन हफ्तों में सरकार ने राष्ट्रीय संसाधनों से 129 अरब रुपये की सब्सिडी दी है। इन उपायों का उद्देश्य ईंधन की बढ़ती कीमतों का पूरा बोझ जनता पर पड़ने से रोकना है। इसके अलावा सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों के लिए लक्षित सब्सिडी की भी घोषणा की है। मोटरसाइकिल चालकों को 100 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी दी जाएगी। परिवहन क्षेत्र को भी राहत उपायों में शामिल किया गया है। बढ़ते परिचालन खर्चों की भरपाई के लिए मालवाहक और कमर्शियल वाहनों को सब्सिडी दी जाएगी। सार्वजनिक परिवहन बसों को हर महीने 100,000 रुपये की सब्सिडी मिलेगी, ताकि यात्रियों के लिए किराया स्थिर रखा जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि इकोनॉमी-क्लास ट्रेन यात्रा का किराया नहीं बढ़ाया जाएगा।

पीएम मोदी ने चेन्नई में संगीतकार रमेश विनायकम और परिवार के सदस्यों से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में चुनाव प्रचार के दौरान शनिवार को संगीतकार, गायक और संगीत निर्देशक थिरु रमेश विनायकम और उनके परिवार से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि मुझे थिरु रमेश विनायकम और उनके परिवार से मिलने का अवसर मिला। रमेश एक संगीतकार हैं और उन्होंने अपना जीवन भारतीय संगीत को लोकप्रिय बनाने के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने मुझे गमक बॉक्स नोटेशन सिस्टम बनाने के अपने काम की झलक दिखाई। भारतीय संगीत को विश्व स्तर पर ले जाने का यह एक अभिनव तरीका है! उल्लेखनीय है कि चेन्नई के थिरु रमेश ने कर्नाटक और पश्चिमी शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण लिया है। उन्होंने कई तमिल फिल्मों में संगीत रचना और गायन किया है। इसमें फिल्म 'फाइव स्टार' का लोकप्रिय गाना ऱथिरु थिरुदाऱ भी शामिल है। उन्हें विशेष रूप से उनके अभिनव 'गामक बॉक्स नोटेशन सिस्टम' के लिए जाना जाता है, जो भारतीय शास्त्रीय संगीत को पारंपरिक रूप से नोट करने का एक अनूठा तरीका है।

28 फरवरी से चल रहे युद्ध में बहुत कुछ खोने के बावजूद दुश्मन को नाकों चने चबवा रहा है ईरान

इजराइल पर हवाई हमला, तीन शहरों में नुकसान

तेल अवीव/ तेहरान। ईरान 28 फरवरी से अमेरिका-इजराइल के साथ छिड़े युद्ध में बहुत कुछ खोने के बावजूद दुश्मन को नाकों चने चबवा रहा है। राजधानी तेहरान के पश्चिम में स्थित करज में गुरुवार को महत्वपूर्ण पुल पर किए गए हमले के बाद ईरान आक्रामक हो गया है। उसने आज तड़के इजराइल के तीन शहरों पर हवाई हमला किया है। इसके अलावा अमेरिका का एक और विमान मार गिराने का दावा किया है।

द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने रामत गान में बमबारी की है। इस बमबारी में एक इमारत ढह गई है। इसके अलावा रोश हाह्ययिन में किए गए हमले में बिजली गुल हो गई। फायर एंड रेस्क्यू सर्विस ने इसकी पुष्टि की है। फायर एंड रेस्क्यू सर्विस का कहना है कि ईरान ने बीरशेबा के दक्षिण में स्थित नियोत होवाव औद्योगिक क्षेत्र में बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। इसके अलावा बेनी ब्राक में हुए हमले में एक व्यक्ति को हल्की चोट आई आई है। उसे इलाज के लिए मयानेई हयेशुआ मेडिकल सेंटर ले जाया गया।

अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, करज में गुरुवार को महत्वपूर्ण पुल पर किए गए हमले के बाद ईरान ने शुक्रवार को एक अमेरिकी लड़ाकू विमान मार गिराया। तेहरान ने आज सुबह दावा किया कि उसकी सेना ने अमेरिका के दूसरे विमान (ए-10) को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास मार गिराया। इस बीच अमेरिका के ईरान में प्रमुख पुल को नष्ट करने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब नागरिक सुविधाओं और बिजली संयंत्रों पर हमले झेलने के लिए तेहरान तैयार रहे। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने ट्रंप की धमकी को 'बड़े पैमाने पर युद्ध अपराध' करने के इरादे की स्वीकारोक्ति बताया है।

कुवैत ने कहा है कि ईरान ने एक जल विलवणीकरण संयंत्र और एक तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया है। तेहरान ने विलवणीकरण संयंत्र को निशाना बनाने की बात से इनकार किया है। ईरान ने इजराइल पर भी मिसाइलें दागी हैं। 28 फरवरी से अब तक, पूरे ईरान में अमेरिकी-इजराइली हमलों में कम से कम 2,076 लोग मारे गए हैं और 26,500 घायल हुए हैं।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर विपक्ष की सर्वदलीय बैठक की मांग

खरगे ने रिजिजू को लिखा पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023' के लागू करने के तरीकों और रोडमैप पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग दोहराई है। इस पत्र पर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह, समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव समेत 10 से अधिक विपक्षी सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। खरगे ने अपने पत्र में कहा कि उन्होंने 16 मार्च, 2026 को भी किरेन रिजिजू को लिखा था कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में जल्द से जल्द एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। सरकार अब सितंबर 2023 में पारित इस संविधान संशोधन में एक और संशोधन की योजना बना रही है। विपक्षी दलों ने इस प्रस्तावित संशोधन पर चर्चा के लिए बैठक की मांग की है। खरगे ने कहा कि बैठक को अधिक उत्पादक बनाने के लिए सरकार को पहले एक नोट जारी करना चाहिए, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि वास्तव में क्या प्रस्तावित किया जा रहा है। बैठक विधानसभा चुनावों का मौजूदा दौर पूरा होने के बाद 29 अप्रैल को आयोजित की जाए। इससे पहले 16 मार्च को रिजिजू ने खरगे को पत्र लिखकर कहा था कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने इसे लागू करने के लिए राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता पर जोर दिया था और कांग्रेस नेतृत्व से विस्तृत बातचीत का आग्रह किया था। इसके जवाब में खरगे ने सर्वदलीय बैठक की मांग करते हुए कहा था कि यह कानून सितंबर 2023 में बिना किसी सहमति के पारित हुआ था और अब 30 महीने बाद सरकार इसके लागू करने के तरीकों पर चर्चा करना चाहती है। कांग्रेस का मानना है कि इस पर सभी विपक्षी दलों के साथ मिलकर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्रनाथ पांडेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)